Referred to Chief Secy. G. E. L. Church for immediate attention
[illegible] 9-11-32

Christian Bastee
Sonary
Jamshedpur
7/11/31

प्रिये महाशय,

आप को हमों का यीशुसहाय।

लिखने का वजाह यही है कि Mr. Karkpatrik (Labour Inspector) एक रारोडी रखा है जिस का नाम परनिया गोडिन है। उस को रखे 1½ वर्ष होता है। जिस को हमारे वाल बच्चे सहित जानते हैं ओ प्रति शाम को उसी रारोडी के यहां हमारे क्रिस्चयन बसती से हो कर आता और 1 वा आढ़ाई घन्टा रहने के बाद फिर इधर से जाता है।

उसने हमारे क्रिस्चयन युवकों का एक दल बनाया है। उस दल में तीनों मिसनों के युवक मेम्बर हैं जिनके नाम ये हैं अर्थात, हनुक, जोन, अन्द्रियस रेजन और पोल्बी कार्फ इत्यादि। और वे (Mr. Karkpatrik) इस कोमिटी के प्रेसिडेन्ट होते हैं उस कमेटी के नाम उन्होंने Bisulkians पार्टी रखा है। और अभी वे हमारे मण्डली के कामों में हाथ डाल कर और हमारे प्रभु के गिरजे पर भी बैठ कर हमारे मंडली के कामों में हाथ डाल रहे हैं। और इस को जमशेदपुर लुथेरान पेरिस और आप लोगों का ठहराया हुआ पादरी भी नहीं रोकता - वरना अपने पेरिस कोमिटी के साथ मिला कर विचार करने की सलाह देता है। इसी को रोकने के लिये क्रिस्चयन युनियन के तरफ से सेक्रेटरी को एक टेलिग्राम दिया गया था। लेकिन उन्होंने आकर Mr. Karkpatrik के सेक्रेटरी बाबू हनुक से मुलाकात कर के चले गये। जिस के कारण आप लोगों को कोई भी बात मालूम नहीं हुआ। इस लिये क्रिस्चयन युनियन फिर भी

आप लोगों को विनय पूर्वक अर्ज करता हैं। यदि आप लोग धर्म न्याय करने हारे हैं तो मेहरबानी कर के जल्द पधारिये और इस का फैसला कीजिये नहीं तो आगे हमों से सहा नहीं जारहा है, कोई रोज फौजदारी होने में कोई मुसकिल नहीं है कारण कि एक भाई को बहुत मुश्किल में गिराया गया है।

अर्थात :-

१. मारडली सजा दिया गया —।
२. बरखी औडर किया गया —।
३. उस के उपर १०७ दफा चलाया गया है।

और बहुत से बातें हैं जो आप लोगों के यहां आने पर पेस किया जायगा।

हम लोग (Christian Union) चहते हैं कि लुथेरन मिशन का काम लुथेरान Council फैसला करे इस लिये हम लोग इस मामले में हाथ नहीं देते हैं। मगर वह मामला फिर उरांव में पड़ मुराडा में पहुंच रहा है, इस लिये आप मेहरबानी कर के चिट्ठी मिलते के साथ कोमिसन भेज के इस का फैसला कीजिये।

आगे शुभ
आप का मंगल चहाने भाई गण
जमशेदपुर क्रिश्चयन युनियन —

One copy forwarded to Mr. Hwed.
S. L. C. Council.

Church Council
Received 10.11.31
Register No. 485
Date 7.11.31
File 13
Reply No.
Date

Copy forwarded to Rev. Lakra.

Jamshedpur
7/11/31

To

The Secretary Church Council
Ranchi

प्रिये महाशय,

आप सभों को हमों का पत्र महाशय लिखने का वजह यही है, कि Mr. Karkpatrik (Labour Inspector) एक रखेली रखा है। जिस का नाम पुरनिया ओड़िन है। उस को रखे हुए 1½ वर्ष होता है। जिस को हमारे बाल बच्चे सहित जानते हैं ओ प्रति साम को रखेली के यहां आता है हमारे बस्ती के भीतर से और प्रया: दो आढ़ाई घंटा रहता है उस ने हमारे खिस्चियन जुवाकों का एक दल बनाया है उस कमीटी में तीनो मिशन के मेम्बर हैं जिन के नाम ये हैं हनुक, जोन, अन्द्रीयस, रेजन, और पुलिकार्प, इत्यादि। और वे (Mr. Karkpetrick) इस कमीटी के प्रेसिडेन्ट हैं उस कमीटी का नाम उन्हों ने Bisulliams पार्टी रखा है। और अभी वे हमारे मंडली के कामों में हाथ डाल कर और हमारे प्रभू के गिर्जे पर भी बैठ कर हमारे मंडली के कामों में हाथ डाल रहे हैं और इस को जमशेदपुर लुथेरान पेरिस और आप लोगों का ठहराया हुआ पाद्री भी नहीं रोकता है पर अपने पेरिस कमीटी के साथ मिल कर विचार करने का सामथ्र्य देता है इसी को रोकने

के लिये खिृस्चयन युनियन के तरफ से सेक्रेटेरी को एक टेलीग्राम दिया गया था। लेकिन उन्हो ने आकर (Mr Karkpetrick) के सेक्रेटेरी वाबू हनूक से मुलाकत कर के चले गये, और उन्हों ने क्या वात्तचीत किया सो हमों को मालूम नहीं है और जिस के वजह से आप लोगों को कोई बात मालूम नहीं हुआ। इस लिये खिृस्चयन यूनियन फिर भी आप लोगों को विनय पूर्वक अर्ज करती है कि यदि आप लोग धर्म न्याय करने हारे हैं तो मेहरवानी कर के जल्द पधारिये और इस का फैसला किजीये, नहीं तो हमों से सहा नहीं जा रहा है कोई रोज फौजदारी करने होने में कोई मुसकील नहीं है कारण को एक भाई को बहुत मुसिवत में गिराया गया है अर्थात

(१) मंडली सजा दिया गया है

(२) वस्ती और किया गया

(३) उस के उपर १०७ दफा चलाया गया और भी बहुतसी बातें हैं जो आप लोगों के यहां आने पर पेश किया जायगा हम लोग (Christian Union) चाहते हैं कि लुथेरान मिशन का काम लुथेरान कौनसिल ही फैसला करे इस लिये हम लोग इस मामले मे हाथ नहीं देते हैं मगर वह मामला फिर उरांव मुन्डा में पहुच रहा है इस लिये आप मेहरवानी करके चिट्ठी पाते के साथ कमीशन भेज के फैसला किजिये

आगे शुभ

आप का मंगल चाहक भाई गण

जमशेदपूर खिृस्चयन यूनियन

L. Tappo
Ohmas Kujur
Jo Sheph Purti.
Nathaniel Lakra.
Christeshrit Oakhla
Pitter Khalkho
Mansidh
Daniel Khalkho
Kanmelius
Daud Tirkey
Matias Tirkey
Mahanand Lakra.
Charles Lakra

Lucas Lakra

B. S. Topno

Chandra Das T.

Sharan Lakra

B. Tiru

L. D. Isaac

P. D. Lakra

Immanuel Toppo

~~amar~~ amrit mini

S. D. Lakra

Jon minj

Daniel

Minj

J. Tirkey

C. Tirkey

Habil

J. Horo

C. W. Toppo

Church Council
Received 23.11.31
Register No. 503
Date 23.11.31
File 13.
Reply No.........
Date.........

छोटानागपुर और आसामस्थ G.E.L.
Church Council के निकट
रिपोर्ट और अर्जी ।

महामान्यवर महाशयगण

को मेरा

वो Jamshedpur Lutheran Parish Committee की ओर से यीशुसहाय ।

आगे मैं जनाता हूं कि मैं 19 Nov. 1931 को दो काम के वास्ते रांची आया — एक तो कचहरी के काम और दूसरा कौंसिलको बुलाने के काम में —

A. पेरिश कमिटी ने मुझे (authorised) इजाजत दिई है कि मैं आप लोगों में से Rev. Joel Lakra, Mr. P. Hurad, Secretary, Rev. John Topno, President और Rev. M. Prehn चार जन हमारे जमशेदपुर गोलमाल मिटाने को Commission बुलाऊं । जमशेदपुर के गोलमाल का संक्षेप रिपोर्ट आप लोगों को मैंने भेज दिया है, उसके बाद भी Secretary के जाने और लौटने पर बड़ा तूफान उठा है। (मैंने Mr. Lakra को पूरा बयान बताया है) सो तूफान उठा है उसमें दो लाश गिराने की बात बहुत जोरशोर से बढ़ रही है। सो मैं आप

P.T.O.

लोगों को कमिटि से इज्जाजत पाकर बुलाता हूं कि आप कृपा कर सुसमय में जमशेदपुर आइये — अच्छी बात होती यदि आप लोगों में से अपरोक्त मेम्बर आडवेसर के आगे आते और सफाई करते — मराउली में (सोनारि में) ख्रिष्टियान आकाम में रोकटोक होती हैं।

B. इसी Commission के समय मेरे Transfer की बात भी सफाई किई जाय। यह मेरी अरजी आप लोगों से है।। (Mr. Lakra और Secretary जरूर ही Commission होवें।)

आपका आज्ञाधीन

पाद्री एरथर जोजोवार

रांची 23 Nov. 1931.

The Treasurer German Lutheran Mission
Ranchi.

Church Council
Received 30.11.31
Register No. 522
Date 13.
File
Reply No.
Date

~~Converted letter~~

C. C.

We the members of the German Lutheran mission of Sonari, & Mabulbera, Jamshedpore most respectfully beg to solicite your kind favour to consider the facts as follows and extend your merciful hand for its speedy removal.

That to set our church affairs in order we had wired to the Secretary Mr. P. Kurad on the last week of Oct 1931 but sorry to recall that he paid no heed to it. We however were not disheartened and some-times back dispatched a registered letter in which we had duely described our grievances. That;—

How Mr. Kirkpatric the labour Inspector of Tata Co Ltd. have formed a "Vigillance" party at Sonari under his presidentship. Some boisterous youngmen equally moraly degreded with the president have been elected as office bearers of the so called Vigillance party and at present have stood as a tyrreny to the mass. The said Mr. Kirkpatrick being their strong support. The present pastor or padri Mr. L. Jojoyer and other important members of the Church having been unable to rescue the church-affairs independently have submitted the wholesale affairs in the shifting sweet will of the said

Mr. Kirkpatrick.

Again in the letter we had described a present mishappening and the characteristic of the said mr. Kirkpatrick that how the said president have been commiting nuisance before the public since one year and a half by keeping a kept named Purnia Gowrie and visiting her every evening for two hours or so for the purpose of commiting evil, in the evening.

The office bearers again having been failed to commit such a nuisance dead denounced a poor woman and have been ~~executed~~ prosecuted before the Court

A member of our church again having protested the ill affairs or shameful; coward dealings such as to belabour a mere woman mercilessly have been turned of the church at first; and in the second place prosecuted before the Court under section 107 cr. p.c. by the said Kirkpatrick and his party and in the third place a notice has duely been served to him so that he will be turned out of the compound as soon as it would be 30th Nove. 1931.

All these however though sent to the Secretary Hoostad he paid a little heed to it as he came to Jamshedpore secretly and making an interview with Hanok the member of the said "vigilance"

→ party and one of the Culprits of the present mis-happening. and again Consulting none returned Secretly as he Came.

We had appealed to Mr. Laxra of Ranchi but to ~~that~~ no purpose. This is the third appeal and we hope. we Shall not be turned back. from your door.

Otherwise how pitiously we will think that there is none in the whole German Luthern Congregation who dare opposing Curruption + Volgarity. There is none to lead the mission work. properly and So we have been delivered to a devil born as Mr. Kirkpatric is and Soon remaining in the Same mission our prestige, humanity and everything are going to be trampled down under a Satan's feet.

This is not our appeal not a mere petition but a Harrowing Cry from wifes, Children and all for the recruitment of our Virtue, humanity + everything. If you have Courage to Save us. please So Come and if not please inform us Soon. So that no mission bondage Can Compell us to undergo the Suffering.—

Dated 18th Nove. 1931

On behalf of the public.
William Toppo. Sonari.
Christian Basti.

Church Council
Received 28.10.31
Register No. 463
Date 20.10.31
File 13
Reply No.
Date

26/10/31

Christian Basti
Sonaree. Jamshedpure
Dated the. 20 10/31

प्रिये महाशय।

आप को हमों का पियार येशुसहाय। लिखने का वजह यह है, कि आप लोगों का भेजा हुआ पाद्री बाबु जोजवार जमशेदपुर मण्डली में धर्म प्रचारने नहीं आया है लेकिन यहां गुराडा बाजी करने आया है। सो आप से हमों कि अर्ज है यदि आप अपने जात को मण्डली कि भलाई चाहते हैं तो मेहरबानी करके जल्द पधारये और फैसला कीजिये। नहीं तो पीछे पछताना पड़गा। क्योंकि यहां इसके गुराड़ा बाजी को सामना करने को तैयार होकर खड़े हैं। खाली आप के जबाब के आसा में हैं, ज्यादा कोई बात नहीं लिखता हु यहां खुद आप आकर अपने निज आखों से देखेगें और कानों से सुनेगें आजही एक खत्त चैबासा का पाद्री [illegible] को भी लिख रहें हैं॥.

आगे आप का मंगल च[illegible]न भाई
विलय[illegible] टोप्पो
सोनारी
जामशेदपुर

Church Council
Received 28.10.31
Register No. 1464
Date 26.10.31
File 13
Reply No.
D.

Sonari Jamshedpur
26/10/31

पियारे भाई पी. हुरद —

आप लोग घराने सहित हम लोगों का
पियार और यीशु सहाय मानेंगे — आगे
आपका चिठी ता: 28 अक्टोबर का पाकर हाल
मालूम कीया सो विशेष बात यह है पादरी
जोजोवर के साथ किसी भाई का गोलमाल
तो नहीं है पर असली बात यह है कि एक रोज
एक धासीन औरत यहां सोनारी खृस्तान बस्ती
में युसफ तिरकी के साथ जो कि उन दोनों में
किसी बात का झगड़ा होता रहा उस समय में
पेरिश कमेटी के मेम्बरगण जो सोनारी में रहते हैं
उस औरत को गोलमाल करने में मना किये
रहा था उस औरत को कोमल टोप्पो ने
नालिश करने को उसकाया और एक रोज उसने
दारु पीकर पादरी को और हनुक प्रचारक को
गाली गलौज किया इस पर पेरिश कमेटी
पंचायत कर कोमल टोप्पो को मंडली बाहर किया
गया है यही कोमल टोप्पो आप लोगों के पास
तार भेजा है सो जानेंगे और दूसरा कोई भाई
कोमल टोप्पो के सामील नहीं है और ऐसा
गाली गलौज कोमल के स्त्री से रोज होता हि
है दूसरा बात यह है कि कोमल टोप्पो कहता
है कि सोनारी का गिरजा घर मेरा रुपैया से
बनाया गया है मैं किसी को गिरजा करने नहीं
देऊंगा इत्यादि,

आगे कुशल

आपका —

S Sandil

Acknowledged in the Post Card on the 12th october, 1931.

D) - 8.10.31

Church Council
Received 10.10.31.
Register No. 406.
Date 8.10.31.
File 13.
Reply ........
Date ........

The Secretary,

Lutheran Church Council,

Chotanagpur and Assam

Ranchi

Dear Sir,

I have for acknowledgment your Memo No 354/31/G-13 of 31st July 1931. quoting an extract of the Minutes of the meeting of the Church Council Executive held on 14.7.31 and note contents.

In reply to yours ~~xx~~ I quote below an extract of the Minutes of the meeting of Jamshedpur Lutheran Parish Committee held on the 6th September 1931.

(1) Increment of Rs. 5/- to Rev. L. Gojowar.

Jamshedpur Parish Committee does not like to alter the resolution passed on the meeting of 7-6-31 in respect of giving increment to Rev. Gojowar and that he should be given Rs 5/- increment without any comments in regard to the financial conditions of Jamshedpur Church and C.C.'s scale of salary.

(2) Retention of services of Rev. Gojowar at Jamshedpur for 2 years more.

held on the 6th September 1931.

(1) Increment of Rs. 5/- to Rev. L. Jojowar.

Jamshedpur Parish Committee does not like to alter the resolution passed on the meeting of 7-6-31 in respect of giving increment to Rev. Jojowar and that he should be given Rs 5/- increment without any comments in regard to the financial conditions of Jamshedpur Church and C.C.'s scale of salary.

(2) Retention of services of Rev. Jojowar at Jamshedpur for 2 years more.

In regard to this C. C. may be informed that this resolution for the retention of Rev. Jojowar's service for 2 more years against his application for transfer, was passed in full consultation with him.

I hope that in the light of resolution cited above C.C. will now see their way to have J. P. Committee's original resolutions approved without any further dispute in the matter. I may add that J. P. Com. are now conducting their affairs in an excellent manner under the autonomy system and that any resolution that

that might be passed by the C. C. Company to those that have already been passed by J. Parish committee will be to their utter discontent and despair. Your early reply to this is solicited

A. P. Topono.
Secretary.
Jamestown. L. Parish Committee
Jamestown.

# Memorandum.

From,

P. Hurad, Secretary
**G. E. L. Church,**
**Chota Nagpur & Assam.**
**RANCHI.**

No. ~~708-709/31.~~
F. - 13.

LUTHERAN COMPOUND,

Ranchi the 3rd. December, 1931.

To The Rev. L. Jojowar,
Jamshedpur.

Manyawar Padri L. Jojowar,

Ap ko mera Yishusahay!

Ap ko malum howe ki Jamshedpur ke golmal ko tay karne ke liye Church Council ke tinon (3) Office bearers Budhwar 9 December sanjh ko Jamshedpur pahunchenge aur Brihaspatiwar 10 December ko meeting karenge so ap sabhon ko khabar dijiye ki 10 December ko meeting hoga jisten sab log hajir ho saken. Kis samay aur kis sthan men meeting honi chahiye isko ap aur Local Panch thaharaiye aisa ki wahan ke sab logon ko subhita howe.

Age shubh,

[signature]

Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to Rev: P. Tirkey
Ilaka Chairman, Chaibassa.

C. Church Council
Received 24.10.31.
Register No. 453.
Date 23.10.31
File 13
Reply No............
Date............

POSTS TELEGRAPHS

24/10/31- 48

NOTICE.
This form must accompany any inquiry made respecting this Telegram.

| Charges to pay. | | Office Stamp. |
|---|---|---|
| Rs. | As. | RANCHI TEL. 23 OCT. 31 |

| Handed in at (Office of Origin.) | Date. | Hour. | Minute. | Service Instructions. | Words. |
|---|---|---|---|---|---|
| Jamshedpur | 23 | 15 | 20 | | 17 |

Recd. here at H. 16 M. 44

TO

P Hread Secretary
Lutheran Church
Ranchi

Rev and parish pertial
decision come settle
Christian union
Jamshedpur

*N. B.*—The name of the Sender, if telegraphed, is written after the text.
Karim Bux Bros., Printers, Calcutta—529 (B-107)—21-7-28—1,00,000 Bks.

637/31.
F.- 13.

24th. October, 31.

Piyare Jojowar Padri,

Mere pas kal tar aya ki ap ke aur Parish Panch men golmal hai tar men aisa likha hai.

Reverend and Parish partial decision come settle Christian Union, Jamshedpur.

Mujhe shighar janaiye ki yah kaisa golmal hai jisten Council is par thik soch bichar kar sake.

Yishusahay,

Age shubh,

[signature]

Secretary,

G. E. L. Church.

OFFICE OF THE SECRETARY G.E.L. CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM

CHURCH COUNCIL KE KARJKARAK SABHA

KA KARJBIBRAN.

TA: 31 JULY, 1930.

11. PRESIDENT KA SINGBHUM SAPHAR.

President June ke ant men Chaibassa aur Chakradharpur gaye the aur wahan ki mandliyon ki dasha par apna report diya. Bisheshta Jamshedpur men Dindli men Station athwa Padri ke liye ghar banane ki bat ki awashyakta dikhai. Batchit Dindli aur Kitadih men jagah lene ke bare men hui aur nidan yah sthir hua -

SANKALP : Ki Kitadih men jamin lene ke sambandh men Singbhum ke Deputy Commissionor se likha parhi Council se kiya jawe phir wahan aur Dindli men Padri ke ghar ke banane ka estimate Padri Jojowar se manga jay.

Sd. P. Hurad
Secretary.

Memo No. 303/30.
F.- 13.

Dated Ranchi, the 1st August, 1930.

Extract Copy of the Church Council Executive's Resolution forwarded to the Rev. L. Jojowar for information and compliance.

[signature]

Secretary,

G.E.L. Church, Ranchi.

OFFICE OF THE SECRETARY, LUTHERAN CHURCH COUNCIL, CHOTANAGPUR & ASSAM

---------oOo---------

2. MAUR BHANJ MEN MANDALI.

Maurbhanj ke Lutheran khrishtiyanon ke nam se ek bhai ki chithi parhi gai jismen niwedan tha ki koi na koi Padri wahan bheja jawe jisten unki atmik sudhi lene ki uchit chinta howe. Chaibassa ka Padri Paulus Tirkey wahan nahin ja saka. So is bishay par batchit hui aur yah uchit samjha gaya -

SANKALP : Ki Jamshedpur ka Padri Luther Jojowar ko likha jawe ki we Maurbhanj jawen aur wahan ki dasha par arthat wahan kitne hamari mandali ke log hain unki arthik dasha kya hai aur we kisi pracharak ke betan dene sakte hain ki nahin tadaruk kar Council ko report dewen.

Memo No 225/31.
F. - 13.

Dated Ranchi, the 30th. July, 1931.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 14th. July, 1931 forwarded to the Rev: Luther Jojowar, Jamshedpur for information, guidance and compliance.

[signature]

Secretary,

G. E. L. Church.

OFFICE OF THE SECRETARY, LUTHERAN CHURCH COUNCIL, CHOTANAGPUR & ASSAM.

---------oOo---------

1. PADRI LUTHER JOJOWAR KA BETAN AUR BADLI.

Jamshedpur ke Padri Luther Jojowar ko uske bartman Rs40/- betan se upar Rs5/- briddhi dene ke liye aur uski badli kam se kam do barson tak rok dene ke liye ek darkhast Jamshedpur Panch ki or se ai jo parhi gai. Briddhi ke sambandh men batchit hui. Khajanchi se suna gaya ki Jamshedpur mandali ab tak Rs40/- ritimat apne padri ke liye nahin de saki hai. Council ne dekha ki jab Rs40/- abhi tak nahin diya ja raha hai to kyonkar Rs5/- aur briddhi dene ki bat ho rahi. Iske alawe Council Mahasabha se thahraye huwe talab-scale se adhik kisi ko nahin de sakti hai aur na dila sakti hai. Yah paya gaya ki Padri Luther Jojowar ne apni badli hone ki darkhast bheji aur mandali Panch ke sankalpon men apni sahi nahin dii hai isliye sthir hua -

SANKALP :(k) Ki Council apsos karti hai ki Jamshedpur-Panch ke niwedan anusar Padri Luther Jojowar ko scale se bahar bridhi nahin de sakti hai kyonki Padri Jojowar ko bishesh karan se wahan Rs 5/- adhik diya hi ja raha hai.

(kh) Ki Padri Luther Jojowar se jancha jawe ki we age Jamshedpur men rahna chahte hain ki apni darkhast anusar badli hona chahte hain

(g) Ki ghar marammat ke liye jo dena sipharish kiya gaya hai so Rs10/- Samuel Hemrom ko aur Rs5/- Patras Minz ko dene ke liye Counci se bhej diya jawe.

(gh) Ki Padri Jojowar ko Jamshedpur se apna ghar ane jane ka kharc mandali se nahin diya ja sakta hai. Ghar jane ki chhutti usi de subhite ke liye kewal 6 mahinon ke bhitar ka shart tha aisa shart adhik samgy ke liye nahin bandha ja sakta hai.

(anga) Ki Kharagpur men hamare khrishtiyan logon ki sewa men Luther Padri wahan jane ane sakte hain aur aisi yatra ke liye kharch wahin ke bhaiyon se diya jay.

Memo No. 224/31.
F. - 13.
Dated Ranchi, the 31st. July, 1931.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 14th. July, 1931, forwarded to the Secretary, Jamshedpur-Mandali Panch for information, guidance and compliance.

[signature]

Secretary,

G.E.L. Church.

Church Council
Received 25.6.31
Register No 102
Date 24.6.31
File 13.
Reply No.........
Date.........

D/- Jamshedpur
The 24th June 1931

The Secretary,
The Church Council
Lutheran Mission
Ranchi.

Dear Sir,

As instructed by the Jamshedpur Lutheran Parish Committee, I quote below an extract of the minutes of the meeting of the Committee held on the 7th June 1931 at the Church of Christ at Adityapur (Sindh).

This is for your information and necessary action.

Items of the meeting.

(3) Increment to Rev. L. Jojowar.

Considering the hard labour and valuable services of Rev. Jojowar and the better condition of the Church at present, It was passed unanimously by the majority of the votes that an increment of Rs 5/- be given to Rev. Jojowar with effect from June 1931.

(4) Transfer of Rev. L. Jojowar:-

As mentioned above it was passed unanimously by the majority of the votes that the services of Rev. L. Jojowar be retained for 2 years at the least, at Jamshedpur Lutheran Church and that he may be allowed the same privileges as the Council has given him as at present. A copy of the minutes will follow later on.

With best regards.

A. P. Topono.
Jamshedpur Lutheran Parish Committee
Jamshedpur.

[C]hurch Council
Rec[ei]ved 19.5.31
[R]egister No. 61.
Date 16.5.31
File 13.
Reply No.
Date

छोटानागपुर और आसामस्थ G.E.L.
Church Council के निकट निवेदन।

महाशयगण

आप लोगों को मेरा यीशुसहाय

मैं ने अपनी बदली के दरखास्त का जवाब
आप के Memo no. 4-9/31 F 52 dated 4th May 1931 से
पाया "4. Padri Luther Hiowar abhi 6 mahine tak
Jamshedpur men rahe awashyakta par samay2
Chhutti lekar ghar aya jaya kare" (1) मैं बहुत ही
चाहता था कि मैं अपने घर के निकट जाऊं पर कौंसिल को
अच्छा लगा कि मैं ~~छ:~~ महीने जमशेदपुर में रहूं—इस में मेरा
कुछ उजुर नहीं है, मैं आज्ञाधीन हो यहां पर काम करने
को तैयार हूं, केवल एक थोड़ी अरजी मेरी यह है कि
मुझे घर आने जाने का खर्च मिले।

(2) मेरी दूसरी अरजी
यह है कि मुझे वह खर्च मिले जो मैं ने यहां घर
मरम्मती में खर्च किया अर्थात प्राय: तीन बरस के भीतर
बाबु सामुएल हेमरोम (दिन्दली) के घर में 26 अक्टोबर १९२८ से
5 मार्च १९३० तक रहा उसको मरम्मति मदद में १० रु० दिया
और बाबु पतरस मिंज के घर में 6 मार्च ~~से~~ १९३० से १९३१ के
आज दिन तक ५ रु० बाबु पतरस मिंज को दिया — आशा है
कि कौन्सिल मेरी इस दीन अरजी को ग्रहण करेगी। P.T.O.

(3) आगे तीसरी अर्जी यह है कि जमशेदपुर में पादरी का घर जल्दी बनवाया जाय - यदि कौंसिल आपसे नहीं कर सकती है तो यहां की मराउली को आज्ञा देवे कि कोई तरह का कच्चा घर भी बनाया जावे - बिना घर का कोई पेरिश न होवे मुझे घर न होने के कारण बहुत दुःख मिलता है - मेरा सामान झारसुगुडा से जैसे आया तैसे ही Packed यहां वहां भाइयों के घरों में पड़ा है, मुहल्ले में - हिन्दुस्तान में दूसरे २ पेरिशों और इलाकाओं के पादरियों को तो मुर्गी रखने का घर तक मौजूद है पर यहां पर कुछ ठिकाना नहीं है। यहां पर मेरे आने के आगे भी यहां के कार्यचारी का ऐसा ही हाल बीता। निश्चय यह भारी दुःख है।

(4) मेरी चौथी अर्जी यह है कि जमशेदपुर पेरिश के द्वारा खड्गपुर और मौभराउर के लूथेरान भाईबहिनें का आत्मिक देखभाल होवे। दोनों जगह के भाइयों की अर्जी कौंसिल को मैं पेश करता हूं। उन्होंने बेर २ चिट्ठी यहां के Parish Committee को लिखी है। वहां पर हाल में पादरी के जाने की जरूरी है, बालकों का बपतिस्मा, दृढ़िकरण और पवित्रबियारी आदि काम है। सो कोई तरह का हुकम फरमाया जावे ॥

आपका आज्ञाधीन
पादरी लूथर जोजोवार।

जमशेदपुर
२६-५-३१

# Memorandum.

*From,*

The Secretary,
**G. E. L. Church,**
**Chota Nagpur & Assam.**
**RANCHI.**

No. 61/30.
F.-13.

LUTHERAN COMPOUND.
*Ranchi* the 24th April, 19 30.

*To*

The mandli Panch C/O.
Ilaka Chairman,
Jamshedpur.

Extract Copy of the minutes of the Church Council dated the 7th April, 1930 forwarded to the Mandli Panch C/O. Ilaka Chairman, Jamshedpur for information and favour of opinion.

[signature]

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

**Office of the Secretary, G.E.L. Church Council, Chotanagpur & Assam.**

**Church Council ki baithki.**

**ta: 7 April, 1930.**

----------oOo----------

**Jamshedpur ki darkhast.**

2. Jamshedpur se jo darkhast ai thi usmen kitne bishay Padri ke sambandh men the aur us se jab tak na suna jay Council un bishayon ko nahin le sakti hai, so sthir hua-

Ki yah Jamshedpur ki darkhast wahan ke mandli Panch ke pas Chairman ke dwara bheji jay ki Panch apni ray Council ko janawe.

[signature]
Sec.
24. 4. 30.

Church Council
Received 5.2.31.
Register No. 702
Date 2.2.31.
File 13.
Reply No.
Date

File Jamshedpur 2-2-31

To
The Secretary. G.E.L. Church.

Makamanyawar Mahashay ap ko mera yishusahay.

(1) Main 1930 sal ke liye yahan Jamshedpur ki mandli ka mardumsumari bhejta hun. asha hai ki ap usko thik pawenge.

(2) Sarkari Mardumsumari ko main ne 15th December 1930 hi ko S.D.O. Jamshedpur ko soump diya hai (uski chithi No. 3147-52 G. Dated 28th Nov. 1930 ke anusar)

(3) Aj kal mandli ki dasha achchi hai.

(4) Bite October 1930 men ek committee banai gai hai jo "Special Lutheran Parish Committee" kahalati hai jis men Tata Company ka ek officer member hai aur rahega

P.T.O.

Is Committee ke hone se ham logon ko Mandli chalane men bari sahayta milti hai. Kyonki yah Committee Tata Company ke dwara "recognized" hui hai.

(5) Mardumsumari ki pith par ke sawal bhi diye gaye hain, p hisab ke bare main nahin bujh sake ki sal bhar ka dena hai ki kewal jo usmen manga jata hai jaise No. 12. men hai.

Age Shubh
Ap ka agyadhin
Rev. Luther Jojowar
2-2-31.

Church Council
Rec. 2.5.29
Reg. 720
Date 30.4.29
File 13.
Reply No.
Date

जमशेदपुर 30.4.29।

जमशेदपुर लुथेरान पेरिश कमिटी के जरिये
रांची लुथेरान चार्च कौंसिल के निकट निवेदन।

महामान्यवर महाशयगण,

यीशुसहाय—।

आप लोगों को मेरा
आप लोगों से मेरी दीनतापूर्वक अर्जी यह है कि मुझे 3 हफ्ताह की छुट्टी गांव (कोड़ा) जाने के लिये मिले। कारण ये हैं:—

(१) मेरी बड़ी बेटी 7 महीने से बिमार है चिठ्ठी पर चिठ्ठी आई थी — पर मैं मण्डली में मेरा काम ठीक ठाक नहीं हुआ था इससे मैं नहीं जा सका। अभी मण्डली में कोई गोलमाल नहीं है पेरिश कमिटी के जिम्मे सब काम छोड़ता हूं

(२) कल ही मुझे चिट्ठी मिली है कि मेरा एक लाही भाई घर मरम्मत नहीं कर सकता है क्योंकि वह कोई चोर जंगल से लकड़ी लाते समय आते से चलने फिरने भी नहीं सकता है - कोई 13 वर्ष से घर मरम्मत नहीं हुआ है जिससे हम साल उजाड़ किये हैं।

(३) जोजोवार गोत्र पढ़ाराजा तिलक मई महीने में होनेवाला है जहां मुझे उपस्थित होना है।

आप लोगों का आज्ञाधीन दास
पादरी अथर जोजोवार
जमशेदपुर

May be Granted for three weeks.
Secretary,
Jamshedpur Lutheran Parish Committee.
A. P. Topno.
29.4.29

No. 14    CC    17

To

The Secretary,
Lutheran Church, Ranchi.

Through The Headmaster,
M.V. School, Kondra.

मान्यवर महाशय।

आप की चिट्ठी No 2861/41/F.24 ता॰ 4/12/41 मिली जिससे मेरा जी बिल्कुल बेचैन है क्योंकि :-

१. मैं कब निशाखोरी के कारण किस स्कूल या मण्डली से निकाला जाकर डिसचार्ज किया गया बिल्कुल अनजान हूं जब तक मुझे खोलकर न बतावें।

२. आप की गत चिट्ठी मेरे लिये असन्तोषजनक है, जब कि आपने मेरे दरखास्त का साफ२ जवाब नहीं दिया।

३. मैं आप लोगों के कानून मोताबिक सपरिवार रहकर सेवा करने में असमर्थ हूं।

अतएव यह दरखास्त देकर आशावान हूं कि कृपया दास को सन्तोषजनक जवाब दिया जाय और २८ फरवरी १९४२ ई॰ तक में आप अपना बन्दोवस्त करें और मेरा इस्तिफा मंजूर किया जाय।

Forwarded to the Secretary C. C.
S.P. Bakhla
21/1,

I have the honour to be,
Sir,
Your most obedient Servant.
Raquel Kerketta
M.V. School, Kondra
20/1/42.

श्रीमान सेक्रेटारी लुथेरन चर्च कौंसिल
रांची

महाशय,

चक्रधरपुर पंच भाइयों का यीशु सहाय
आप निवेदन है कि योहन डुम्बरिया का अर्जी
पत्र ओ पंचों का अर्जी पत्र जो चाईबासा
मन्यबार पादरी के पास भेजा गया था दोनों का
गज़ आप के सामने पेश करते हैं कि योहन
डुम्बरिया का शादी मंडली के नियम अनुसार
होगा यह नहीं। क्योंकि चाईबासा का मन्यबा
र पादरी बाबू इस काम को करने के लिये
इनकार कर दिये।

आप इस का कौंसिल मे निपटारा करके
जितना जल्दी हो चक्रधरपुर पंच को जबाब
देने की कृपा करेंगे। क्योंकि योहन डुम्बरि
या चक्रधरपुर के मंडली पंचों से अन्तिम
फैसला शिघर ही जान ने चाहता है।
योहन डुम्बरिया १५ बर्ष मंडली से अलग
किये जाने पर भी मंडली को नहीं छोड़ा है
और मंडली के नियामों को भी आज तक
पालन करता आया है सो उचित फैसला
कर इस जबाब शिघर देने की कृपा करेंगे इति।

उत्तर कर दे
दिया

चक्रधरपुर
ता: २५-८-३८

ग्राम का ग्वाला थान
देवमाता जयकाड़ा
सेक्रेटरी
चक्रधरपुर मंडली पंच

Received
9.9.39
C.K. Bhengra

मान्यवर पादरी साहब को चक्रधरपुर मंडली
पंचान की ओर से यीशुसहाय !——

मान्यवर महाशय!

आप को विदित हो कि मोहन डुम्बरिया के दरखास्त के ऊपर हम लोगों ने बात विचार किया। यह दरखास्त १५ मार्च को इसी साल में पेश किया गया है जिस पर विचार करने में काफी वक्त अनावश्य गुज़र चुका है। इस से और अधिक देर करना हम लोगों के ख्याल में उचित नहीं जान पड़ता है। काथोलिक चर्च के पंचान ने मोहन डुम्बरिया की पहली स्त्री (धर्मपत्नी) की मृत्यु के विषय इस दरखास्त के ऊपर लिख ही चुके हैं। ऐसी अवस्था में वहां के कोई पादरी का सार्टिफिकेट लेना हम लोग कोई जरूरी नहीं समझते हैं। अलावे इसके मोहन डुम्बरिया अपने परिवार के साथ हमारी मंडली के ठहराए हुए नियमों को पूरा कर रहा है। इसलिये हम लोग उसके दरखास्त को मंजूर करने में कोई किसिम का बाधा नहीं देते हैं और आप के पास इसके साथ साथ दरखास्त भी भेज रहे हैं ~~और~~ ~~[illegible]~~ आप से निवेदन है कि ~~[illegible]~~ उसको मंजूर करें और मंडली के नियम मोताबिक उसका मंडली ग्रहण - शादी और बपतिस्मा वगैरह का बन्दोबस्त करें। -

Roman father se jo Mission in-charge me hai chitthi athwa death certificate lena hi hoga. Uske bina kam nahin hoga. Mandli grahan aur shadi ek hi bat nahin hai.
C.K. Bhengra
Pastor
Chaibassa
9.9.39

ह०. Herman
Lakra
८-९-३९

महामान्यवर चाइवासा और चक्रधर पुर के लूथेरन मिशन के पादरी बाबू कल्याण भेंगरा को मेरा निवेदन और चक्रधरपुर के मण्डली पंच;

महाशय।

मैं धर्म्म सम्बन्धी थोड़ी सी बातों को लेके अपनी अर्जी बिन्ती बिनयपूर्बक करता हूं सो यही है कि "मांगो तो तुम्हें दिई जायगी ढूंढो तो तुम पाओगे, खट खटाओ तो तुम्हारे लिये खोला जायगा। मैं योहन डुमरिया अपनी बिवाहिता स्त्री को त्याग के एक दूसरी स्त्री साथ रहता हूं। मेरी बिवाहिता स्त्री गत दो महीने हुए मर गई। अब हम लोग इस लैराट के भीतर अपने पापों को मान लेते हैं और पश्चताप करते हैं। हमारा पापों का बोझ हमसे सहा नहीं जाता सो कृपा करके ख्रीष्ट के मंडली में मिला लीजिये। जौभी कि आप के बिरुद्ध और ईश्वर के सामने पाप किये और आप के पुत्र कहलाने योग्य नहीं हैं तौभी दया से हम अधम पापियों को ख्रीष्ट की मंडली में मिला लीजिये। तत्पश्चात यह मेरी स्त्री बपतिस्मा नहीं पाई और दृढ़ीकरण भी नहीं पाई है मंडली में पादाई जावे। जब सब काम हो चूकेगा तब हम को ईश्वर की पवित्र बचन या नियम जो ठहरायी गई है उसके मोताबिक शादी दे दीजिये।

मेरी स्त्री बपतिस्मा और दृढ़ीकरण के लिये तरसती है और पाप के बन्धनों से छुटकारा पाने चाहती है। हूजूर आप ही धार्म्मिक और राजनैतिक बातों का फैसला करने वाले हैं इसलिये धार्म्म के माता पिता को यह दरखास्त पेश करते हैं कि उचित विचार करेंगे।

आगे आप ही हितचिन्तक हैं। उपरोक्त स्थल के द्वारा मेरा मांगना और ढूंढ़ना लाभ दायक निश्चय होगी। मैं और मेरी स्त्री ईश्वर पर भरोसा करती हैं।

आप का आज्ञाकारी

सेवक

चक्रधर पुर
१५वी मार्च १९३९

योहन डुमरिया।
विवाहिता स्त्री जोन डुमरिया की मर गयी
सदन गमयं।
इचिन्दा कथोलिक मिशन
रिपसखी संमभु किचेंग
श्री बंधनुकाल पुरती
L. Lawrence
[illegible] 1/4/8

सेक्रेट्री साहब,
मेहरबानी करके
एक मिटिंग के लिये
नोटिस दीजिये। यही दरखास्त
अजेण्डा रहेगा।
[signature] 20/3/39
President.

# The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919
Registered under Societies Registration Act XXI of 1860 on July 30, 1921.

Officers and members of the Executive,

1. *President* : Rev. J. Stosch,
2. *Treasurer* : Mr. N. Soy,
3. *Secretary* : Rev. J. J. P. Tiga,
4. Mr. Th. Surin,
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.

6. Rev. S. Bage,
7. Mr. C. D. Ekka,
8. Rev. L. Jojowar,
9. Rev. S. Kula,
10. ,, W. Radsick,
11. Mr. P. Soy,
12. ,, D. Tirkey,

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 2049-51/40 / F.14. *Dated the* 21.11. 1940

The undermentioned document is forwarded to the Rvds. C.K.Hhengra, Ilaka Chairman of Chaibassa, M.D.Lakra, Ilaka Chairman of Jarakudar, M.Sanga of Chakradharpur for information and guidance.

J.J.P. Tiga 21/11
Secretary.

Extract from the minutes of the meeting of the Executive of the Church Council held on the 20th.November, 1940 in the President's bungalow.

" Item 3. Red'a Mandli :

Rev. M.D.Lakra ka jabab parha gaya .Church Superviso[r] ki/sifarish bhi suni gayi aur faisla kiya gaya ki,

<u>Faisla</u> :Red'a Mandli Chakradharpur aur Jarakudar ke bich banti jay. Wahan ke jitne ghar Singhbhum simana men hain we Chakradharpur Parish men liye jany aur jitne ghar Nagra State simana men hain we Jarakudar Ilaka ke adhin rahen. "

****************

CEW
File 1/40
14.8.40 — 21-8-40
14

G. E. L. Church
Chaibassa
19.8.40

Manyawar C.C. Secretary ko bahut 2 ajishusahay!

ap ki chitthi D/ 15.8.40 ki mere office men D/ 17.8.40 ko pahunchi. Main aj hi saphar se lauta aur ap ki chitthi ko parh kar Babu Johan Dumriya ke bare jabab deta hun. C.C. Executive ne 26.10.1939 ko phaisla kiya ki stri ke maran ka "reliable information" milna chahiye. Chaibassa ka Roman father se orji ki gai ki lekh se maran ka hal dijiye par usne nahin diya. Phir stri ke ma, bap se orji ki gai ki apni beti ke maran ka hal lekh se dijiye par unhon ne bhi nahin diya tab main chup rah gaya. Main reliable information nahin pa saka.

ap ka agyakari
C.K. Bhengra

darkhast oath men bharaya jata hai.
CCB

10

Ref/Mtee Chairman

Filed 7/8

To

The President

Lutheran Church

Chakradharpur.
23-7-40

मान्यवर महाशय, को यीशु सहाय!

निम्न लिखित बात आप के पास जानती के लिये वो फैसला करने के लिये भेज दी जाती है।

Agreed

१- स्टेशन कमिटी - यहां की मंडली कार्य्य कारिणी सभा स्टेशन कमिटी का काम करती आई थी सो कार्य्य कारिणी सभा ने अलग ही स्टेशन कमिटी नहीं बनाई - सो वही दोनों काम जैसा करती आई है वैसा ही करेगी।

Agreed

२- घर भाड़ा - फिर यह फैसला किई कि यहां के हाता का घर भाड़ा (बंगला को छोड़ के) तहसील करने का इजाजत और अधिकार यहां के मंडली कार्य्य कारिणी सभा को दिया जाये, और उस को जना दिया जाय जो आगे भाड़ा तहसील करता था कि जिस से आगे को घर भाड़ा तहसील न करे।

३- सक्रामेन्ट बासन के बारे वैसा ही प्रबन्ध किया जैसा करने का सलाह दिया गया था।

४- जोहन डुमरिया पोरका जो चक्रधरपुर मंडली का अंग है जिस की स्त्री दूसरे पुरुष के साथ भाग गई उस समय से आज १६ बर्ष हो चुके और आज उस की स्त्री का पता नहीं मिलता है - इस बिषय में आप को कुछ दिन आगे बताया गया था -। उस की शादी स्त्री के भाग जाने के कितने दिनों के बाद एक रखनी रखा है जिस के दो बालक है उस बिषय को छोड़ और दूसरी बातों में उस का चाल अच्छा - अर्थात गिर्जा आया जाया करता है और मंडली के नियमों को पालन करता है सो अर्जी है कि जोहन के लिये Compansation of Law का द्वार खोला जाय)

हम उस काम के लिये बड़ा धन्य बाद करेंगे।

आप का बिशवासी

M Sanga
23-7-40

Secretari Hermas Lakra
मंडली कार्य्य कारिणी सभा।

1. Karch Karini sabha Kukum mile ki sab kam apne upar leve

2. Jo ~~kn~~ ghar bhara jama karne ka hukum Suchit Huro ko Trustee Board ki or se mila so cancel kiya jay, hukum Karch Karini ko diya jay

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

---

Memo No. 1467/40/F- 14.     Dated, the 24th August, 1940.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. M. Sanga, Chakradharpur for information, guidance and compliance.

Offg. Secretary,
G. E. L. Church.

---

Extract copy from the minutes of the C. C. Executive Commtt. held on the 21st August, 1940.

Item No. II (10).

" II. Business arising out of minutes :-
(1) --- --- --- --- --- ---
--- --- --- --- --- ---

(10) Chakradharpur Johan Dumriya ( vide Item IV 10 gh. of 14.8.1940) :- Chaibassa Chairman ki chitti 19.8.40 ki parhi gayi jis men we likhte hain ki Johan ke biwahit stri ke mrityu ka koi reliable information na milne ke karan we kuchh nahin kar sake.
Aisi dasha men Church Council bhi kuchh nahin kar sakti hai."

# The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Bihar) India.


Secretary: XXXXXXXXX No. 1454/40/F- 14. Dated the 22nd Aug. 1940.

Offg. Secy: Rev. J.J.P.Tiga, B.D.

To,

The Rev. M. Sanga,
G.E.L.Church, Chakradharpur.

Manyawar Padri Babu ki yishusahay.

Ap ki chitti 19-8-40, babat Johan Dumria aur Gharbandhu ke mili. Notice ka namuna diya jata hai usi ke anusar Johan Dumria ko banane ko kahiye. Notice Chhapwane ke liye notice ke sath Rs. 4/- ( Rupees four ) M. O. dwara bhejne ki kripa karen. Rupaiya milne par Notice chhapwaya jayga.

Gharbandhu September mahine se Umbulbaha packet men se ek alag kar ap ke pass bheja jayga. Us se pahile ka ap wahan se mang lijiye kyonki ap ke liye bhi wahin bheja gaya.

Ap ka bishwast,

J.J.P. Tiga

Offg. Secretary.

पेरिश चेयरमेन के पास

Potka 17-8-40

महाशय को यीशुसहाय ।

आप के सलाह अनुसार इस्तिहार भेजता हूं, ठीक होता है या नहीं और इस्तिहार के लिये कितना खर्च होगा, उसका खबर दीजिये। वह तीन महिना तक जारी रहे और कहीं पर सुधार का आवश्यक होगा तो सुधार दीजिये । अर्थात :—

इस्तिहार

आज १६ बरस हुए मेरी प्यारी स्त्री ~~एलि~~ एलिशा मुझे छोड़ कर भाग गई है और वह फिर नहीं आई। अगर वह कहीं पर जीती है तो १५ दिन के भीतर मेरे पास लौट आवे, पीछे नहीं बनेगा ।

जोहन डुमरिया
पोटका

forwarded to the Secretary
G.E.L. Church

M. Sanga Chakradharpur.
19-8-40

Aug
131

File

# The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Bihar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr. No 1433/40/F- 14. Dated the 15th Aug. 1940.

Offg. Secy: Rev. J.J.P.Tiga, B.D.

To,

The Rev. M. Sanga,
Chakradharpur.

Manyawar Rev. Sanga ko yishusahay.

Malum howe ki C. C. Executive ne ap logon ke darkhast ke 1st aur 2nd arji ko manjur kiya hai. Main aj Mr. Panna ke pas likh raha hun ki Ghar bhara ke sambandh men awashyak kararwai kare arthat jo ab tak jama karta tha us ko mana kare.

Ap ki 4th bat ke bishay ap ke Ilaka Chairman se ray ke liye aj chitti bhej raha hun. October Full C. C. men uska bichar hoga.

Age shubh,

Ap ka bishwast,

J J P Tiga

Offg. Secretary.

**The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.**
[Mission Estd. 1845—Autonomous 1919]

Officers and members of the Executive,
1. *President :* Rev. J. Stosch,
2. *Actg. Treasurer :* Mr. N. Soy,
3. *Secretary :* Mr. F. N. Topono.
4. Rev. J. J. P. Tiga,
5. Mr. A. L. Tirkey.

Other members of the Church Council.
6. Rev. W. Radsick,
7. ,, L. Jojowar.
8. ,, S. Kula,
9. ,, S. Bage,
10. Mr. Th. Surin,
11. ,, C. D. Ekka,
12. ,, P. Soy.
13. ,, D. Tirkey,

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No1221/40/F- 14. *Dated the* 2nd July, 1940.

To,

Rev. M. Sanga,
G.E.L.Church, Chakradharpur.

Manyawar Padri Babu ko yishusahay.

Ap ki chitti 25th June ki mili.

1. Mandli Paisa :- July ke Gharbandhu men chhapa gaya hai. Ap ko Gharbandhu milega us men dekh lijiye.

2. Ghar Bhara :- Chakradharpur ke sab ghar Board of Trustees ko jima diye gaye hain. Ap ke rahne ka ghar ap ke pahunchne ke 8 roj pahile C. C. ko mila tha aur wah C. C. se marammat kiya gaya hai. Baki gharon ka bhara( bungalow ko chhor kar ) ap tahsil kar sakte hain yadi Panna Deputy se us ka hisab kitab aur adhikar ap ko mil jayga. Aur mangne se wah jarur dega. Yadi ap ko likhne men kuchh sandeh ho to ek Station Committee bana lijiye. Usi Station Committee ke jariye ap ham logon ke pas likhiye aur tab ham log Deputy ko likhenge. Kisi bhi halat men ap ko Station Committee banana hi hai. Jo ghar bhara nahin denge wo nahin dete hain un ko dene ke liye samjhana hoga aur yadi samjhane par bhi na samjhen to un ko ghar chhorna parega.

Gharbhara ka hisab alag rakhna parega. Aur jo ghar marammat aur Hata unnati se bachega wah Mandli ke kam men byawahar kiya ja sakta hai.

P. T. O.

Gharbandhu ap ke nam se Umbulbaha nahin bheja jata tha. Jis ke nam se ap ka Gharbandhu jata tha wo jis se ap Umbulbaha men Gharbandhu lete the us ke pas likhiye ki wah ham logon ke pas likhe ki ap ke liye Umbulbaha ke Gharbandhu men se ek copy Chakradharpur bheja jay.

Ap ka bishwast,

N. Topno.

Secretary,
G. E. L. CHURCH
CH. NAGPUR & ASSAM
RANCHI, BIHAR, INDIA.

Rev. M Sanga
G.E.L. Church. Chakradharpur.

The Secretary,
G.E.L. Church.

Chakradharpur
25-6-40.

Dear Sir

Would you kindly send me the following a bit earlicar.

1 Decision of Maudli Paisa and house rent in the Mahasabha of the year 1940 and punishment who donot obey the rule. Church at Chakradharpur needs badly.

2. A copy of Maudli Karmcharion and ~~Pan~~ Panchon Ke kam ka Beora.

3. A copy of Gharbandhu out of ~~the~~ packet 94 sent to Umbulbaha should be sent to me.

Yours faithfully.
M. Sanga

14

Chakradharpur.
5. 6. 40

Dear Mr. Toppo,

Before my first letter reaches you I write you the second one. The rough estimate of repairing the Pastors House comes to Rs 35/- only. Please send the money by Telegramm to the following address.

N. Toppo
Lutheranchurch.
Chakradharpur.

The detailed Bill will be placed after the repair is complete.

Yours Sincerely
Naemantoppo

14

Chakradharpur
5.6.46

Dear Mr. Topno

I reached the place safely and am quite at home here. There is enough rain and the weather is also nice and cool. As regards the Pastor's House, I have to report that the situation is favourable and I have already started repair work and I hope it will be complete within three days or so. Thorough repair of the house will take more time and more money which is not possible now, therefore I have taken up only ordinary repair works and white washing. I have started with retiling. Mangal Horad is now quite docile and prepared to vacate the house. Two rooms have been vacated and he is trying to vacate the third. Our Lutheran brethren here are helping me in all respects. The pastor for the place may come here in time and there will be no difficulty about his housing. I am

staying with Mr. P. Toppo, and am comfortable in all respects. He was little ill before I came but he is quite well now with all his new guests.

Thank God, all well here and hope you the same.

Yours sincerely
Naeman Toppo

14

To
Babu Mangal Hurad
G. E. L. Compound, Chakradharpur.

मान्यवर बाबू मंगल हुराद को हमारी ओर से [illegible] ।
आप को हमारी [illegible] [illegible] की चिट्ठी मिल गई होगी ।
इसी [illegible] को या 3 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] पार्टी
पहुँचने वाले हैं । सो [illegible] [illegible] C. C. को [illegible]
पर [illegible] [illegible] दी जावे । [illegible] हम लोग यहां से बाबू
~~[illegible]~~ [illegible] [illegible] को [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
पार्टी के बारे को [illegible] में [illegible] [illegible] दिखावें ।

File
N.
4. 6. 40.

N. Topno.
Secretary C. C.
3. 6. 40.

14

File
N. a. a. O.

G.E.L. Church
Chaibassa
18.3.40

Mānyawar C.C. Sen ko Jishusahāy.

Ap ki Chitthi susamay men yahān pahunchi par main tour men thā jisse āp ko jaldi jabab nahin de saka. Babu Bimal Ghosh is taraph nahin hain. Karib 1 mahina huwā ki unhon ne Chakardharpur chhor diyā, abhi kahān hai main nahin kah saktā hun.

Shubh.
C.K. Bhengra

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 208/40/F- 14. Dated, the 1st February, 1940.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. C.K. Vengra for information, guidance and compliance.

Actg. Secratary.
G. E. L. Church.

---

Extract copy from the Minutes of the Full C. C. meetings held from the 25th January to 29th January, 1940.

Item No. 3.

" Chakradharpur Parish :- Rev. Christ Kalyan Bhengra ki chitti parhi gayi jis men we likhte hain ki Padri jane se Chakradharpur Parish men we sab mandliyan jo pahile Chakradharpur men the phir us Parish men rakhe jayn aur Chakradharpur Parish Chaibassa Ilaka ke adhin rahe. Phir yah bhi dekha gaya ki Tapkara Padri ke mrityu ke karan Padriyon ki ghati ho gayi hai so yah bat multabi rakhi gayi.

Mr. P. Soy ne report diya us ne suna ki Chakradharpur ke kitne Lutheran log Romi hona chahte hain. Babu P. Soy se arji kii gayi ki we is ke sambandh men Padri C. K. Bhengra ke pass ek chitti likhen.

Phaisla huwa :- Rev. C. K. Bhengra ko likha jay ki udash ki bat hai ki Tapkara ke ~~Rxxrxxxgh~~ Padri Rev. D. Kerketta ke mrityu ke karan C. C. abhi Chakradharpur ke liye padri bhejne nahin sakti hai so we ap hi age bhi Chakradharpur ki charwahi karen."

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

---

Memo No. 1196/39/F- 14. Dated, the 8th December, 1939.

From :- The Rev. J.J.P.Tiga B.D.
Actg. Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

To,

The Rev. C. K. Benghra,
G.E.L. Church, Chaibassa.

Dear Rev. Bhengra,

The enclosed petition is sent to you with request to Kindly give your opinion about the applicant and your recommendations if you have any. Please return it at your earliest convinience.

Yours sincerely,

J.J.P. Tiga 8/12

Actg. Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

---

Memo No. 1044/-45/39/F- 14. Dated, the 8th November, 1939.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. C. K. Bhengra and Babu Hermas ~~Kujur~~ Lakra for information with the request to take necessary action.

N. Topno.

Secretary,
G. E. L. Church.

---

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Committee held on the 26th October, 1939 at 8 a. m.

Item No. 7.

" Johan Dumriya :- Johan Dumriya ke bishay jo baten thin Council ko kah sunai gayi. Bad bibad ke bad phaisla huwa ki death certificate ke liye jikr karna jarurat nahin hai. Bahin ki mrityu ke bishay koi reliable information mile so hi kaphi hai. So Rev. Ch. K. Bhengra se arji ki jati hai ki we bahin ki mrityu ke bishay men reliable information khojen aur Johan Dumriya ke bishay men jo kam karna hai so karen. Bhai ko sahayta ki jarurat hai."

---

Church Council
Received 14.7.39
Register No. 235
Date 14.7.39
File 14
Reply No.
Date

Chaibassa
11.7.39

Manyawar C.C. Secy. N. Topno ko
bahut 2 yishusahay!

(1) Gharbandhu men Notice chhapne ko bheja jata hai. Kripa karke August 1939 ke Gharbandhu men jagah de dijiye.

(2) Chakradharpur ke kitne logon ka kagaj ko main C.C. men bhejta hun jisten inka bichar aur matlab C.C. ko malum ho jawe.

(3) Naram panch sangathan ~~huwa~~ huwa hai aur wah nahin tora jayga. Par panchon ne inhon ko yah kah diya ki yodi ap log mil jaenge to ap logon men se bhi panch men liye jayenge.

(4) Parish meeting men & Mahasabha men delegate ~~wy~~ niyamanusar ate hain. (4) Mr D.M. Panna ke hath men bhara bishayak bat hai.

Age shubh
C.K. Bhengra

File
N. 14.7.39

8

Chaibassa
5.7.39

Church Council
Received 14.7.39.
Register No. 231
Date 5.7.39.
File 14
Reply No.......
Date.......

File Nr. 31.7.39

मान्यवर चार्च कौनसिल सेक्रेटरी मि: नथानिएल तोपनो को बहुत २ यीशुसहाय।

1. मैं ता: २६-६-३९ को नकटी और मदकुबेड़ा गया और वहां के खृस्तानों को देखा। नकटी में एक घर खृस्तान है जिसमें तीन प्राणी हैं। और मदकुबेड़ा में तीन घर हैं जो एक ही बाप के तीन बेटे हैं वहां १६ प्राणी खृस्तान हैं। नकटी में एक घर अभिलोफक था पर नकचरपुर में गोलमाल होने के कारण। वहां के देख भाल में गोलमाल होने के कारण रोमन मिशन और सिखाई में त्रुटी होने के कारण रोमन मिशन में चला गया। अभी वहां सांसारिक लोग खृस्तान धर्म में आने को इच्छुक नहीं मालुम पड़ते हैं। मैं नकचरपुर के साथ नकटी और मदकुबेड़ा को देखने को तैयार हूं।

2. ता: २६-६-३९ सांझ को नकचरपुर में प्रचारक पन पेन्चों की बैठकी हुई और मैं भी उसमें हाजिर था। और ने भी बुलाये गये जो गिर्जा घर में गिर्जा नहीं करते हैं। गिर्जा घर में ईश्वर की सेवा के लिये मिल जावे इसके बिषय में वे समझाये गये पर गिर्जा में सामिल होने की निश्चयता नहीं मिली। आखिर में उन्होंने कहा कि हम लोग सिखके दो दिन के भीतर जबाब देंगे पर पांच दिन बीत गये कोई जबाब नहीं मिला।

3. घर भाड़ा के बिषय में भी उनसे पूछा गया पर उसका भी उन्होंने कोई ठीक जबाब नहीं दिया। सवाल जबाब में कुछ मालुम हुआ कि कितनों ने कुछ दिया है पर नियम पूर्वक नहीं। मि: पन्ना साहेब की अर्जी करने से मालुम हो जायगा कि किन २ लोगों ने दिया और कितना २ दिया है। पाष्टर का क्वार्टर को छोड़ बाकी तीन घरों का घर भाड़ा भी आठरी १) पैसा पहिले था पर अभी मि: पन्ना ने १) पैसा की जगह में ॥) आना कर दिया है और मेरे समझ में

उतना भाड़ा नियमानुसार देने सकेंगे ।

4. नकटी और मदकुबेड़ा जाने, आने में पाद्री खृस्तकल्यान भेंगरा को लॉरी भाड़ा 11) आना देना हुआ ।

आगे शुभ ।

C. K. Bhengra
G. E. L. Church
Chaibassa

TRUE COPY.

गिर्जा जाने के बारे में यह फैसला हुआ कि भाइयों की संगठन होवे और आत्मिक पालन भी होवे इसी लिये हमलोग गिर्जा घर में उपासना करने के लिये राजी हैं। परन्तु इस शर्त पर कि हम लोग चर्च कौंसिल के बन्दोबस्त और गिर्जा रास्ता के विरोधी बराबर रहेंगे जब तक अच्छा बन्दोबस्त न होवे।

1. प्रेमनाथ रिखमन (Sd)
2. विलियम तिर्की Thumb impression. ~~of Mr.~~
3. मंगल तिर्की Thumb impression
4. M. Rickman. (Sd.)
5. M. Kandulna. (Sd)
6. प्रभुदास लकड़ा. (Sd)
7. मंगल होरो (Sd).
8. मिखायल टोमस (Sd.)
9. Jiwan Tirkey. (Sd.)
10. S. Toppo (Sd.)
11. C. Hurad (Sd)
12. N. Horo (Sd) Minute Secretary.
13. सालोमी तिर्की (Sd)
14. S. David Hurad (Sd).

TRUE COPY.

चक्रधरपुर
३०-६-३९.

Received
D/7-7-39
Ck. Bhengra

उपस्थित भाइयों की संख्या — १३.

प्रस्ताव:— १. गिर्जा घर में गिर्जा करने की बात, जो पादरी, भेंगरा बाबू करने की सलाह दे!

गिर्जा घर में गिर्जा करने वालों का नं:— ८

गिर्जा घर में गिर्जा नहीं करने वालों का नं:— ५.

फैसला यही हुआ कि सब भाई गिर्जा घर में गिर्जा करेंगे।

२. जिस इतवार को पादरी बाबू यहां आकर हमों को प्रभुभोज देंगे, उसी इतवार से हमलोग गिर्जा जाना आरम्भ करेंगे।

३. पुराना पंच को तोड़ कर नया पंच बनाना।

४. पेरिस पंच प्रतिनिधि जिसको यहां का पंच चुनेगा उसी को प्रतिनिधि बनाकर भेजा जायगा।

५. महासभा में जो डेलीगेट जायगा वह इलाका पंच से चुना हुआ रहेगा।

६. चक्रधरपुर प्रचारक विदेशी रहेगा।

७. घर भाड़ा वालों की राय हुई कि सच्चिदानन्द बाबू घरभाड़ा उठा कर पक्का के पास भेज देवे। महीना के अन्त तक भाई सब घर भाड़ा देने की कोशिश करें।

to Rev. Panna and then file.
N.
31.7.39

Priye Padri Babu.

Anai karsh se yah bat ap ko janatā hun ki yanhan ke panch bhaiyon ne phaisla kiya ki girja ghar men girja karenge. Main is panch ka chairman hokar kisi taraf bhot nahin diya.

ab ap meharwani kar ke apne ane ka tarikh mujhe janawen, parantu yanhan koi 6 larke aur larkiyan dikhapan ki taiyari kar rahe hain aur sabhon ki ichcha hai ki jab ap awenge to unehen dikhapan denge.

phir main yah janne chahtā hun ki Sinas Tirkey, Mangal Tirkey ka betā jo ek rakhni rakhta tha aur ek larka bhi hokar Tata men mar gaya, aur abhi yanhan apne mahap ke sath hai so usko ap koi saja me rakhe hain ki nahin aur uska dikhapan lena ya dena is samay uchit hai ki nahin. abhi rakhni ko chor diya hai

ab ap C.C. ko yah khabar bhene ki kripa karenge.

ap ka Biswast –

S. J. Turad.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

---

Memo No. 572/39/F- 14. Dated, the 31st July, 1939.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. Ch. K. Bhengra for infromation.

N. Topno.
Secretary,
G. E. L. Church.

---

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Committee held on the 19th July, 1939.

Item No. 10.

" Chakradharpur :- Rev. Ch. K. Bhengra ka report parha gaya. Chakradharpur ka Minutes bhi parha gay. Harsh pragat kiya gaya ki bhai log ek sath girje men girja karne ke liye taiyar hain. Raste ke bishay ujur rah gaya to us ke bishay C. C. dekhega. Ghar bhara Trustee Board ko jima diya gaya. Board ka adhikar hai ki wah ghar bhara jaisa jama kare.

Rs. 1/4/- jo Kalyan Padri ka kharch hai so bhej diya jay.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

---

Memo No. 437/39/F- 14. Dated, the 14th June, 1939.

The undermentioned ducument is forwarded to the Rev. C. K. Bhengra for information with the request to give necessary report in the C. C. at an early date.

N. Topno.

Secretary,
G. E. L. Church.

---

Extract copy from the Minutes of the Full C. C. Meeting held on the 1st June, 1939 at 7 a. m.

Item No. 3.

" Chakradharpur :- (a) Chakradharpur men abhi tak do bhag hain. Ek bhag girja ghar men girja karte hain aur dusra alag hata ke line men. Phir hata men rahne hare ghar bhara bhi nahin dete hain.

Phaisla :- Padri Bhengra wahan jawe, dekhe ki un ki halat kya hai. ~~Respo~~ Report milne par Executive kararwai kare."

"(b) Nakti aur Malkubera men naye christian hain aur aur bhi christian hona chahte hain.

Phaisla :- Padri Bhengra Chakradharpur ke sath Nakti aur Malkubera ko bhi dekhe aur report dewe. Ane jane ka kharch C. C. bhar degi."

---

Church Council
Received 12.1.39
Register No. 32
Date 10.1.39
File 14

1

REPORT ON CHAKRADHARPUR CONGREGATION.

I visited the Chakradharpur Congregation on the 22nd December, 1938. Rev. C. K. Bhengra introduced to me the persons with whom I had to meet in this connection. I had a long talk with Dr. P. Topno and Mr. A. Minz. The former is the Veterinery Doctor and the latter Excise Sub-Inspector. Both of them are taking keen interest in the affairs of the Congregation, in reorganising it and in repairing the Church. I personally visited the the Church and found it being repaired. I was told that Mr. Panna has allowed Rs 11/- for the same. I also met Babu Prabhusahay Purty who told me in detail who attend the newly reorganised Church Worship in the Church and those who do not attend it and hold a separate service.

File N.T. 27.5.39

(A) The following is the list of those families who do not attend the regular Service :-

| | | No. of member | Residence. |
|---|---|---|---|
| 1. | Bertha Toppo | 4 | Compound. |
| 2. | Salomi Tirkey | 5 | ,, |
| 3. | Suchit Hurad | 2 | ,, |
| 4. | Alfred Tunu Hurad | 1 | ,, |
| 5. | Mangal Tirkey | 6 | ,, |
| 6. | An old couple | 2 | ,, |
| 7. | Belhem Tirkey | 9 | ,, |
| 8. | Mansidh Richman | 5 | Outside the Compound |
| 9. | Michael Hurad | 3 | Compound. |
| 10. | Mangal Hurad | 2 | ,, |
| 11. | Mangal Horo | 2 | ,, |

12.
13. Two S. P. G. families are living in the Lutheran Compound and attend the other Service. Their names are Marcus Kandulna and Michael Bading. I was told that these two families do not pay their rent. Suchi, Mangal and Alfred, these three Hurads conduct

the Aniyamit Service and are also keeping the income. Suchi and Mangal are without job. It is reported that they forcibly removed the former Catechist from work, removed the Church belongings and began to hold separate service outside the Church. The following is a list of the Church belongings removed by them :-

1. Altar Cloth
2. Chairs
3. Bell
4. Table (1)
5. Benches (3)
6. Mattresses
7. Patromax.

At present a Lutheran teacher of the Chakradharpur Municipal Primary School has been appointed to be in charge of the Sunday Services. For all other matters there is a Panch with regular office bearers. They pay Rs 2/- to the said teacher. The present monthly income is Rs 7/- p.m. but they expect it will be Rs 12/- p.m.

I had a long talk with Suchit Hurad and explained to him why they should discontinue their unrecognised service and attend the regular worship. I also told him to return to the Chakradharpur Lutheran Panch all the Church belongings which are with him. He did not give me any definite hope. I met Mangal Hurad. He says that he is not attending any service for the last 3 or 4 Sundays. He also told me that he was intending to leave the Mission Compound but I am not sure when he will do so.

Suchit and his party urge that a road be opened to go to the Church right through the Compound. The Marwari was for some time willing to do so but now he is not. The path which he has left on the sides are quite enough for the purpose. There are four things in my opinion which should be settled in this connection :-

1. Whether Suchit Hurad and his party should continue their Service held in their own house when there is a regular service held in the Church.

2. Whether the Suchit Hurad and his party should enjoy the offerings thus received ? If they enjoy does it not give them an encouragement to be obstinate ? ~~Of those who are~~

3. Should the arrear rents of those who are willing to come to Church and are willing to pay their rents to the proper authority henceforth be remitted ?

4. Should a Candidate be appointed at Chakradharpur ?

5. Should the Church belongings taken by Suchit Hurad and others be left to be with them any further ?

J. D. Tiga
10.1.39

No: 21

Forwarded to the Secy. C.C.

J. D. Tiga
10.1.39

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Bihar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr.

No. 261/39/F. 14.

Dated the 22nd Apr. 1939.

To,

Babu P. P. Richard,
G. E. L. Church,
Chaibassa.

Ap ko yishusahay.

Ap logon ka darkhast mila xxx. Darkhast ke anusar ham log kahan tak kam kar sakte hain us ko ham log bichar kar rahe hain.

Ap logon ka bishwast,

N. Topno.

Secretary.

# BOARD OF TRUSTEES OF THE G. E. L. CHURCH PROPERTY, RANCHI.

SUCCESSORS TO

THE MISSION TRUST OF NORTHERN INDIA
Administrating the former G. E. L. Mission Properties
( Incorporated under Act IX of 1921 )

Council
Received 6/12/38
Register 647
Date 28/11/38
File 14
Reply No.........
Date.........

*Honorary Secretary & Manager* :—
D. M. PANNA, Esqr., B. A.,
Deputy Magistrate & Deputy Collector.
Purulia .

*Ref. No.* 391 /38 . *Dated* 28th Nov. 1938 .

The Secretary,
G.E.L.Church,
Ranchi .

Dear Sir ,

Ref. Your letter No.1918/38/F 29 dated 25.11.38 .

From Babu Hermas Lakra of Chakradharpur I received one letter dated 18.11.1938 which is almost a copy of the letter sent to the Church Council by him.

I have written to Babu Hermas Lakra to make a special collect-ion from the Christians of Chakradharpur for the repairs and white washing of the Chakradharpur church building before the Christmas , and have promised him help up to the amount that the brethren at Chakradharpur will give . So if the Christians at Chakradharpur do something they will get help from here .

As regards the road to the church , the drain is to be covered over with cement slabs and some gravel will have to be spread . The Marwari has not promised to do this , but he will render assistance in other ways . I am ready to make the road pucca when matters at Chakradharpur settle up . I have promised the Christians at Chakra-dharpur to help them if they do not make any troubles , if they pay up arrear and current rents for the houses occupied by them and if they obey the orders of the Church authorities . Rev. C.K. Bheng-ra visited Chakradharpur on the 20th instant and held a Communion service . His letter to me is cheering. I am now waiting to hear what Babu Hermas Lakra will write in reply to my last letter to him.

I have also received a letter from the tenants occupying Missi-on houses. They have promised to pay their rents to the Tahsildar if he goes there or to send them to me at Purulia by M.O. So if Tahsildar Daniel Topono can be sent to Chakradharpur in the first week of December , it will be very helpful in bringing the affairs at Chakradharpur to normal .

Yours faithfully ,
D. M. Panna
Secretary, G.E.L.Church Property ,
Chotanagpur and Assam . 28/11/38.

Chaibassa
15.11.38

महा मान्यवर प्रेसिडेन्ट J. Stosch को बहुत २
यीशुसहाय !

आप-की चिट्ठी ५-११-३८ की यहां मेरे औफिस में ७-११-३८ सांझ को पहुंची। अपसोस की बात कि उसका जबाब आप को जल्दी नहीं दिया जा सका क्योंकि मैं ८-११-३८ को चालगुम और मोरभंज स्टेट तरफ सफर में निकल गया। उधर से लौट के मैं चक्रधरपुर का रिपोर्ट देता हूं। चक्रधरपुर में मण्डली पंचों का नया संगठन हो गया है। एक नई कमिटी बनाई गई है जो वहां का काम को चलाती है और काम प्रायः ठीक से चल रहा है। गिर्जा करने वास्ते बाबु हेरमस एक्का जो चक्रधरपुर टौन M. E. स्कूल के गुरु जी हैं, नियुक्त किये गये हैं और सहायता के तौर उनको महिनवारी २) रु. दिया जाता है। यह बिलफैल याने Temporary बन्दोवस्त है। १८ घरों के लोग गिर्जा घर में ईश्वराराधना करते हैं। पर बाकी ६ घर के लोग अभी तक अलग गिर्जा करते हैं। उनका अगुआ मि: पिटर हुराद का बेटा सुखि हुराद है। मैंने उसको समझाया पर वह बोला जब तक हमों का मांग पूरा न किया जायगा तब तक हम लोग अलग ही रहेंगे। हुराद घराना तीन घर हैं और उनके संग तीन घर मिले हुए हैं। मैं समझता हूं Board of Trusters से घर भाड़ा के बिषय उनके ऊपर

P.T.O.

उचित कारवाई करने से तीन घर तुरन्त अलग हो जायेंगे और अन्त में दुराद चराना की अच्छे मार्ग में आ जायेंगे। गिर्जा घंटा और बेदी कपड़ा और गिर्जा चटाई उन्हीं के हाथ में है मैंने उनको एक बेर मांगा पर उन्होंने मुझ को नहीं दिया। 20.11.38 को चक्रधरपुर में प्रभुभोज ठहराया गया है। बाबु दानिएल तोपनो तहसीलदार जब चाईबासा आया था अक्टोबर महीना में, तब मैंने उसके हाथ में C.C. का फैसला देखा जो 30-9-38 को फैसला किया गया है चक्रधरपुर के विषय। उसी फैसला का नकल अबलों मुझ को नहीं मिला है सो कृपया मुझ को दिया जाय जिस्से वही फैसला वालों लोगों को समझाने में सहायता देवे।

आप का आज्ञाकारी दास
Christ Kalyan
Bhengra
G.E.L. Church
Chaibassa

Church Council
Received...16-11-38
Register No..634.
Date......15-11-38
File.........14....:
Reply No..........
Date..............

नकल

12

श्री श्री दे श्री पुता महा मान्यवर चर्च कौंसिल
लूथेरान मिशन, रांची।

ता: ११-११-३८

Church Council
Received 12.11.38
Register No 632
Date 11.11.38
File 14
Reply No ..........
Date ..........

महाशय,

आप को चक्रधारपुर मंडली की ओर से येशुसहाय :—

आगे आप को विदित हो कि अभी चक्रधारपुर मंडली सेप्टेम्बर महिने के २५वी तारिख से हुराद घराने और उन के साथ दो चार जन को छोड़ कर बराबर गिर्जा घर में गिर्जा कर रही है। लेकिन बीच में कितने दिनों तक गिर्जा घर में गिर्जा न होने के कारण करीब दो वर्षों से गिर्जा घर मरम्मत नहीं किया गया है जिस के वजह से गिर्जा घर की हालत सोचनीय है। अलावे इस के चक्रधारपुर मिशन कम्पौंड का लीज होल्डर मारवाड़ी का वादा था कि मंडली का भाई बहिन गिर्जा-घर गिर्जा जाने से गिर्जा घर जाने का रास्ता को पक्का कर देंगे। लेकिन उन्हों ने भी अपना वादा पुरा नहीं किया है।

इसलिये चक्रधारपुर मंडली आप को यह अर्जी पत्र देती है और उमेदवार है कि गिर्जा घर इस आने वाले ~~दिसमबर~~ दिसम्बर के अन्दर याने बड़े दिन के कबल मरामत किया जाय और मारवाड़ी को भी मेहरबानी कर के हिदायत किया जाय कि रास्ता अपने वादे मोताबिक जल्दी ~~तैयार~~ तैयार कर दें जिस मेहरबानी के लिये सारी चक्रधारपुर मंडली आप को सुक्रिया अदा करेगी।

आप का आज्ञाधीन सेवक

सही :— हेरमस लकड़ा।
माष्टर टाउन
एम. ई. स्कूल, चक्रधारपुर

Chakradharpur

श्री युक्त महामान्यवर डाईरेक्टर साहब
लुथेरान मिशन कम्पाउण्ड रांची

महाशय :—

हम चक्रधरपुर मण्डली के भाई और बहिनों के तरफ से प्रेम के साथ बहुत २ यीशु सहाय पहुंचे। समाचार ऐसा है कि महासभा के आगे हम लोगों ने चक्रधरपुर मण्डली की बात चर्च कौंसिल और बाहै आफ दूसरों के द्वारा सताये जाने के बारे एक दरखास्त आप के सेवा में भेजा था और सविनय आप से निवेदन किया था, कि कृपया एक बार आप खुद चक्रधरपुर आकर और हम लोगों के दुःखों को अपनी आंखों से देख सुन करके हम लोगों के लिये जो आप की राय में जंचे, वैसा फैसला कर दीजिये, कि हम लोग भी प्रभु की अनुग्रह से आप के ज़रिये दुःखों से निवृत्त होकर पहले की नाई स्वतन्त्रता पूर्बक अपने ईश्वरीय सेवा उपासना के भवन में, ईश्वर की सेवा उपासना जाने आने सकें और उसमें किसी प्रकार का किसी की ओर से सेवा उपासना के कार्य्य में प्रतिबन्ध या रोकटोक न किया जाय, सिवा इसके कुंवा और तलाब आने जाने के रास्ताओं के बारे हम लोगों का जो तकलीफ है वह भी दूर किया जाय, मगर अफसोस, अभी तक आप उसके बारे हमों को कोई जवाब नहीं दिये। फिर ता: २२/४/३८ को हमों ने आप के पास फिर एक रीमाइन्डर इसके बारे भेजा था, मगर उसका भी अभी तक कोई जवाब नहीं मिला, बड़ाही दुःख की बात है कि हम लोग दुःख में पड़े हुए हैं, महीना पर महीना बीतता जाता है लेकिन हमों का दुःख को देखने सुनने वाला नहीं है।

चैबासा पेरिस मिटिंग में हम लोगों को हाजिर होने के लिये वहां के पेरिस सेक्रेटरी की चिट्ठि ता: २८-४-३८ को मिली, चिट्ठि पाने पर तुरन्त हम लोगों ने, सेक्रेटरी को मिटिंग का एजेंडा भेजने को लिखा, किन्तु व एजेंडा नहीं भेजे, उनकी ता: ३०/४/३८ के चिट्ठि का नकल आप को जानकारी के लिये भेजा जाता है। हम लोग बहुत ही आशा में थे कि अबकी पेरिस मिटिंग में हम लोगों का दुःख का निबटारा होगा, सो हमों ने अपने तीन मुख्य मेम्बरों को उस मिटिंग में उपस्थित होने के लिये भेजे। लेकिन बहुत ही दुःख के साथ लिखना पड़ता है कि मिटिंग के चेयरमेन का बरताव, हमों के द्वारा जो प्रतिनिधी भेजे गये थे इनके साथ ठीक न था, क्योंकि यह कह कर उनका अनादर किया गया कि तुम पेरिस के मेम्बर नहीं हो सो तुम यहां नहीं बैठ सकते हो। यदि हमारे प्रतिनिधीयों के पास उस समय मिटिंग में उपस्थित होने का कार्ड न रहता तो उनको अपमान के साथ मिटिंग से उठ भागना पड़ता मगर खैर जब उनका वह कार्ड दिखा दिया गया, कि पेरिस सेक्रेटरी के चिट्ठि के मोताबिक चक्रधरपुर मण्डली से ३ प्रतिनिधी भेजे गये थे, तब वे चेयरमेन साहेब ठंडा हुए। इस बार हमों को मिटिंग में बुलाकर हमों के दुःख कष्ट दूर करने का क्या उपाय किया जाय, उलटे हमों के प्रतिनिधीयों को बेइज्जत करने की कोशिश की जाती है हमों को मिटिंग का एजेंडा नहीं दिया जाता है, उलटे हमों से मिटिंग में पूछा जाता है कि क्या तुम लोग मण्डली का राय लेकर आये हो, भला बिना एजेंडा के हम लोग किस बात का और कैसा मण्डली का राय लेवें। जरा आपही इन बातों पर सोच कर देखिये, कि पेरिस सेक्रेटरी और चेयरमेन कैसे धूर्त

से भरकर मिटिंग में हमों से अपना काम निकालना चाहते हैं, मिटिंग में भी चक्रधरपुर के बिषय कुछ नहीं किया गया, सिर्फ चर्च कौंसिल के मेंबर मान्यवर पाद्री लूथर जोजोवार की बातों को हम लोगों को सुना दिया गया कि तुम लोगों का फैसला करने को केरासेस साहिब को अखतियार दिया गया है और वह बिचार करेंगे। यदि मिटिंग में बुलाकर सिर्फ यही बात हम लोगों को सुनाना था सो सब से अच्छा और किफायती यही था, कि इस बात को एक चिट्ठि में लिखकर हम लोगों के पास भेज देते तो हमारे प्रतिनिधी लोग खर्च और आने जाने के हैरानी से बचते, किन्तु पेरिस मिटिंग के कार्यकारी लोग हम लोगों को कुछ भी ख्याल न कर जैसी उनकी इच्छा और मरजी हो वैसा ही करने में चाहे वह बात अच्छा हो चाहे खराब हो कर ही डालते। और हमों को और अधीक दुःख और हैरानी में डालते हैं। सो मेहरबानी करके स्थानियां चेयरमेन मन्यावर पाद्री खिस्त कल्यान भेंगरा को आईन्दे ऐसा न करने को कहा जाय।

उपरोक्त बातों से आप देख सकते हैं कि हमों का बिलकुल ख्याल नहीं किया जा रहा है, सो आप से सबिनय फिर भी हमों की अर्जी है कि मेहरबानी करके हम दीन गरीबों के इस प्रार्थना पर ध्यान दें, और कृपया शीघ्र हमों को तकलीफों से छुटकारा के लिये कोई उपाय कीजिये। क्योंकि जब हम लोग एक मात आपही को मोद आशा भरी दृष्टि से ताक रहे हैं और प्रभु परमेश्वर से हमों की प्रार्थना भी है कि वे इस कार्य्य को करने में आप की सहायता करें कि यह काम सफलता को प्राप्त हो और हम लोगों का दुःखित हृदय फिर भी आनन्दित होकर हम लोग आनन्दित हृदय से प्रभु परमेश्वर की स्तुति और धन्यवाद का भेंट चढ़ावें।

हमों के प्रार्थना पत्र पर कब तक आपकी कृपा दृष्टि होगी सो कृपया यह पत्र पाने पर शीघ्र उत्तर देंगे।

चक्रधरपुर ता० [illegible]-३८

आप का आज्ञाकारी
चक्रधरपुर लूथरान मण्डली के भाईये

Mansidh Rickman
10-5-38.

इलियास टोप्पो।

William Tirkey
L.T.I.

प्रंगल होरो

Prabhusahay Purti

Mangal Hurad

Mangal Tirkey
L.T.I.

हेरमान लकड़ा
प्रसिडेन्ट

Mahesh Kalyan

S. David Hurad

B. Kandulna

J. Tirkey

J. Manki

Mansukh

लोरेन्स पाल

Elhazar Tirkey

Harash Kalo

( बाबु जे. सोय, पेरिस मिटिंग सेक्रेटरी का चिट्ठि का नोट )

G.E.L. Church
Chaibassa
25-4-38

बाबु हेरमस लकड़ा को यीशुसहाय ।

आगे आप को मालुम होवे कि ता: 8 वी मई सन १९३८ दिन बुधबार सांझ को ६॥ बजे, चाईबासा लूथेरान पेरिस की पूरी सभा बैठकी - अतएव आप से निवेदन है कि कृपया उक्त तारिख में अवश्य ही वहां के प्रतिनिधि लेकर यहां उपस्थित हो जाईये।

आप का
J. Soy.
Secretory
G.E.L. Church Parish
Chaibassa

पेरिस सेक्रेटरी बाबु की चिट्ठि पाकर हम लोग ता: २८-४-३८ को फिर लिखे कि मेहरबानी कर मिटिंग का एजेंडा भेजिये, इसके जवाब में आप लिखते हैं । —

G.E.L. Church
Chaibassa
30-4-38.

बाबु हेरमस लकड़ा को यीशुसहाय ।

आपका P.C. मुझे मिला । परन्तु अभी मैं निश्चयता से एजेंडा नही बता सक्ता हूं । क्योंकि याह पेरिस की पूरी सभा हमारे डिस्ट्रिक ~~[illegible]~~ चार्च कौंसिल मेंम्बर की राय पर बुलाई जाती है, उन्हे हमारी पेरिस सभा को नई २ रायें प्रगट करनी हैं जिनके मोताबिक भविष्यत में काम चलाया जाय । सो आप से निवेदन है कि कृपया उक्त मिटिंग में उपस्थित होकर हमें कृतार्थ करें ।

आप का
J. Soy.
Secretory
G.E.L. Church Parish
Chaibassa

Church Council
Received 24.3.38
Reply No. 355
Date 21.3.38
File ......
Reply to ......
Date ......

24.3.38 To

The Director of G. E. L. Mission
Chhotanagpur & Assam

Through the Secretary of Church
Council Ranchi.

Jahanpanah;

Ham sab Chakradharpur lutheran mandali ke bhai o bahinong ke taraph se prem ke sath prati din ki Yeshusahay howe.

Ap se ham logon ka niwedan yah hae ki Chakradharpur mandali ka mission hata o bangla ek marwari ko diye huwe karib sal bhar ke huwa. Aur uske sath hamare Trustee Board ke membar bhaiyon ne jo sarat kiye the, so "Jahanpanah", unke jariye ap ko pata laghi jayga. Bich men ham sab yahan ke bhai o bahinong ne hamare Trustee Board ke membaron ke pas yahan ke dukh o takliphon ke bare men araj pesh kiye. We log akar ke bhi dekhe, janche aur bujhe, lekin abhi tak kuchh bhi ham logon ke liye bandobasat nahin kiye hain, jiske karan ham logon ke liye anek dukh ho raha hae. Ham logon ka kewal tin mang hae.

Chakradharpur grievances. N. 16.3.38

1. Girja jane ke rasta ke bare men.
2. Kunwa jane ke rasta ke bare men.
3. Talaw jane ke rasta ke bare men.

Ye tino mangen abhi tak nishchit nahin huwa hae. Is liye ham sab Chakradharpur mandali ke bhai o bahinong ki or se hath jor kar araj hae, ki meharwani kar yahan ke dukh aur

takaliphon ko jan kar, maha sabha ki
baeth ki men bichar kar, dekhne ki
koshish karte to ham log chhote
bare, Sarab shakatiman Parmeshawar
se bahut hi dhanayabad karte.

Ap ka.

Df. 21st March 1938

Jahanpanah, chhote, bare
Bhai o bahinen. G.E.L. Mission
Chakradharpur

Church Council
Received 2. 5. 38
Register No. 392
Date. 22. 4. 38
File. 14
Reply No. ....
Date. ....

चक्रधरपुर
२२-४-३८.

महामान्यवर महाशय,

डी. एम पन्ना को हम चक्रधरपुर के भाईयोंका बहुत २ यीशु सहाय।

महाशय हमने आप के पास औ सभों के पास कितनाही आपना दुःखड़ा रोया गया पर अब उसका फल नहीं हुआ. अब हमारे ऊपर फिर दूसरा मुसिबत आ पड़ी है। ता: २०-४-३८ को भाड़ेदार ने कूंवे के मुह को हमारे लिये बन्द कर दिया। जहां से सब कोई पानी लेते थे उसको टाटर से घेर दिया, और हमारे लिये कूंवा के दीवाल किनारे एक छोटा सा फांक (Hole) कर दिया है। जिससे कि मुसकील से एक आदमी छोटा बालटी लेके दीवाल खखोरते हुए पानी निकाल सकता है, आपने हमों से कहे थे कि कूंवे के पानी लेने के लिये किसी प्रकार का प्रतिवन्ध न रहेगा, पर अभी देखते हैं कि वह एक प्रकार से हमारा अधिकार छीन लेता है और हमको अपमान और जगत के सामने बेईज़त करता है

2

हम आप से अति दीनता पूर्वक निवेद करते हैं कि आप शीघ्र इस दुःख को दूर कीजिये। क्योंकि इस मारवाड़ी के साथ के बन्दोबस्त के कारण स्थानियां पर जाती के लोग भी हमों को थूकते हैं और हमारे लिये यह ठोकर का कारण बना हुआ है सो हम सब आशा करते हैं कि आप अपने बेइज़ती को हमारे लिये सुधारियेगा।

फिर आपने उसको जब यहां आये थे जिस स्थान पर फाटक बनाने के लिये कहे थे वहां नहीं बनाकि पादरी के दरवाजे के पास फाटक बनाने को मुसतैद है

Chakradhar grievances Enquiry needed. N. Topno. 16.5.38.

काजे शु न

Hermas Lakra
President

M. Rickman
Secretary

22/4/38

Chakradharpur Panch

copy forwaded to followings for information and guidience

1. Rev. Lic. J. Stosch, Ranchi
2. Secr. [illegible] C. C. Ranchi
3. P. Hurad. Member T. B. Ranchi

[illegible]
22/4/38

श्रीमान पादरी जोन्स साहिब
[illegible]

आप को इमों के [illegible] के [illegible]
का हाल [illegible] अपने आदमियों से देखने के लिये
निवेदन किये थे। पर आज तक कुछ
जवाब नहीं मिला। [illegible] है।
आप शीघ्र आदमी को [illegible]
का [illegible] देख भाल करें।—
अभी इमों के ऊपर [illegible]
[illegible] हो रही है। [illegible]
[illegible] के पास
लिखते हैं [illegible] उसकी
नकल [illegible] है

आप का
[illegible]

Ster mas Salera
resident
22-4-38.

Ab Rahman
Secretary

चक्रधरपुर
23-4-38

माहामान्यवर महाशय -

जी. इस पत्ना को हम चक्रधरपुर के भाईयोंका बहुत २ बीद्य सहाय।

महाशय हमने आपके पास ओ सभो के पास कितनाही अपना दुखड़ा रोया गया पर अब उसका फल नहीं हुआ. अब हमारे ऊपर फिर दूसरा मुसिबत आ पड़ा है। ता: 20-4-38 को भाड़दार ने कूंवे के मुह को हमारे लिये बन्द कर दिया। जहां से सब कोई पानी लेते थे उसको टाटर से घेर दिया, और हमारे लिये कूंवा के दीवाल किनारे एक छोटा सा फांक (Hole) कर दिया है। जिससे कि मुसकील से एक आदमी छोटा बालटी लेके दीवाल सवारते हुए पानी निकाल सकता है, आपने हमों से कहे थे कि कूंवें के पानी लेने के लिये किसी प्रकार का प्रतिबन्ध न रहेगा पर अभी देखते हैं कि वह एक प्रकार से हमारा अधिकार छीन लेता है और हमको अपमान और जगत के सामने बेईज़त करना है

हम आप से अति दीनता पूर्वक निवेदन करते हैं कि आप शीघ्र इस दुःख को दूर कीजिये। क्योंकि इस मारवाड़ी के साथ के बन्दोबस्त के कारण स्थानियों पर जाती के लोग भी हमों को पूकते हैं और हमारे लिये यह ठोकर का कारण बना हुआ है सो हम सब आशा करते हैं कि आप अपने वेइज्जती को हमारे लिये सुधारियेगा।

फिर आपने उसको जब यहां आये थे जिस स्थान पर फाटक बनाने के लिये कहे थे वहां नहीं बनाके पादरी के दरवाजे के पास फाटक बनाने को मुस्तैद है

Herman Lakra
President

आपके शुभचिन्तक
M. Rickman
Secretary

copy forwaded to followings for information and guidience

1. Rev. Lic. J. Stosch, Ranchi
2. Secre Lam. C. C Ranchi
3. P. Hurad Member T. B. Ranchi

**The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.**
[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Behar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr. No. 1126/38/F 14. Dated the 5th Aug. 1938.

Manyawar Padri Ch. K. Bhengra ko Yishusahay.

Ap ko shayd malum hoga ki Chakradharpur ke bhai log kai bar C. C. men darkhast diye ki Marwari Bharadar jo Bungalow men rahta hai so utha diya jawe kyonki unhen un ke karan bahut baton men takliph hoti hai.

Un bhaiyon ko samjha dijiye ki Board of Trustees men bare bare log member hain. We ham hi logon ki bhalai ke liye Bungalow ko bhare men dete hain. Hata ki raksha ke liye bhi Hata aur Bagan thika men laga diye jate hain. Yadi is prakar ka bandobast nahin karengen to ham unhen raksha nahin kar sakte hain. In sab matlabon ko le kar wah bungla bagan aur hata bhara men lag gaya hai. Wah bandobast registry ho gaya hai use ham log nahin tor sakte hain. Is liye is se jo kuchh bhi bhaiyon ko takliph hoti hai to we un ko sah lewen. Takliph sahne yogya hain. Bhai log Marwari se mel ke sath rahen. Wah bahut baton men un ki sahayta kar sakta hai.

Dusri bat ke liye minute ka nakal hi bheja jata hai jo is prakar hai:-

" Dusri bat kahi gayi ki Padri ke marne par ab Padri ka ghar khali hona chahiye. Phaisla huwa ki abhi us ko notice diya jay ki 31st Oct., 1938 tak men ghar jarur khali hona chahiye aur Padri Babu Christ Kalyan Bhengra ko arji karna chahiye ki us ke liye koi tenant ka bandobast karen."

Ab us ghar men kaun malik hai so thik thik khabar dijiye ki jisten main un ko notice jaldi de sakun.

Ap ka bishwast,

N. T. Topno.

Secretary.

To,

The Rev. Ch. K. Bhengra,
Chaibassa.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANGPUR AND ASSAM.

---

Extract from the Minutes of the Meeting of the Full Church Council, held on the 4th April, 1938.

" 9. Chakradharpur Matter :- Darkhast parha gaya ki wahan ka Bangalow 1 marwari ko bhara men diya gaya jise un ko girja ane jane men bara rok tok hota hai. Rev. Kerschis ne is ke bishay apna kararwai kah sunaya jis se malum huwa ki us samay ke liye darkhastkari raji ho gaye the ki we dusre sarak ho kar khusi se girja ja sakte the. Phaisla huwa ki Rev. M. Kerschis un ke pas is sambandh men likha parhi kare.

---

Memo No. 823/38/F 14.

Dated the 22nd April, 1938.

The above extract is forwarded to Rev. M. Kerschis, for information and guidance.

President.

Church Council
Received 4.4.38
Register No. 376
Date 2.4.38
File 14
Reply No. 823
Date 22/4/38

To

The Secretary C.C.
Ranchi

महाशय,

चक्रधरपुर में जबसे बोर्ड आफ ट्रस्टीज ने बंगला और हाता को ठेका में दे दिया है तब से अनेक गोलमाल है।

(१) वे गिर्जाघर में गिर्जा नहीं करते हैं

(२) गिर्जाघर की दशा खराब होती जाती है क्योंकि वह बिना देखभाल में है।

(३) हाता के घरों का भाड़ा नहीं देते हैं जब तक ठेका सम्बन्धी झगड़ा पूर्ण रूप से न मिटाया जाय। कृपया गोलमाल जल्दी मिटाया जाय।

File No. 11.38

आपका आज्ञाकारी

C.K. Bhengra
2.4.38

L. Jojowar
2.4.38

Dhankumar Nanu, Horo
2-4-38

To

The Director of the Lutheran
Church. Chhota Nagpur and
Assam.
Ranchi.

महाशय,

हम चक्रधरपुर के लोगों का सविनय अर्ज यह है कि अभी करीब 1 वर्ष हो रहा है निम्न लिखित मांगों के लिये हमलोग पेरिस कमिटी या चर्च कौंसिल ओ बोर्ड आफ ट्रस्टीज़ के पास अपना दुखड़ा सुनाते हैं किन्तु बहुत अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि अभी तक हमलोगों के दुःख का कुछ ख्याल नहीं किया गया और न इसका उचित प्रतिकार का कुछ बन्दोबस्त किया गया है चर्च कौंसिल जो कुछ प्रबन्ध किया वह नहीं के बराबर है। क्योंकि चर्च कौंसिल हमलोगों को ईश्वरीय सेवा के लिये एक संसारिक मारवाड़ी के अधीन रखा जिसके मेहरबानी पर हमलोग उसके परमीसन से अपने गिर्जा के लिये रास्ता पर चल सकते हैं। जो कि निश्चय अनुचित और अन्याय का काम है। कोई स्वतन्त्र प्रिय ईश्वर भक्त क्रिश्चियान ईश्वरीय सेवा के लिये एक संसारिक आदमी से गिर्जा घर जाने के लिये रास्ता पर चलने के लिये परमीसन या अनुमति लेना नहीं चाहेगा। हमारे बोर्ड आफ ट्रस्टीज़ और चर्च कौंसिल ने इस बात का बिलकुल ख्याल नहीं किया कि स्थानीय मिशन कम्पाउन्ड सर्व प्रथम प्रभु की सेवा ही के उद्देश्य की पूर्ती के लिये स्थापित किया गया है। इसलिये प्रभु की सेवा निश्चय आपलोग सुभीते के साथ स्वतन्त्र हो कर कर सकेते और उसमें किसी प्रकार का विघ्न बाधा न होता। इसका ख्याल चर्च कौंसिल व बोर्ड आफ ट्रस्टीज को सर्व प्रथम करना चाहिये थे। किन्तु दुःख के साथ कहना पड़ता है कि बोर्ड आफ ट्रस्टीज और चर्च कौंसिल धर्म को आगे न रख कर पैसा घर भाड़ा ही को आगे रख कर मण्डली के सैकड़ों लोगों के आत्मा का कुछ ख्याल न कर पैसे के लिये इन स्थानीय मंडली के लोगों को तकलीफ संकट और बेइज्जती में डाला है। उनके कहने के अनुसार हम लोगों का गिर्जा जाना मारवाड़ी के मेहरबानी और दया पर निर्भर है। मिसन के कूँवे के रास्ता का व्यवहार करना भी मारवाड़ी ही की दया पर निर्भर है ओ तालाव जाने के लिये रास्ता पाना भी उसी मारवाड़ी घरभाड़ादार ही के मर्जी पर है। जिसके लिये हमों को अपने दैनिक कामों के लिये बहुत ही तकलीफ भोगना पड़ रहा है। हम लोग मिशन के सब अधिकारी अफसरों से अर्जी करते २ थक गये। लाचार हमों को गिर्जा घर छोड़ देना पड़ा और अभी आंगन में हमलोग ईश्वरीय सेवा उपासना करते आ रहे हैं। जिसको देख कर संसारिक लोग हंसते हैं।

कि वे बेवकूफ ख्रिस्तान अपने मिशन बंगला को भाड़ा में देकर गिर्जा जाने के मार्ग से भी वंचित हो गये। इनकी मिशन कार्य कर्त्ताओं की बुद्धि की बलिहारी है। सो हमलोगों को संसारिकों के निकट भी लज्जित होना पड़ता है इस सम्बन्ध में स्थानीय पेरीस कमिटी भी कुछ नहीं करती है। पेरीस कमिटी का काम यहां कुछ नहीं चलता है।
पेरिस कमिटी का यहां कुछ ठिकाना नहीं है। और कभी ~~इन~~ इन बातों का विचार के लिये बैठती है। अब हमलोगों का आप के सीवाय इस बात के लिये किसी दूसरे से उचित सहायता पाने का आशा करना कभी और निष्फल है। आप लुथेरन मंडली के सबसे बड़े ~~अधि~~ अफसर हैं। आप हमलोगों के सुख दुःख को जानने के लिये बहुत दूर जर्मनी देश से आये हैं सो आपसे हम निम्नलिखित दस्तखत कारियों का, चक्रधरपुर मंडली के भाइयों की ओर से सविनय निवेदन है कि आप इस अर्जी पत्र के पाने पर कृपया एक बार फौरन चक्रधरपुर आकर हम गरीबों के दुःख की बात ~~सुन~~ को खुद अपने आंखों से देखके और सुनके लीजिये और विचार कर देखिये कि चर्च कौंसिल और बोर्ड आफ ट्रस्टीज ने पैसे के लिये धर्म को ठोकर मारकर हमों को कितना तकलीफ में डाल रखा है और इसका कृपया शीघ्र उचित प्रतिकार कर हम दुःखितों को शान्ति दीजिये।

Hermas Lakra (President)

M. Rickman (Secretary

Nathaniel Horo (Tresurer).

Marfab Hurad.

मंगल तिर्की

बेंजो मिंज

सालोमन तिर्की

Benjamin Kandulna

Prabhu Sahay Purty.

Prabhu Sahay Barla.

Jashman Tirkey.

Premchand Kujur

No: 39/34/F.-14.

Ranchi, the 9th. May, 1934.

Rev: C.K. Bhengra,
Lutheran Compound,
Chaibassa.

Rev: C.K. Bhengra,

Ap ko Yishusahay! Main Chakradharpur ka darkhast jo mere pas April ke shuru men bheja gaya tha ap ko lauta deta hun, nimn likhe karanon se arthat :-

1. Chakradharpur khas mandali Panch men yah darkhast na pesh hui na bichara gaya jaisa wahan ke Pracharak ka ujjur bhi hai.

2. Chaibassa Ilaka Committee ne likha hai ki Nirnayawali ke 8 wen Nirnay ke anusar Chaibassa Parish Committee kuchh nahin kar sakti hai par Nirnayawali ke yah adhyay Padriyon ke kuchal aur dharmmasidhanton ke birodh hone se lag sakta hai, so bataiye ki in do apradhon men se kis apradh ke dosh lagaya ja raha hai.

3. Chaibassa Ilaka Committee yadi Nirnayawali ke 8 Nirnay ke anusar koi dosh nahin dekhti hai to uchit hai apne Ilake ka golmal aphi saphai kare.

4. Ap logon ko smaran rahe ki Chaibassa aur Chakradharpur do alag alag Ilaka hain par barttaman men kam chalane ko milaye gaye hain isliye we apna apna bichar alag alag karke Chairman ke dwara Council men bhejenge.

Copy to Catechist
Yunas Kandeyong,
Chakradharpur.

Secretary,
G.E.L. Church.

[illegible]/34

मान्यवर सेक्रेटरी साहब चार्च कौंसिल को यीशुसहाय

महाशय —— आगे आप को जनाया जाता है कि जो रिपोर्ट यहां के कुछ भाइयों ने पादरी बाबू मार्टिन हुराद कि विरुद्ध रांची भेजा है वह ठीक रीति से नहीं भेजा गया है - कारण कि वह रिपोर्ट यहां - के प्रचारकायन नं. पेश किया जा कर सीधे चाईबासा से रांची भेजा गया। और प्रचारक होकर यह बात नहीं जानता था और कितने पंचे भाइयों से छिपा कर वह भेजा गया नियम रूप से नहीं —— इस लिये आप मेहरबानी कर के वह रिपोर्ट हमों ~~को~~ का चैबासा के जरिये यहां भेज दीजिये कि वह यहां पेश किया जावे। —— साथ ही साथ.

आप से अर्ज है कि चैबासा पेरिश को भी लिख दीजिये कि चक्रधरपुर का कोई भी दरखास्त पहिले यहां पेश हो कर तब चाईबासा जावे फिर वहां से रांची जावे - आप मेहरबानी कर जितना जल्दी हो सके वह रिपोर्ट - यहां भेज दीजिये और चाईबासा पेरिश को उनका भूल बता दीजिये ——

आप का आज्ञाधीन दास

Junas Parchark
Kaindcong
7/4/34

Chakaradharpoor
Lutheran Mission

# Memorandum.

*From,*

P. Hurad, Secretary
**G. E. L. Church,**
**Chota Nagpur & Assam.**
**RANCHI.**

No. 828/34/F.-2 14.

LUTHERAN COMPOUND,

*Ranchi* the 20th, February, 1934.

*To* The Rev: C.K. Bhengra,
Lutheran Compound,
Chaibassa.

The accompanying documents being copies of the Minutes of 8-8-1930 and 23-7-1931 together with a copy of letter No: 180/32/F.-14. dated 27th May 1932 on the subject of rents of houses in Chakradharpur forwarded to the Rev: C.K. Bhengra, Lutheran Compound, Chaibassa, for information, guidance and immediate necessary action.

P. Hurad
Secretary,
G.E.L.Church.

Church Council
Received 31.7.33
Register No. 130
Date 1 0 28.7.33
File 14
Reply No:
Date

Chakradharpur 28.7.33.

File

31/7/33

The Secretary G.E.L. church, Ranchi.

Dear Sir,

I beg to inform you that I made over charge of the Chakradharpur Parish or Ilaka to the Rev. P. Tirkey, Chaibasa, to-day the 28th July 1933 according to your order.

Yours obediently
Rev. Luther Jojowar.
Jamshedpur.

To
The secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

Chakradhar-pore, 28-7-33

Dear Sir,

I beg to inform you that I took over charge of the Chakradharpore Parish or Ilaka from the Rev. L. Jojowar today the 28th July 1933, according to your letter.

Yours faithfully,
P. Tirkey.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
KARYYAKARAK SABHA KI BAITHKI.
Ta: 11& 12 July, 1933.
-------oOo-------

7. CHAKRADHARPUR ILAKE KA CHARGE.

President ki Report se malum hui ki President ne Chakradharpur mandali ka charge Jamshedpur ke Padri Luther Jojowar ko bulakar diya aur ap ka yah bhi kahna tha ki is bishay par Council Jamshedpur Panch ko likhe. Batchit hui ki purn C ouncil ne ~~xxxx~~ aur phir Karyyakarak Sabha ne bhi thahraya hai ki Chakradharpur ka jimma Chaibassa Parish ke sang rahe. Jamshedpur ke sang shamil karne men kitni hi kathinaiyan hain so -

SANKALP: Ki Jamshedpur ke Padri Luther Jojowar ko likha jawe ki wah Chaibassa ke Padri Paulus Tirkey ko Chakradharpur ka charge de dewe.

113-14.
Memo No: ~~112-13~~/33/F.-14.

Dated Ranchi, the 22nd. July, 1933.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 11th. July, 1933 forwarded to the Revds: L. Jojowar & P. Tirkey, for information, guidance and compliance.

J. Topono.

President,
G.E.L. Church.

100/33/F.-14. 19th. July, 33.

Reve P. Tirkey,
Lutheran Compound,
Chaibassa.

Manyawar Padri Paulus Tirkey ap ko bahut Yishusahay !

Ap ko malum hai ki Council ne yah thahraya hai ki ap Chakradharpur Ilake ke charge men rahen parantu is bich men jab President wahan Chaibassa gaye the ap ko nahin paye aur bilfayl Padri Jojowar ko charge dilwaye. Karyyakarak Sabha ne is ko anuchit samjha aur phir yah sthir kiya hai ki ap Padri Luther Jojowar se charge le lewen. So main ap ko phir yah chitthi likhta hun ki ap jab abhi Chaibassa laut aye hain to Padri Jojowar se shighr Chakradharpur ka charge lijiye.

Chakradharpur Station ki jagah hai aur wahan par kisi ek karmmchari ka rahna awashya hai. So ap Chakradharpur men kisi ko, e Pracharak karke bhi thahraiye jisten mandali ki sewa ka kam na gire kyonki mere pita ji ab jababdihi nahin hain. Jo Pracharak hoga so hata, ghar, sirni aur girja ityadi ke liye jababdihi hoga. So ap is bishay par shighr dhyan dekar uchit prabandh kijiye.

Asha rakhta hun Ishwar ap ko is kam men ashish dekar sahay karenge.

Prem se,

Ap ka,

[signature]

86/33/F.-14 13th. July, 33.

Dear Pastor Jojowar,

I wish to let you know that the Church Council Executive has decided yesterday that according to the Resolution of the full Council the charge of Jamshedpur should be in the hands of Rev: P. Tirkey of Chaibassa. What the President did was in contravention of the decision of the C.C. and the Executive

You will please therefore hand over charge of Chakradharpur to Rev: P. Tirkey as soon as he returns to Chaibassa from Bhagalpur or Gaya.

A. formal order or Resolution of the Church Council under the signature of the President will follow soon.

Yishusahay!

Yours sincerely,

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH ~~&~~ IN CHOTANAGPUR & ASSAM.
CHURCH COUNCIL KI KARYYAKARAK SABHA KI BAITHKI.
Ta: 26 June, 1933.
----------oOo----------

10. CHAKRADHARPUR KA CHARGE.

Pension sambandhi bat lekar yah jana gaya ki Chakradharpur ka charge ab tak nahin liya gaya hai kyonki President ki sahi men wahan ka hukmnama jana uchit tha. So yahi sthir hua -

SANKAL: Ki jab President Maurbhanj ke liye Chaibassa ja rahe hain to bhala hoga ki Paulus Tirkey Padri ko wahan ka Chakradharpur ke charge lene ke sambandh men hedayat karen.

Memo No: 53-55/33/E-14
Dated Ranchi, the 30th. June, 1933.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 26th. June, 1933 forwarded to the Revds: J. Topono & Paulus Tirkey, and Rev: M. Heard, for information, guidance and compliance.

[signature]
Secretary

1339/33/F.14.

10 February 33.

Rev. M. Hurad.
G.E.L. Church Compd.
Chakradherpore.

Piyare pita,

Main ap ke pas P.D.D.Richard ke darkhast jise usne President ke pas bite September men bheja tha bhej deta hun. Is men Daniel Padri Luther Bagraila ke birudh men kai ek baten likha hai arthat kitne mandeli se nikale huon ko Prabhubhoj dene ke bare. Mujh ko jahan tak malum hai ki Luther Bagraila Padri wahan Manoharpur nahin gaya hai, kyonki wah bimar tha aur Monsoon Meeting men bhi nahin ane saka , kyonki usko ankh ki bimari hui thi. Main to samajhta hun ki Luther Bagaraila nahin par Luther Jojowar hi kadachit us samay Manoharpore gaya tha. So is chitthhi ki baten kahan tak thik hain, isko Mangal ko bhej kar ~~a~~ tadaruk karne se bhala hoga. Afsos ki President ne is chithi ko abhi January ke Council meeting men pesh kiya.

2. Mardumshumari ke liye Mangal bishes chinta abhi jaldi kare kyonki dusre jagah ke mardumshumari hisab a rahe hain.

Ant men ap ko Yishusahay !

Age shubh,

[signature]

Secretary.

Ranchi.

No. 307/32.
F.- 14.

Dated 1st. July, 1932.

Mr. Bhabani R. Ghosh.
Chakradharpur.

Ref: Your letter of the 16th. June last regarding wife of Benjamin Duren with an enclosure received.

I wish only to say that she and her husband, both have been excommunicated by the Chakaradharpur Mission congregation of which they have been members.

In future, please address all communications to the Padre in charge of the Mission at Chakradharpur.

Secretary,

# The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[ Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919. ]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar) India.

*Secretary*: **P. HURAD,**

No. 298/32
F- 14.

*Dated the* 27th. JUNE 1932.

Ilaka Chairman.
Chakradharpore.
G.E.L. Church.

Piyare Pita,

Church Council yah bat janane chahati hai ki in dinon men wh wehan Chakradharpore men Tea District Labour Association ke Local Agent ka ap logon ke sath men kaisa byawahar hai.Kunwa ko bishay athawe, girje men upasana ke samay men baja aur enya golmal phir pahile ke saman hote hain ki nahin . Cooly log apna mandar aur dholak ityadi pahile ke saman bajate hi rahte hain ki nahin,aur unke sath men sarbbasadharan sambandh kaisa hai so janne chahate hain. Is bishay par shighr likh bhejiye.

Church Council ke Yishusahay ke sath,

Age shubh,

P. Hurad

Church Council
Received 19.7.32
Register No 160
Date 15.7.32
File 14.
Reply No...........
Date...........

Chakradharpur
15.7.32.

~~AH~~ 19/7/32

माननीयवर सेक्रेटरी चर्च कौंसिल
[illegible] कम्पौन्ड रांची

आप को मेरा सादर यीशुसहाय।

माननीयवर महाशय!

आपकी चिट्ठी No 298/32 / F 14 ता: 27/6/32 को मिली है उसके लिये आप को धन्यवाद।

वर्तमान समय में T.D.L.A. के Local Sub-Agent के तरफ से कोई उपद्रव प्रकाश रूप से नहीं देख पड़ता है। और अभी हम सुभाव के साथ रहते हैं। मैं इस के सम्बन्ध में ता: 3-6-32 को जो बातें माननीयवर ट्रष्टी बोर्ड के सेक्रेटरी को उसके पत्र के जवाब में दिया हूं सो आप को भी मैं जानती के वास्ते ~~लिख~~ लिख जनाता हूं-

" कुंवा का झगड़ा जरूर मिट गई है यदि आप लोग कुछ न करें। पर हमों के पूरे बेइज्जती और हयरान और लोगों के सामने ~~पूरा~~ हीन होना। हमारी बहु बेटियां बजारु औरतों के समान फिराई और बेइज्जत किई गईं। जो भी इसमें हमों का कुछ दोष न था- और जब हम आपने अधिकारी या बाप के पास होते हैं तो वह रोना अरण्यरोदन होता है। जब इस प्रकार के अन्याय का प्रतिकार न होगा तो और कितने ही हमों को सताने को तैयार हो जावेंगे- क्योंकि हम [struck out] गाल्लाभाड़ के चिल्लाने के बजाय कुछ नहीं कर सकते। फिर यही बात यदि हम से हुई रहती तो हमारी क्या गति होती? क्या वे हमों को बेसहज ही में छोड़ देते? यह आप यह आप उन के कारवाई से सहज ही में बूझ सकते हैं। फिर हमों को शायद आप लोगों के तरफ से कितनी ही फटकार सुनने पड़ती- इस लिये हम आशा करते हैं कि ऐसे आपके विषय को यों ही जाने न दिजियेगा"।

पर अभी मेरा कहना यही है कि यह बात जब इतने दिनों तक चुपचाप रही तो अब चुप रहना ही भला है क्योंकि मुर्दा को सड़ने गलने के बाद उखाड़ने से कोई फायदा नहीं। आशा है कि मेरे प्रार्थना पर ध्यान दिजियेगा—

आपका अनुग्रहित

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM.
CHURCH COUNCIL EXECUTIVE KI BAITHKI KA MANTABYA.
Ta: 30 May, 1932.
--------oOo---------

CHAKRADHARPUR KUNWE KA JHAGRA.

Chakradharpur kunwa ka bishay leke wehan ke ~~xxx~~ bharedar kuli-Depu ke logon aur hamare khrishtiyanon ke bich men jo golmal hua tha us par jo darkhast khrishtiyan bhai bahinon ne diya tha so parha gaya. Is darkhast men abhi sirph kunwa nahin parantu kuliyon aur Local Agent dwara jo golmal girja ke samay aur hata men hua karta hai so bhi likhe gaye. Is par batchit hui aur yahi bichar hua -

SANKALP: Ki darkhast ki baton par Trustiyon ke Secretary ko likha jay ki we un bishayon par Tea District Labour Association ke Superintendent ke dhyan ko akarshit karen ki aniyamit ghatnany phir na hone pawen aur jo anuchit baten darkhast men batai gai hain we dur kiye jawen anyatha kabuliyat motabik lease ka ant kiya jayga. aur awashyak hoto Ranchi ke sthaniya Board ke member ukt Superintendent se batchit karke bishayon ko niptane ~~x~~ ko adhikar pawen.

Memo No: 218-19/32.
F.-~~30~~.14
Dated Ranchi, the 7th. June, 1932.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 30th. May, 1932 forwarded to the Secy. B. of T. and Rev: Mr. Hurad for information, guidance and compliance.

[signature]

Secretary,
G. E. L. Church.

INDIA POSTAGE

HALF 1/2A ANNA

INDIA

POST CARD

CHAKRADHARPUR
17 MAY 32
5.30 P.M.

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY.

Church Council
Received 21. 5. 32
Register No 35.
Date 17. 5. 32
File 14.
Reply No
Date

To
P. Hurad Esqr.
Secretary
G. E. L. Mission
Ranchi

Chakradharpur P.O.
Sh. Singhbhum

श्रीमान सैक्रेटरी साहब
गोसनर. लूथेरान मिशन
रांची

श्रीमान सैक्रेटरी साहब,
मैं आप का खत नं 144-45/32
F.14
ता० 13 मय का पाया। आप को मालूम होवे कि मैं दो रुपैया (Rs 2/-) देने के योग्य नहीं हूं इस कारण मैं चिट्ठि पति सहित ता० 16-मय 1932 से एक कमरा छोड़ दिया हूं। इस लिये मैं आप को खबर जनाता हूं। मैं अब केवल एक कमरे में हूं॥
ता० 16-5-1932.

आप का आज्ञाकारी
हेरमस लकड़ा मासटर

Lutheran Compound,
Ranchi.

No: 180/32.
F.- 14.

Dated Ranchi, the 27th. May, 1932.

Babu Hermas Lakra,
Lutheran Compound,
Chakradharpur.

Ap ka 17-5-32 ka Post Card mila jismen ap ne likha hai ki ap Rs 2/- mahina nahin de sakne ke karan ek kamra 16-5-32 se chhor dete hain. Yah to ap ki khushi hai

Main ne jo ap ko likha tha ki ap ke talab se Rs 2/- mahwari katwaya jayga so to ap ke bakaya ghar bhara ke bishay men hai. So jab se Council ka hukm ap ko ghar bhara dene ke sambandh men mila hai us samay se bakaya bhara ap mahina 2 chukate jaiye. Isi bakaya ko na chukane se ap ke talab se katwane ki likha parhi District Board se kii jaygi.

Secretary,
G. E. L. Church.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[ Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919. ]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar) India.

Secretary: **P. HURAD,**

No. 144-45/32.
F.-14.

Dated the 13th. May. 1932.

Babu Hermas Lakra,
Lutheran Compound,
Chakradharpur.

Ap ka darkhast mila. Iske uttar men main ap ko janata hun ki jo niyam sabhon ke liye hai usko badalna achchha nahin hai, so ap se jo bhara ghar ka pawna hai usko ap dete jaiye. Aphsos ki bat hai ki ap dene men tal betal karte jate hain. Is liye ap ko ab antim ber prem se janata hun ki yadi ap is mahine se Rs2/- karke bhara aday na karen to anewale mahine se Vice-Chairman, District Board ko likh ke ap ke talab se mahina Rs4/- katwane ki likna parhi hogi jab tak aday na howe, so takid janiye.

P. Hurad

Secretary,
G.E.L. Church.

Copy to Rev: M. Hurad,
Chakradharpur.

# The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[ Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919. ]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar) India.

*Secretary*: **P. HURAD,**

No. 17/32.
F. - 14.

*Dated the* 28th. April *19*32.

The Superintendent.
T.D.L. Association.
Ranchi.

Dear Sir,

Thank you for your reply of the 23rd. I had been to Chakradherpore on that date and came to know that you too had visited the place before me.

I may say that your Agent's allegation that he closed the well on the recommendation of the Contractor is open to question. I am told by the women that on that particular day the Agent sent them to the contractor saying that the key of the well was with him. But on the other hand the contractor told the women that he had nothing to do with the matter as he had finished his contract .The women then knew that the Agent was simply bent upon harassing them. Now when they had returned from the contractor's place your Agent said that he had your order to stop the Christians from drawing water from the well, and he lodged a similar information in the thana.

I fail to understand how the Local Christians can be accused of taking the law into their own hands when one having no right over the well interferes with the acknowledged rights of the Christian public of that place.

The matter has been referred to the Board of Trustees by the Christians.

Yours faithfully,

[signature]

Church Council
Received 25.4.32
Register No. 906.
Date 23.4.32

No. 76.
REGD. TELE. ADDRESS : 14 or 34
"LABOUR."

# TEA DISTRICTS LABOUR ASSOCIATION.

Ranchi Agency.

No.16/13.

23rd April, 1932.

The Secretary,

Grossner Lutheran Mission,

Dear Sir,

In reply to your letter of 22nd April there has been some trouble at Chakradhar-pur.

This appears to have ~~reeeee~~ risen through our Agent closing the well on the re-commendation of the contractor to allow of the cement work of the repairs setting.

The Agent has been instructed to allow the Christians to use the well. I may mention that they took the law into their own hands and burst open the lock where they had no right to do.

I am, Dear Sir,

Yours faithfully,

[signature]

Local Agent.

JGD.

**The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.**

[ Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919. ]

Secretary: P. HURAD,

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar) India.

No. 1090/32
F-34

Dated the 22 April 1932.

The Superintendent.
Tea District Labour Association.
Ranchi.

Dear Sir,

I understand you have perhaps come to know that there has been some trouble at Chakradherpore. Your Agent of that place living in our bungalow has interfered with the right of the local Christians from drawing water from the only well in the compound. I hear that the situation is going from bad to worse. I would therefore request that you will please wire your Agent to stop all his activities against the local - Christians and thus put an end to the trouble brewing there.

I am enclosing for your information and reference an extract from the Indenture made between the Trustees of this Church and your Association which is self-explanatory.

Hope you will do your best to help in allaying the tension existing there.

Yours faithfully,

P. Hurad

Encl: 1 Extract copy fromthe Indenture.

Church Council
Received 22.4.32
Register No. 902
Date ~~22.4.32~~
File 34. or 14.
Reply No..............
Date..................

File 22/4/32

6

C.

POSTS TELEGRAPHS.

~~NOTICE.~~

This form must accompany any inquiry made respecting this Telegram.

| Charges to pay. | |
|---|---|
| Rs. | As. |
| | |

Office Stamp. RANCHI TEL. 22 APR. 32

| Handed in at (Office of Origin.) | Date. | Hour. | Minute. | Service Instructions. | Words. |
|---|---|---|---|---|---|
| Chakradharpur | 22 | 8 | 0 | | 13 |

Recd. here at 8 H. 30 M.

TO

Secretary Haraad Lutheran Compound Ranchi

Grave situation Come immediately without fail

— Lutherans —

N. B.—The name of the Sender, if telegraphed, is written after the text.

Karim Bux Bros., Printers, Calcutta—529 (B-107)—21-7-28—1,00,000 Bks.

C o p y .

D.O.No. 1080/32 F. -14

Dated the 20th April 1932.

D.M.Panna,Esqr.,
Secy. Board of Trustees,
PURULIA.

Dear Mr.Panna,

I enclose the telegram in original from Chakradharpur received this morning.It appears that the tenants living in the bungalow have stopped the Christians from taking water from the compound well.

I do not know the conditions on which the bungalow has been let out nor do I know the boundary within which the tenant has to exercise his rights.But I think the tenants have not been authorised to stop the Christians from taking water from the compound well.I don't think it would be wise on my part to interfere here and would wish that you will please wire to the tenant to stop his aggressive attitude and also not to exceed his authority there.

Hope you will take prompt action and let me know the result by return of mail.

With due regards ,
Yours sincerely,
Sd.P.Hurad .

Ecl: Telegram of C.K.Pur
in original.

---

Copy of the Telegram.

Secretary Hurad,Lutheran Compound ,Ranchi.

L U T H E R A N S T O P P E D W E L L W A T E R

C O M E I M M E D I A T E L Y .

L U T H E R A N S .

Church Council
Received 23.4.32
Register No. 903.
Date 21.4.32
File 14 or 34
Reply No.
Date

23/4/32

THE BOARD OF TRUSTEES OF THE GOSSNER
(G. E. L.) CHURCH PROPERTY.

*Secretary & Manager,*

**D. M. PANNA,** Esqr., B. A.,
Deputy Magistrate & Deputy Collector,
~~RANCHI.~~ Purulia.

Purulia , ~~Ranchi~~ 21st April 1932.

No 152/32.

P. Hurad, Esqr.,
Secretary, G.E.L Church ,
Lutheran Compound,
Ranchi.

Dear Mr. Hurad,

Your D.O. letter No.1080/32 -F.14 dated 20.4.1932 .

From the telegram there is nothing to suggest that 'the tenants living in the bungalow have stopped the Christians from taking water from the compound well' . The words of the telegram are " Lutheran stopped well water. Come immediately. Lutherans ". From these it may be either a Lutheran somebody , a catechist ,teacher etc. who has stopped well water. It is therefore the necessity to get real facts from Chakradharpur . It would have been better if either yourself or some member of the Church Council went to Chakradharpur and ascertained the facts. Without knowing the real facts and when in the telegram itself there is nothing to suggest even that our tenant has taken up 'aggressive attitude' I do not think it will be right for me 'to wire to the tenant to stop his aggressive attitude and also not to exceed his authority ' . I am ,therefore, writing to your brother Mangal as well as to our tenant to let me know what the matter is.

Our tenant who occupies the bungalow can not stop our Christians from taking water from the well .That right has specifically been reserved in the lease to the Tea Districts Labour Association .

Yours sincerely,

D. M. Panna.

Church Council
Received 25.4.32
Register No. 907
Date 24.4.32
File 14.m.34
Reply No.........
Date.........

महामान्यवर ट्रसटी बोर्ड के सेक्रेटरी साहब
लूथेरान कम्पाउंड, रांची

चक्रधरपुर ता: २४-४-३२

महामान्यवर ट्रसटी बोर्ड के सेक्रेटरी साहब,

आप को हम सब चक्रधरपुर लूथेरान मण्डली के भाई बहिनों के तरफ से यीशुसहाय पहुंचे॥

मान्यवर,

हम लोग सब मिल कर इस दरखास्त को आप के सामने पेश करते हैं और यही अर्जी करते हैं कि आप कृपा पूर्वक हमों के बातों पर ध्यान दे कर उचित विचार कर हमों के असुबीता कष्ट और झनझट का निवारण कर कृतार्थ करेंगे।

१. T.D.L.A के तरफ से इस महिने के बीचों बीच में कुवा को मरामत करने का आरम्भ हुआ और लोकल एजेन्ट R. N. (आर. नाथ) ने तक जब तक कुवा मरामत हुवा हम लोगों को पानी लेने नहीं दिया पर आप चुप चाप से जितना पानी दरकार था भरवा लेता था। १८ तारिख बिहान को जब हमों ने देखा कि कुवा तैयार हो गया है बहिन लोग पानी भरने गई पर वहां लोकल सब एजेन्ट के तरफ से ताला लगा हुवा देख लौट आईं। और हमों में से दो जनों ने जा के एजेन्ट साहब से पुछा कि बात क्या है। तब एजेन्ट साहब ने फरमाया कि अभी सिमेन्ट ठीक से सूखा नहीं है दिन को सूखेगा तो दूसरी बेला खोल दूंगा। दूसरी बेला जब बहिन लोग पानी भरने को गई और कुवे में ताला लगा देख एजेन्ट साहब को खोल देने कही तब उस ने कहा कि मेरे पास चाभी नहीं है ठीकेदार के पास है जाओ उस से मांग लो। तब सब कोई हाड़ी और बालटी रस्सी

ले कर ठीकेदार के पास गये। ठीकेदार ने उन्हें
बताया कि कुवा ठीक हो गया है पर चाभी मेरे
पास नहीं है लतीफ के पास है। तब वे फिर
लौट कर आई और उस से चाभी मांगने
लगी। तब वह उन से बोला कि जाओ हम
कुवा नहीं खोलेंगे हमारा साहब का हुकुम
है पादरी को रिपोर्ट करने बोली। तब वे
पादरी के लड़के मंगल हुराद को बुला के कि
लतीफ ऐसी ऐसी बातें कहता है। जब वह
लतीफ के पास गया तब लतीफ ने उस को
एक चिट्ठी का आंश दिखाया जिस में
लिखा हुआ था "Lutheran Colony Should
not be allowed to use the well". तब
मंगल ने कहा कि हम तुम्हारा साहब का
बात नहीं मानेंगे। हम लोग भी अपना
अधिकार दिखलाने के लिये कुवा के कड़ी
उखाड़ कर पानी लेंगे। तब हमों ने कड़ी उखाड़
कर पानी लिया। इस के पीछे उन्हों ने थाने में
डायरी किया जिस की नकल आप की सेवा में
भेजा जाता है। दूसरे दिन हमों को थाना से बुलाहट हुई
और हम सब भाई बहिन थाना गये। वहां हमों के
पादरी साहेब ने जो इजाहार दिया उस का नकल भी
भेज देते हैं। उस ने अपने मालिक साहेब को रांची से
तार देके बुलाया और वह तहकिक कर के चुपचाप
चला गया। हमों को तो कुछ नहीं बोला पर
मालूम होता है कि लोकल एजेन्ट साहब ने
जरूर कहा होगा कि उन को पानी लेने से नहीं
रोक सकते हो उन को पानी लेने दो। जो बात
पीछे एजेन्ट साहब ने पादरी साहब के लड़के
मंगल हुराद को भी भाइयों के सामने कहा
कि साहब ने हुकुम दिया है कि तुम लोग
पानी लेते सकते हो। तब उस ने कहा कि हमों
ने ताला तोड़ ही चुका है उस के हुकुम देने या
न देने से क्या ॥

इस प्रकार वह हम खृष्टियानों को यहां वहां फिराता फिरा और बहिनों को ठीकेदार के थाना आदि स्थानों में ले जा कर हमों के बेइज्जती की हद्द कर दिया। इसी से आप बूझ सकते हैं कि वह कैसे अशिष्ट और असभ्यता का व्यवहार हमों से किया।

2. जब से वह हाते में है तब से हमों की उपासना में बहुत बाधा पड़ती है, कारण कि वह ठीक उपासना के समय प्रायः ही फोनोग्राफ हारमोनियमादि बाजा बजाया करता है जो भी कि हम लोग उस को बारम्बार चितौनी देते २ थक गए पर वह बन्द नहीं करता है। और अब तक अनसुनी ही करता चला आया है। इस पर पादरी साहब के लड़के मंगल हुरद ने एक बार पड़ोस के मुसलमान हबीब डाक्टर के द्वारा भी उस को समझाया पर उस का कुछ फल नहीं हुआ। इस के अलावे उस के कुली जो प्रतिदिन १०० से ३०० तक आते हैं अपने ढोलक ढपला और बंसरी आदि को ठीक उपासना के समय बजाते हैं मना करने पर भी नहीं मानते। जिस से प्रार्थना और उपासना में बड़ी बाधा होती है। यह एक बड़ी और मुख्य विषय है जिस का निवारण होना अति ही जरूरी है।

3. जैसे हम ऊपर में लिख चुके हैं कि कुली प्रतिदिन १०० से ३०० तक आते ही रहते हैं वे समूचे हाता में चूल्हा चौका बना कर हाता की अवस्था को एक दम खराब कर दिये हैं। जो जहां पाता है वहीं अपने मन मुताबिक करता है उन को कोई बोलने टोकने वाला भी नहीं है। यदि हमों से कुछ बोला जाता है तो उस पर कुछ ध्यान नहीं दिया जाता है। और उन के कुली और उस के नौकरादि हमों के फल गाछों से फल तोड़ते हैं और मना करने पर लड़ने झगड़ने को तय्यार हो जाते हैं। और यह कह कर धमकाते हैं कि समूचा हाता मेरे अधिकार में है। और थोड़े दिनों में कुलियों के घर बना कर भगा देंगे।

4. इसी प्रकार कूआं भी अशुद्ध और अव्यवहार्य हो गया है वे कूंवे में नहाते धोते कपड़ा धोते और जूठे बरतनों को भी कूंवे के ऊपर धोते और जूठे हात ही से पानी भी खींचते हैं। इस के विषय प्रबल विरोध प्रारम्भ ही से किया जा रहा है पर अब तक कोई भी बन्दोबस्त नहीं किया गया है कि रोका जावे।

5. यह आप सभों को विदित है कि कुली कैसे मैले कुचैले और फूहड़ रहते हैं। और उन का खान पान भी वैसा ही होता है, जो पाते हैं वही खाते हैं। जिस से उन के बीच में कई प्रकार के संक्रामक रोग होते रहते हैं जैसा कि अभी

हाल की बात है जिस को हम सब अच्छी तरह जानते हैं कि क्रमशः
दो मनुष्यों को हैजा (Cholera) हो गया था। जिन में से एक
आदमी मर भी गया। यह हमारे लिये अति भय और कष्टों
प्राण के जोखिम का कारण है। क्योंकि जब असमय में ऐसे २
रोग होते हैं तो समय पर हमारे लिये इस का फल क्या होगा?
हम जो गरीब हैं ऐसे २ रोगों को निवारण करने को कब
सामर्थ्य हो सकते हैं। यह शोचना भी अति ही भयावह है।

6. वर्तमान सब एजेन्ट अतीक साहब मुसलमान हैं और इन
के घर के लग ही कूवा है जहां हमारी बहु बेटियां पानी भरने
जाती हैं। एजेन्ट के पास हर प्रकार और हर अवस्था के
मुसलमान बराबर आते रहते हैं जिस से हमारी बहु बेटियों
के भविष्य के सम्बन्ध में अनेक प्रकार के कलंक होने का
भय है जिस को आप स्वयं अनुमान कर सकते हैं।

आगे हम लोग यह भी प्रगट कर देना उचित समझते हैं
कि इस बंगला के हाता में साहेब लोग और राजा और बंगाली
लोग रहते आये हैं, पर हम लोगों को कभी ऐसा हैरान
को दुख नहीं दिया है। जैसा इस मुसलमान लोकल
एजेन्ट ने किया है, और हमों को मालूम है कि जब
तक डिपो रहेगा, तब तक खृष्टियानों को भारी तकलीफ
और अंधकार होगा।

सो दृष्टि बोर्ड हमों के दुख को जिस को केवल हम
ही लोग बूझ सकते हैं दूर करने का कोशिश करे। और
हमों की अरजी पूरी करे, जिस के लिये यहां की समुः
की मंडली भाई बहिन और लड़के वाले आप का नित
नित धन्यवाद करेंगे —

आप के कृपाभिखारी

चक्रधरपुर लूथेरान मंडली के नारि बहिन

Copy of the petition to the Secretary Board of Trustees Purulia forwarded to the Secretary G. E. L. Church, Ranchi, for information and for favours of making due recommendations to the Board of Trustees.

Mangal Hurad

M Hurad
24.4.32

भाई

H. Lakra

L. Martin

मंगल

इलियास टोप्पो

नोरेस लाकड़ा

देवनाथ खेरवार

गंजन राम एक्का

ठेडे Bhirju

खोगेन्द्र नाथ आचार्जी

पालुस

H. Miller

मार्टिन

एक्का

J. H. Michael Hamad

M. Kalyan

पौलुस

हरेश कच्छप

Khalu Sahay Beck

निर्मल

सितराम टोप्पो

टोमस

परिमल

मनोरंजन

जुएल

Benjamin

बहिन

एनेम कुजुर

प्रेमिका

राहेल

पुरनमनी

पुण्यमती आचार्जी

मरथा

सलोमी

रत्नी

रोजमनी

सिंगरी

ब्रिजिता

मोचन

मख्तन

मनसिद

मरियम

Ignatius Khalkho

Jasman Paul Tirkey

Kandulna

True Copy

Dist. Labour Association,
Chakardharpur.
19th April 1932.

No. 1/14.D.

To
The Officer in Charge, P.S.
Chakardharpur.

Dear Sir,

The well that is within our Compound is under repair.

I have received the letter from Superintendant that the well should not be used by any outsiders except the Employees of the Company to use, I have locked the well but one Mangal Hurad son of local priest also daughter in law of the priest and daughter of Hermes master have broken the locked and are using the well.

Will you kindly take steps and do needful and oblige.

Copy to Supdt. T.D.L.A.
Chaibassa Agency
Ranchi.

I have etc
(Sd) Latif.
Sub Agent - Ckpur.

Pastors' report to P.S. Chakardharpur.
Dated 20-4-32.

Rev Martin Hurad appeared and reported that the well belongs to the mission and using it from the beginning and is situated within the mission compound.

The sub agent of the Dist. Labour Association C.K.Pur repaired the well without the permission of the mission authorities, and locked it up and used it for himself alone and forbade the Christians from using it.

# The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[ Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919. ]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar) India.

*Secretary*: **P. HURAD,**

No....1080/32.
P.-14.

*Dated the*.....21st. April,....*1932*.

Rev: M. Hurad,
Lutheran Compound,
Chakradharpur.

The telegram of the Lutherans received, I have forwarded the telegram to Mr. Panna, the Secretary to the Trustees to wire to the tenant not to interfere in the right of taking water from the well.

I am enclosing for your use and reference an extract from the Indenture made between the Trustees and the Labour Association which explains that the Lessee (tenant) can not interfere or else he loses all his rights over the premises.

Please show this to all concerned and oblige.

Yours sincerely,

P. Hurad

# INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

## RECEIPT FOR INLAND TELEGRAM

Class Prefix O

Amount paid. Rs. -/13 P.

No. 2

*Date-Stamp.* CHURCH ROAD 21 APR 32 RANCHI

The charges entered upon this form have been duly paid in respect of the telegram indicated by number.

The sum stated includes extra charges, if any, paid for Reply, Delivery, etc.

Should any reference become necessary, the production of this receipt will enable the telegram to be traced by the office of origin within seven days of the date of its despatch—thereafter *Complaints* respecting this telegram and applications for *Refund* involving complaints against the Service should be addressed to the Postmaster-General of the Circle concerned, within two months. Applications for refund *which do not involve complaints against the Service* should be addressed to the Officer-in-charge, Telegraph Check Office, Calcutta.

Extract copy from the Indenture made on the 25th. April, 1930 between D.M. Panna, Esqr. M.L.C. Manager of the Board of Trustees of the Gossner (G.E.L.) Church Property, Ranchi and Tea District Labour Association

-----oOo-----

5. Not to interfere with the right of the local Christians from drawing water from the only well and from using the new Road leading to the Church in the Compound.

AND IT IS MUTUALLY AGREED by and between the Lessor and the Lessee that if default be made on the part of the Lessee to pay rent hereby reserved for 15 days after the same had fallen due or if any of the covenants on the part of the Lessee herein contained be not performed or observed it shall be lawful for the Lessor (notwithstanding anything to the contrary herein) at any time hereafter to re-enter upon the demised premises or any part thereof and repossess the same as if these presents had not been executed and thereupon this Lease hereby granted shall determine.

[signature]
Secretary.

Telegram sent

Reverend Hurad
Chakradharpore.

Tenant cant interfere else lease liable to cancellation

Secretary

# The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[ Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919. ]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar) India.

*Secretary*: **P. HURAD,**

D.O. No. 1080/32
F-14.

*Dated the* 20th. April *1932*.

D.M.Panna, Esq.
Secy. Board of Trustees.
PURULIA.

Dear Mr. Panna,

I enclose the telegram in original from Chakradherpore received this morning. It appears that the tenants living in the bungalow have stopped the Christians from taking water from the compound well.

I do not know the conditions on which the bungalow has been let out nor do I know the boundary within which the tenant has to exercise his rights. But I think the tenants have not been authorised to stop the Christians from taking water from the compound well. I dont think it would be wise on my part to interfere here and would wish that you will please wire to the tenant to stop his aggressive attitude and also not to exceed his authority there.

Hope you will take prompt action and let me know the result by return of mail.

With due regards,

Yours sincerely,

P. Hurad

Encl: Telegram of C.K.Pur
in original.

True copy.

Chakradharpur Date Hour Minute Recd,
20. 7. 55. 8 hr. 18 minutes.

To

Secretary Hurad Lutheran Compound, Ranchi.

Lutheran stopped well water come immediately.

- Lutherans.

Church Council
Received... 20.4.32
Register No. 898
Date..........
File... 14.
Reply No.........
Date..........

Church Council
Received 18.4.32
Register No. 388
Date 12.4.32
File 14

POST CARD

WRITING SPACE

को मुण्डा ने हमारे पास आ हम को
बताया - हम ने कहा कि गिर्जा और
कबर स्थान का माल गुजारी तो
नहीं लिया जाता है - मुण्डा बोला
तौभी हम को बतलाने का हुकुम है
सो हम C.C. को लिख जनाते हैं

चक्रधरपुर
१२।४।३२ }

आगे शुभ-
आप का आधीनस्थ
M. H. Hurad

THE ANNEXED CARD IS INTENDED
FOR THE ANSWER.

ADDRESS

Mr. O. L. Peter Hurad
Sec. G. E. L. Church
Lutheran Compound
Ranchi
B.N.R.
Dt. Ranchi

महा मान्यवर C.C. को यीशु सहाय-

हम समझते हैं कि चक्र०पुर लूथेरन हाता के देख भाल और हिफाजत आदि का काम स्थायी पादरी का है। फिर कुली डिपो को भी हाता दिया गया है इस लिये कभी २ दोनों पक्षों में नाना रकम की बातों वास्ते वाद विवाद होती है। सो अच्छी बात होगी कि C.C. कृपया हम को बतावे कि कुली डिपो का सिमाना यहि है (२) कूंआ किस के दखल में किया गया है (३) पादरी के घर की खिड़की का फाटक जो डिपो वालों द्वारा बिगाड़ा गया है सो मरम्मत किया जावे- (४) पादरी के घर की खिड़की किनारे का रास्ता डिपो वालों वास्ते बन्द किया जाके दूसरा रास्ता उन के लिये बनाया जावे और पादरी डिपो की दरबानी गिरी का काम करने से बचाया जावे-

(५) चक्र०पुर लूथेरन कबर स्थान का माल गुजारी बैसाइरा वालों ने १) बार आना रखा है- जिस गांव के सिमान में कबर स्थान है, उस गांव

To 8.4.32

The Secretary 864 Church council
6.4.32 Ranchi
14

Dear Sir,

Having a meeting will be held at yours within a few days about the man named Benjamin Dwun and his wife (Miss Grons) who is living in Chakradharpur.

Sir I can proudly say that miss Grones is a bad charector but her hasban reported againest me to my officer stating some fales matter for which I have been bound to to leave ~~the~~ my quarter and as a explaination of his report I gave the true facts which is attaching with your letter from the same you shall be able to know the true facts if nessery and I am sending also a handbill which has been published by some unknown man.

Please let me know the result of your meeting and oblige

CKP.
Dt 6 April 1932

Enc. 3

yours truly

Bhabani Ranjon Ghosh.
Ofc. Station Master
Chakradharpur.
B.N.Ry.
Singbhum

P.T.O

8/4/32

30 copy I



The D.C. Officer

B.N.Ry.

Chakradharpur

Sir,

With reference to the complain made by your chaprasi Bingamin Duren againest me.

I beg to report that following facts of favour of information and justice, that I am living in a meanial quarter just adjacent to his quarter naturely he made friendship with me as I am his next neighbour in the corse of friendship he requested me to take my meal etc. at his quarter in exchange he asked me to teach him to play Harmoniom with music. I compailed with his request and in this way our friendship become deep to deeper and deeper to deepest thus he used to come to my quarter frequently and I too had free to his quarter during his presence as well as absence since his wife (miss Granny) asked me to come there every now and then in absence of her hasband. One day while I was taking my morning tea at his quarter in absence of her hasband. she began to cut joke with me in bad sence, which I cilently bastened with out giving any replay. Sir I was quite ignorent about her character at that time since that day she every now and then used to cut joke exciting me to loose my character, and another day I was sleeping with her hasband at the noon time in his qurter, I do not know when her

P.T.O.

Copy II. (2) III.

23

basband gon on duty, when I awake, I saw that she is laying down by my side at the place of her hs band (but she was not sleeping she was laughing) Sir I am a bachilar so I could not maintain character right so we naturely fell in deep love each other. After five or six mounths we caught hold one day by her basband in bad circumstances (as bad parposes are never kept secret) Since that day I ~~did~~ am not speaking with them. On the following day of occurence Benjamin took her wife to Purulia and came back leaving her there, after some days he braught her back again in his quarter. During this period she called me frequently to her qurter but I did not went or gave any reply at this she one ~~more~~ day told me to take her away to some distance place under my custody stating that she much loved me, she doed want her basband etc which I refused to ~~do~~ and I asked her to ~~sup~~ return my furnitures are laying under her since 5 or 6 munths at this she replied "Sorry if you do not take away me I will not give your furnitures and I shall teach you a good lesson by my basband" and again she requests me to take her away for which I became angry and I replied "not I have got no conection you and you ~~do~~ not speak any longer & I droped a letter to her quarter to give her basband stating about returning my furniture and some report against his wife. Sir this is the cause of the report made by your chaprasi

I beg to remain
Sir
Khalani R. Short

P.T.O

Copy III
Recd: from
Postmaster

# প্রসিদ্ধ নারি নলিনিবালা বা মিস্ গ্রোন্সের

# কাহিনি।

চক্রধরপুরের ডি সি অফিসের চাপ্রাশী যুগলকিশোর অথবা বেঞ্জামিন ডিউরেন নামিত জনৈক পুরুলিয়ার বাঙ্গালি খ্রীষ্টানের স্ত্রী উপরোক্ত নাম যুক্তা নলীনি বালা বা মিস্ গ্রোন্স একজন অন্য যুবকের সহিত প্রায় ছয় সাত মাস যাবৎ প্রেমে পড়িয়াছিল। (এই ব্যাপার তাহার স্বামী অবগত ছিল) একদিন তাহার স্বামী তাহাদিগকে ধরিয়া ফেলে, এবং কিছুক্ষণের জন্য তাহাকে সেই যুবকের সহিত প্রহার করিতে করিতে গৃহ হইতে বিতাড়িত করিয়া দেয়, এই অবস্থায় কিছুক্ষণ গত হইবার পর তাহাকে আবার গৃহে লইয়া যায় এবং সেই রাত্রেই ভাট বাঁধে (পুরুলিয়ার নিকটবর্ত্তি গ্রাম ভাটবাঁধ) অর্থাৎ তাহর পিত্রালয়ে রাখিয়া আসে এই রূপে কিছুদিন গত হইবার পর আবার তাহাকে চক্রধরপুরে লইয়া আসে এবং সেই যুবকের নামে নানারূপ অপবাদ কর্ম্মস্থলে নালিশ, ভয় প্রদর্শন ইত্যাদি করিতে থাকে এবং সেই যুবককে আরও বলে যে আমাকে সমাজ হইতে বিতাড়িত করিয়াছে, যদি আমাকে সমাজে না লয় তবে ঐ নারিকে রাখিতে হইবে এবং আমাকে সমাজে উঠিতে হইলে যাহা খরচ হয় তাহাও দিতে হইবে। এই প্রস্তাবে যুবক অস্বিকার করিয়াছিল এইজন্যে তাহার চাকুরির ক্ষতি করিবে এবং প্রহার করিবে বলিয়া ভয় দেখাইয়াছিল, কিন্তু তাহার স্ত্রী সেই যুবককে বলে তুমি আমাকে এখান হইতে লইয়া অন্য জায়গায় চল যেখানে আমামাদিগকে কেহ না জানে, আমি তোমার জন্যই আমার স্বামিকে অনেকরকম মিথ্যাকথা এবং মিথ্যা প্রলোভন দেখাইয়া পুরুলিয়া হইতে এখানে আসিয়াছি, তুমি জান যে আমি তোমাকে একদিন না দেখিলে থাকিতে পারিনা, তোমার জন্য আমি আমার স্বামিকেও ছাড়িয়া দিতেছি, আমি তোমাকে ছাড়া আর কিছুই চাহিনা ইত্যাদি, কিন্তু এই যুবক এই প্রস্তাবে অসম্মত হওয়ায় সেই নারীও সেই যুবকের বিপক্ষে নানারূপ অভিযোগ প্রকাশ করিতেছে এবং স্বামির নিকট সত্যবাদি এবং নির্দ্দোষি বলিয়া পতি সোহাগীনি সাবিত্রি হইয়া স্বামির একমাত্র আদরিণি পত্নি হইয়াছে ইহাতে বেশ বুঝাযায় যে এই নারী এইরূপ কাজ বহু যুবকের সহিত করিয়াছে যাহা সাধারণে অজ্ঞাত ছিল বোধহয় তাহার স্বামীর অজ্ঞাত ছিল না।

নারির বয়স মাত্র ১৮ ১৯ রং ও বেশ ফরসা, গঠন ও মন্দ নহে মুখের আকৃতি তত ভাল না হইলেও বচনে বেশ রসিকা এবং খুব তোবামোদে যাহাদ্বারা প্রেম ব্যবসায় পারদর্শি। ইতি

জনৈক চক্রধরপুর নিবাসী।

Memo No. 1028/32.
F. - X14.

Dated Ranchi, the 23rd. March, 1932.

The petition of Babu Hermas Lakra of Chakradharpur regarding his house rent forwarded to the Chakradharpur Ilaka Chairman for favour of opinion at an early date.

[signature]

Secretary,
G. E. L. Church.

Church Council
Received 28.1.32
Register No. 649
Date 26.1.32
File 14
Reply No.
Date

28/1/32 अकबरपुर
२६-१-३२

मान्यवर चर्च कौंसिल को मेरा यीशुसलाम —

मान्यवर गण —

इस दीन को मालूम पड़ा है कि बाबू हेरनसलकड़ा जो हाता के घर में भाड़े पर रहता है। उसको आपने १९३१ के जनवरी महिना से घर भाड़ा देने की इजाजत दिई है। (C. C. Ex. of 23rd July 31) वह दो कोठरियों को लिया है, और प्रत्येक कोठरी का सभों से १) कर लिया जाता है। पर वह दो कोठरियों का १) रु० ही भाड़ा देना चाहता है। और यदि उस से १) कर लिया जावे तो सब भाड़ादार बिगड़ जावेंगे और उसके समान कम देना चाहेंगे —

सो मैं आप के चरण में यह निवेदन धरता हूं कि आप ही उस को समझाने और ठीक करने का प्रबन्ध करें। कि उस का बराबर का गड़बड़ मिट जावे — कारण वह एक न एक बहाना कर भाड़ा रोके रखता है — और दूसरे भी उसे की देखा देखी वैसा करते हैं।

सो मैं आशा करता हूं कि इस दीन की प्रार्थना पर ध्यान दे उचित बन्दोबस्त करेंगे —

आप का —
अकिंचन रघुदास
M Hurad

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR AND ASSAM.

----------oOo----------

5. KARUNA ACHARJI.

Secretary ne Chakradharpur ke Karuna Acharji ki bat bhi pesh kii ki wah bya bhicharini hone ke karan apne sadiwale purush se chhor diya gaya tha. Pichhe suna gaya ki uske biwahit purush ne bhi dùsri stri ko rakh liya. Idhar Karuna Acharji bhi jis purush ke sang men jiti thi wah mar gaya aur ab uska apne biwahit purush ke yahan lautna anhona hai. Wah akeli jiti hai aur ab mandali men papchhama leker punargrahan hona chahti hai. Sadi mangne ki bat yahnn nahin hai. So bichar karne pe yah sthir hua.

SANKALP: Ki Karuna Acharji jo sadi nahin mangti hai par papchhama lene ki lalsa rakhti hai to uske khrishtiyani atmik jiwan ki sangati se ham nahin alag rakh sakte hain isliye usko padri papchhama deke mandali men punargrahan kare.

Sd/- J. topone.
President.

Sd/- P. Hurad.
Secretary.

Memo No. 686/31.
F.-14.

Dated Ranchi, the 11th. November, 1931.

Extract copy from the Minutes of the Church Council of 16th. October, 1931 forwarded to the Rev. M. Hurad for information, guidance and compliance.

[signature]

Secretary,
G.E.L. Church.

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM.

---------oOo---------

5. NAYE KHRISHTIYANON KA DRIRHIKARAN.

Chakradharpur ke Padri ne Council se puchha ki sansarik se khrishtiyan hone par sirph baptisma dilake sadi dii jawe ki mandali ke prachalit niyamanusar unko drirhapan deke sadi dewen kyonki sadi pane ke pichhe drirhapan ke liye bari kathinaiyan hoti hain. Sabha men naye khrishtiyanon ka drirhapan ke karan sadi men roktok hona kahan tak uchit tatha anuchit hai is bishay par batchit hui aur yahi bichar uchit samjha gaya.

SANKALP : Ki Padri ko sirph paramarsh ki riti par yah bataya jay ki aise logon ke sambandh men padriyon ko apna adhikar hai ki jo upay bhala janch pare we waisahi karen aur kathinaiyon ke karan yadi ban parta hai to baptisma aur drirhapan donon ke liye ekhibar men shiksha dii jawe aur ekhi din men donon karyya kiye jawen. Padri sada aise baptisma leneharon ke bishay dhyan se janch karen ki aise log kaisi dasha men hoke baptisma chahte hain.

Memo No. 484./31.
F.-14.

Dated Ranchi, the 2nd. September, 1931.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 27th August, 1931 forwarded to the Rev. M. Hurad for information guidance and compliance.

Secretary,

G.E.L. Church.

OFFICE OF THE SECRETARY, LUTHERAN CHURCH COUNCIL, CHOTANAGPUR & ASSAM

----------oOo----------

3. PADRI MARTIN HURAD KI CHITTHI.

Ki padri Martin "urad ki chitthi jo Commission ke jane par likhi gai thi so parhi gai. Bichar hua ki Commission ka wahan jake tadaruk karna anawashyak hai.

Memo No. 279/31.
F. - 14.

Dated Ranchi, the 12th. August, 1931

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 14th. July, 1931 forwarded to the Rev. M. Hurad for information.

B Hurad

Secretary,
G. E. L. Church.

Church Council
Received 11.8.31
Register No. 251
Date 14.8.31.
File 14.
Reply No.........
Date.........

10/8/31

चक्रधरपुर ता० ४।८।३१।

महा मान्यवर चर्च कौंसिल को यीसु सहाय।

महाशय,

आज कल हमारे पेरिस में दो संसारी युवतियां हमारे लुथेरन खृस्तानों से ग्रहण किये गये हैं। इस लिये कि उनको वप्तिस्मा दिला के सादी करें। बहुत पाद्री भाई लोग इस बात में राजी होके वप्तिस्मा बाद सादी दे दिये हैं। जिन को दृढ़ापन देने में बड़ी कठिनाई हो रही है, अभी। फिर हमारे लुथेरन कलीसिया की भी आज्ञा है कि दृढ़ापन के बिना सादी ना दिया जावे। इस लिये इच्छा हुई कि चर्च कौंसिल को इस विषय में पूछें और परामर्श लेके काम करें। सो आप से जवाब पाने को आसरा में रहते हैं।

२। हम जो खेती बारी नहीं करते, और अन्य कोनो उद्यम कि पेशा भी नहीं करते हैं। और दो महीनों से चर्च कौंसिल द्वारा ठहराया हुआ तलब तनखा के पाने का ठिकाना भी नहीं होता है। हां १९३० साल का पावना जो बाकी है सो भी रोक दिया गया है। अर्जी करते हैं कि यथा शीघ्र दया दिये जाने का हुकुम फरमाया जावे और कष्ट निवारण किया जावे।

आगे शुभ
आप का विश्वस्त कर्मचारी
M.H. Murad.

File

महा मान्यवर गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान कलीसिया
के
चर्च कौंसिल
के निकट निवेदन।

Church Journal
Received 25/4/31
Register No. 972
Date 24.4.31
File 14.
Reply No.
Date

मान्यवर कौंसिल को यीशु सहाय –

चार्च कौंसिल के छापे हुए मिनिट से मुझे मालूम हुआ कि मेरे न जानते मेरी मंडली का एक रिपोर्ट आप को दिया गया। जिस के अनुसार मुझे कुछ न पूछ के आप ने फैसला किया कि मुझे अपने इलाके के काम से हटा के वास्ते २ एक दम छुट्टी दे देवे। अफशोष कि मुझे आज तक आफिसियली यह समाचार नहीं जनाया है। सो आप को इस फैसले पर मैं भी अपनी अर्जी पेश करता हूं, जिस पर आप कृपया ध्यान दिजिये मेरी अर्जी की मूल बातें ये हैं।–

(१) जब कोई बात मेरे इलाके में होती है और उस का रिपोर्ट दुसरों के द्वारा आप के पास होता है, तो उस पर आप का ध्यान सहानुभुति के भाव पर मेरी ओर होना उचित है। पर मैं बराबर यह अनुभव करता आ रहा हुं कि चर्च-कौंसिल अपने को अधिकारीजान बिन मुझ से पूछ पाछ को तदारुक किये ही फैसला करने को तय्यार हो जाती है। जैसा अभी हो चुका है।

(२) इस बार का फैसला कि मेरा चक्रधरपूर इलाका, चैबासा इलाके दो पाद्रियों के बीच में बांटा जावे। यह भी केवल एक पाद्री आई के रिपोर्ट पर हुआ है जिस ने मेरे कुंडों के मध्य मेरी अनुमति ले के सेवकाई के निमित्त गया था। उचित था कि वह रिपोर्ट मेरे द्वारा और नहीं तो कौंसिल को वह रिपोर्ट मुझ पास भेज के उस पर पूछ-पाछ करना अच्छा होता। पर यह नहीं हुआ। कौंसिल का हम बूढ़े पाद्रियों से इस प्रकार का व्यवहार करना कुछ बहुत अनुचित दिखाई पड़ता है; यह हमों का निरादर करना है।

(३) मेरे दीन हीन विचार में किसी पाद्री को एक दम इस प्रकार काम से छुड़ाना अथवा इलाका लूट लेना न्याय संगत विचार नहीं है।

(४) मैं ने सुना है कि पाद्री बाबू पौलुस मातको ने रिपोर्ट में लिखा है कि मनोहरपूर, दुइया और चिरिया में मंडलियों के ठहराने, प्रचारक रखने वालकों को बपतिस्मा देने की बात ढील दिई गई है इत्यादि। मालूम रहे कि मिशनरियों के समय ही से मनोहरपूर में मंडली का कोई पक्का प्रबन्ध करने की बात कभी नहीं हो सकी, जिस के कारण S.P.G को वहां आना और अपना स्टेशन बनाना सहज हुआ है। यहां सधारण रीति से काम चलाना कठिन है क्योंकि यहां S.P.G. के संग हमारी प्रतिद्वन्दिता है। इस कारण (१) मिशनरियों से (२) मान्यवर पाद्री पौलुस तिर्की से, इन स्थानों का पक्का बन्दोबस्त नहीं हो सका। और अब जो कौंसिल प्रचारकों के लिये तलब नहीं देती है, और मनोहरपूर ऐसे स्थान में १५) रु. से कम में कोई प्रचारक नहीं रह सकेगा। वहां गिरजा घरादि जो बनाने की आवश्यकता है पर अभी ३० बरसों से किसी ने भी कभी वहां हाता बनाने, प्रचारक रखने, घर बनाने का साहस और चेष्टा न कर सका। यदि वहां प्रचारक का घर, गिर्जा घर और हाता बनाया जावे तो स्थानीय खृष्टियान लोग निश्चय बहुत कुछ चन्दादि दे सकेंगे पर प्रचारक के लिये पूरा

तलब नहीं दे सकेंगे। और अभी तो डूइया चिड़िया खदान बन्द हुए हैं।

(ख) जैसी दशा वहां मनोहरपुर की है वैसेही डूइया चिड़िया की भी है और जब तक कौंसिल मदद में कुछ नहीं देगा ठीक नियमित काम चलाना और करना बहुत कठीन है। यहां उपरोक्त दो कार्य कारकों अर्थात मिशनरियों और पादरी P. Tirkey के समान सिर्फ विजिट करना और इधर उधर से आये हुए नौकरीहा लोगों की आत्मिक सेवा करना साधारण रूप से हो रहा है

(ग) आगे यह रिपोर्ट है कि मेरे इलाके में मनोहरपुर आदी स्थानों में कितने ही बड़े छोटे लड़के लड़कियां जिनका ३.४ बरस उमर है स्नान नहीं पाये हैं यह मैं विश्वास नहीं कर सकता हूं प्रमाण पाने वास्ते C.C. रिपोर्ट करने वाले को पूछे कि कितने जगह के कितने ३.४ बरस उमर वाले लड़के लड़कियों को उसने बप्तिस्मा दिया है? यह गलत बात है मैं जानता हूं मनोहरपुर में एक घराने को जो कचहरी शादी वालों का नातादार है जिसकी मां मुसलमान हो गई है और वह घराना मुसलमानों के बीच और उनकी संगति में रह के ना गिर्जा आता ना बालक को बप्तिस्मा वास्ते लाया यह एक ही बालक को पादरी पी० मानकी बप्ति=दिया, यहि ~~एक~~ दोष देने का एक बहाना था बहुत लंबा चौड़ा रिपोर्ट हुआ है। क्योंकि मैं खुद उन स्थानों में रांची महासभा के लिये जाने के पहिले गया था और बप्तिस्मा प्र०भोज आदि काम किया है।

(घ) फिर आगे मैं ने यह सुना है कि नकटी के आगे के सारुबेड़ा आदि के कुछ लोगों ने दर्खास्त दिया कि मैं उनके पास नहीं जाता हूं और उनकी सुधी नहीं लेता हूं जो हो मैं सारुबेड़ा नहीं जा सकता हूं क्योंकि नकटी के पूर्ब और मेरा इलाका है पश्चिम नहीं। यह इलाका का बांट चर्च कौंसिल के फैसला के अनुसार है देखिये कौंसिल मिनिट १९२७ पृष्ट ३ विषय ५(च) और अक्टोबर १९२७ मिनिट पृष्ट ६ विषय ७॥

५. रांची १९३० की महासभा में रांची ही में मैं बहुत बिमार हुआ और चक्रधरपुर आया जिसके कारण मुझे बिछौने पर बहुत दिनों तक लेटा रहना पड़ा निश्चय है कि मैं इस लंबी स्थायी बिमारी के कारण मैं मंडलियों को देखने नहीं जा सका पर उनके लिये चिन्ता कर एक संगी पादरी को उनकी सेवा वास्ते भेजा। C.C इस बात को जान करके भी मुझे एक दम छुट्टी दे देने का विचार किया है। महाशय, न केवल बूढे पादरी लोग पर जवान पादरी भी भारी बिमारी में पड़ते हैं और अकेला रहने से यों हि इलाके का काम ढीला पड़ जाता है। ऐसी अवस्था में कौंसिल ~~अ~~ यदि किसी सहायक पादरी को चाहे कंडिदात को मदद करने के लिये भेजे तो वह अधिक अच्छी और बुद्धिमानी और प्रशंसा की बात होती इसके बनिस्बत कि बिमारी पादरी को छुट्टी दे देवे। देखिये मिशनरियों के समय में स्टेशनों में बिलायती पादरी के साथ एक देशी पादरी एक कंडिदात एक प्रचारक रहा करते थे॰ जो ऐसी अवस्था में इलाके में उचित काम करते थे परन्तु आज C. C. कोई सहायक पादरी न रहने पर भी एक दम छुट्टी दे देने का बिचार

जो ~~सेवा~~ किया है क्या यह न्याय संगत बात है ?

६. यदि चर्च कौंसिल जो सचमुच अधिकारी है प्रभु के सन्मुख मंडली की अच्छी चरवाही के लिये जवाबदिही है तो उसे चरवाही काम करनेहारों के लिये रोग बिमारी में घटी बढ़ी में, अनुपस्थिती में उनके दुख सुख में भी जबाबदिही लेनी और प्रबन्ध करनी उचित है। इलाका में काम काज घर द्वार इत्यादि का और उचित वेतन का भी बन्दोवस्त करना चाहिये कि काम सुविस्ता से चले। यदि कोई बन्दोवस्त ठीक न रहे तो पादियों को जो कठिनता से काम चलाते हैं उनकी दुर्बलता और त्रुटि को भी कौंसिल को समझना और विचार करना चाहिये और उन से वैसाही व्यवहार करना उचित है।

७. अभी तक पादियों को पूरा अथवा उचित और ठीक भर तलब देने और उनको बुढ़ापे में संभालने का प्रबन्ध कौंसिल नहीं कर सका है यदि बुढ़ापे के कारण उचित पेनशन आदि देने का ठीक प्रबन्ध कौंसिल किया है और नियम बनाया गया है कि इतने दिनों तक काम करने पर इतना पेनशन दिया जाय तो हमों को बाध्य होकर समय पहुंचने पर काम छोड़ देना ही पड़ेगा। पर अभी तो ऐसा कोई प्रबन्ध नहीं हुआ है। कौंसिल के करवाई से ऐसा दिखता है कि वह मंडली के लिये तो चिन्ता करता है पर उसके चरवाहों के लिये नहीं। यदि लाचार वश मंडली की चरवाही में ढीलाई हुई है तो विचार होता है कि पादी एक दम छोड़ दिया जाए। पर यह स्मरण रखना अच्छा होगा कि जैसा मंडली की दावी पादियों की सेवा पाने के लिये उचित है वैसेही पादियों की दावी भी मंडलियों के ऊपर जीविका पाने के लिये है। सो यदि पादी के लिये जीविका का उचित बन्दोवस्त नहीं किया गया है तो उसको इलाके के मंडली काम से छुड़ाना न्याययुक्त नहीं है क्योंकि मंडली भी उसकी खेती और उसकी कटनी है। कौंसिल को दोनों ओर देखना चाहिये। मैं दीनहीन हो कौंसिल को बतलाने चाहता हूं कि १५.२० बरसों के पहिले जब मुझे अधिक कुछ बल था मैं ने प्रभु की दया से रात दिन घूमता हुआ मंडलीयों ~~की~~ की सेवा किई जैसा आप पुराने बूढ़े मिशनरियों से तो नहीं पूछ सकते हैं क्योंकि वे इस लोक से चल चुके हैं। फिर पीछे लड़ाई के समय में मैं अकेले से सम्पूर्ण सिंहभूम की मंडलियों की रक्षा, सहायता और सेवा के लिये रात दिन घूमता था जहां अभी तीन पादी काम कर रहे हैं। अपने घर में बिरले ही मैं रहता था ऐसा कि मेरी धर्मपत्नी के पीछले जीवन की भारी बिमारी के दिनों में भी मैं बराबर सफर करता था। सो न केवल अपना बल और बुद्धि पर उस समय अपना धन और मान भी मंडली के लिये लगाया। परन्तु अब जब मैं बूढ़ा होकर दुर्बल हुआ हूं तो कौंसिल केवल मेरे ही मंडली की चरवाही पर सिर्फ ध्यान देता है पर मेरी बूढ़ापा + बिमारी पर नहीं हां मेरी सब सेवा और परिश्रमों को पीठ पीछे फेंक देता और अप्रचिह्नित कलंक लगा के बरबस एक कलम की आज्ञा से मेरी सेवा का काम छीन लेकर निरादर की दशा में रखना ठाना है।

(ट) मैं समझता हूं कि मैं ने आप लोगों के पास बहुत कुछ ऊपर लिख चुका हूं इसलिये मेरा अन्त में सविनय निवेदन यह है कि

१. मेरे Ordination की मनौती और इच्छाअनुसार मेरे अन्तिम दिनों तक मुझे मंडली की सेवा करने दीजिये।

२. मेरी सहायता के लिये आप लोगों को उचित जंचे तो एक योग्य कंडिदात मेरी सहायता के लिये दीजिये जो गांव और दिहातों में जाके काम करे और आवश्यक होने पर मैं भी उनके संग आ सकूं।

३. मैं समझता हूं कि मैं अभी भी इस अवस्था में होकर मेरे वर्तमान इलाके में साक्रामेन्तों के देने के लिये रेल रेल में जाने आने सकता हूं क्योंकि मुझे केवल रेल रास्ते की मंडलियां सौंपी गई है। सो कौंसिल न्यायविचारपूर्वक अपनी ~~[illegible]~~ दिई ~~की~~ आज्ञा को रद्द कर देवे। मेरे विषय का रिपोर्ट C.C. जब से पाया तब से अब लों मुझे ना जना अपने में गुप्त रखा है।

४. कौंसिल मेरे और मेरे तुल्य बूढ़े पादरियों के आदर और चरवाही काम की रक्षा उचित रुप से करने की कृपा करे जिस्तें मंडली भी हमों को आदर देना जाने और सीखे।

५. मेरे दवा बिरो का भी प्रबन्ध कर दीजिये॥

चक्रधरपुर ...
ता० ~~[illegible]~~ १९३१
२४ अप्रैल

आप का अधम दास
M. H. Murad

File

29/5/31

Church Council
Received. 21.5.31
Register No. 49
Date 18.5.31
File 14.
Reply No. ..........
Date ..........

महा मान्यवर चर्च कौंसिल को सेवा यीशुसहाय-

मुझ को मालूम हुआ है कि मेरे दरख्वास्त पर जब कौंसिल ने यह ठहराया है, कि कौंसिल का प्रेसिडेन्ट और पाद्री चरनदास कड़ा दोनों यहां आके मेरे काम के सम्बन्ध में तहकीक करें कि मैं अपने हलाके में काम करता हूं कि नहीं। मुझ को यह सुन कर बहुत ही दुख हुआ कि कौंसिल किसी के काम पर कि वह सचमुच काम करता है कि नहीं, ऐसी बात की तहकीक करे। निश्चय ऐसा तहकीक हो सकता है, जब कि काम करने का भारी दोष और अपराध अथवा निष्क्रियता और ढिलाई से काम बिगाड़ देने का दोष लगाया जाता है। यदि कौंसिल में ऐसी नालिश मेरे विरुद्ध हुई हो (याने किया गया है) तो आप कौंसिल को यह उचित है कि तहकीक करे। पर जब मैं अपना काम के सम्बन्ध में अपने रिपोर्ट को आप लोगों को देता हूं और जहां कहीं भी असंतुष्टता की बात सुनाई दिई थी वहां के बारे भी मैं अपना विचार प्रगट किया है। आश्चर्य की बात है कि कौंसिल ऐसी बातों पर विश्वास और भरोसा न करके अपनी इच्छा से तहकीक करना चाहता है। मैं काम करते २ बूढ़ा हो गया पर न तो मिशनरियों के समय में न उस के पीछे कभी ऐसी बात हुई कि मेरे काम का तहकीक होवे। आफिसियली तहकीक होना एक बड़ी बुरी और निन्दनीय बात है, हां अपमानजनक भी है। यदि ऐसा तहकीक हो तो इस का फल क्या होगा? आजकाल सभी जगह में बहाना खोजने और दोष ढूंडने हारे बहुत हैं, तुरत, बहुत लोग नाना प्रकार की चुगली खबर और दोष देने के नालिश पेश करेंगे - यह बदनाम छोड़ कुछ भी नहीं है। इसलिये मैं दीनतापूर्वक कौंसिल के इस आफिसियल तहकीक का घोर विरोध करता हूं, कौंसिल का ऐसा करना मुझे अपनी मंडली के आगे कलंकित करना है। ऐसा करने से पादरियों का मंडली के आगे बेइज्जत तो है। सो मैं निवेदन करता हूं कि कौंसिल कृपा कर ऐसी तहकीक करने से थम जाय।

फिर भी मैं दीनतापूर्वक यह पेश करता हूं कि तो भी यदि कौंसिल न माने और अपना कमीशन भेजे, तो मैं उन्हें अपने यहां पाहुन स्वरूप ग्रहण तो करूंगा परन्तु उन के तहकीक में सहयोग न दूंगा, न उन के किसी प्रकार का जवाब, सवालों का दूंगा - सो मैं अपना हृदय खोल के आप के सामने अपनी अर्जी पेश करता हूं। आशा रखता हूं कि आप लोग इस मेरे विचार पर सहानुभूति की दृष्टि रख उचित फैसला कर इस विषय का अंत करेंगे -

आगे शुभ —

आप का दास

M. Howard

चक्रधरपुर
१२-५-३१

Church Council
Received 4.3.31.
Register No. 793.
Date 28.2.31.
File 14.
Reply No...........
Date...............

चकधरपुर
ता॰ २८, २ - ३१

Recd from President
4/3/31.

श्रीमान मान्यवर प्रेसिडेन्ट चर्च कौंसिल रांची।

महाशय,

चर्च कौंसिल के सेक्रेटरी के तारीख २० फरवरी १९३१ की चिट्ठी नम्बर $\frac{७४४/३१}{एफ १४}$ के प्रत्युत्तर में मैं शोक के साथ लिखता हूं कि मान्यवर पादरी मार्टिन हुरद की बेपरवाही व चर्च कौंसिल के ढिलाई ही के कारण मैं ने लाचार बस सिविल ब्याह के पथ का आश्रय लिया। मैं ने ब्याह के पूर्व और विवाह के पश्चात और चर्च कौंसिल की उपरोक्त चिट्ठी मिलने पर भी अपने दृढ़करण वगैरह के लिये मान्यवर पादरी बाबु मार्टिन हुरद से बहुत अर्जी बिन्ती की मगर सब व्यर्थ, उन की बातों से मालूम हुआ कि न तो वे सिखाने चाहते हैं और न आशीष ही देना चाहते हैं उलटे चर्च कौंसिल में रिपोर्ट करते हैं कि मैं ने दृढ़करण वगैरह के लिये कोई ध्यान नहीं दिया। यह उन की दुरंगी चाल है और यह बात उन को शोभा नहीं देती है। मैं उन से हैरान हो गया हूं सो जब इतने दिन के बाद चर्च कौंसिल की कृपादृष्टि मेरी ओर हुई है तो अब फिर भी चर्च कौंसिल से मेरी यही अर्जी है कि मेहरबानी कर अब भी वे मुझ गरीब के इस प्रार्थना पर ध्यान दें और मान्यवर पादरी मार्टिन हुरद की दुरंगी चालों के फेर में पड़ कर मुझे व्यर्थ उन के जिम्मा न सौंप कर अब शीघ्र कोई ऐसा प्रबन्ध करें कि जिस से मेरा दृढ़करण और शादी की आशिष मण्डली की प्रथा के अनुसार हो सके फिर चर्च कौंसिल देखेगी मैं उन की आज्ञा शिरोधार्य कर मस्तक नवा मण्डली की विधिविधानों का पालन करता हूं कि नहीं।

लौरेन्स लौरेन्स पाल
C/o आर. पी. घोष स्टाफ रीस
चक्रधर पुर

4.3.31.
793
28.2.31.
14

Memo No. 819/31.
F.- 14.

Dated Ranchi, the 5th. March, 1931.

True copy of letter No. nil dated the 28th. February,, 1931 from Babu Laurence Pal regarding his Civil marriage forwarded to the Rev. M. Hurad. for information and favour of opinion.

[signature]

Secretary,
Lutheran Church, Ranchi.

Church Council
Received 18.3.31.
Registered No. 854
Dated 18.3.31.
File 14
Reply No.............
Date.............

२३/३/३१

श्री श्री ६ श्री युत मान्यवर चर्च कौंसिल
लूथेरान मिशन
रांची

महाशय,

आप से सविनय प्रार्थना है कि मैं १९०१ से १९२८ तक मिशन कर्मचारी रहा और कई एक इलाकों में काम किया और इन ही बर्षों के बीच में कई बर्षों तक चक्रधरपुर के मंडली में रह कर कर्मचारी का काम किये बिना बेतन से प्रायः ३।४ बर्ष। बाद चैबासा में पेरिस खड़ा होने से श्री युत पादरी पौलुस तिर्की चैबासा मंडली मे भेज दिया गया और पेरिस उस समय आनन्दता से मंडली काम का भार उठा कर करती रही। और उस समय पेरिस के हर एक मंडली को किसी बात की दुख नहीं थी। बाद चैबासा पेरिस टूट जाने से पीछे चक्रधरपुर मंडली में काम करते रहे तब कुछ दिनों के बाद चर्च कौंसिल के जरिये मुझे हुकुम मिला कि छोटी मंडली होने से प्रचारक का दरकार नहीं है। सो मैं उसी समय से कर्मचारी पद से हटा दिये गये पर दूसरे तरफ काम करने के कारण आज तक मिशन घर में रहता हूं और पादरी और प्रचारक के मंडली में न रहने के समय मंडली का काम भी करता हूं जैसा मृतक गड़ना इत्यादि।

पर मैं इस से लाचार मे पड़ा हूं की मुझे घर भाड़ा देने की सकती नहीं है। क्यों कि मैं अकेला कमाने वाला हूं और सब मिल कर ८ प्राणी बैठ के खाने हारे हैं और यहां पर सब कुछ मंहगा है। अलावे मुझ को १६) रुपैया बेतन मिलता है जिसे खाना कपड़ा और लड़कों का किताब इत्यादि। और फीस भी देना पड़ता है और हमारे एक लड़की की सादी में करजा भी हो गये हैं। और आज तक करजा भी नहीं छुटे हैं। पर दिन पर दिन करजा में डुबते जा रहे हैं इस लिये मैं आप सभों से अर्जी करता हूं, कि मेरे गरिबी हलत पर बीचार कर मेरा घर भाड़ा माफी होने का हुकुम फरमायी जाये:—

ता: १९/३/३१ ईस्वी

आप लोगों का आज्ञाकारी
दास हेरमस भकड़ा माष्टर
यू. पी. स्कूल
चक्रधरपुर:

Church Council
Received 23. 2. 31.
Register No 259
Date
File 14
No.
Date

चक्रधरपुर पाद्री का तलब हिसाब जो
१९३० में उसको दिया गया C. C. से –

| महीना | नगद तलब जो दिया गया | Loan refund जो हुआ – | Deducted for Bethesda School | Misicellanious deducted | हिसाबी जमा तलब |
|---|---|---|---|---|---|
| जनवरी | 8-8-0 | 5-0-0 | 4-0-0 | 1928 Ka Gh. B. 1-4-0<br>1929 Ka " " 1-4-0 | 20-0-0 |
| No. 345+346 रांची ता० २१।१।३० | | 5-0-0 | 4-0-0 | — | 9-0-0 |
| फरवरी | 7-12-0 | 5-0-0 | 4-0-0 | 4 C. calendar 3-4-0 | 20-0-0 |
| मार्च | 0-0-0 | 0-0-0 | 0-0-0 | 0-0-0 | 0-0-0 |
| अप्रेल | 1-0-0 | 5-0-0 | 4-0-0 | | 10-0-0 |
| मई | 11-0-0 | 5-0-0 | 4-0-0 | | 20-0-0 |
| जून जुलाई | 22-0-0 | 10-0-0 | 8-0-0 | | 40-0-0 |
| अगस्त | 11-0-0 | 5-0-0 | 4-0-0 | | 20-0-0 |
| सेप्टेम्बर | 9-12-0 | 5-0-0 | 4-0-0 | Gh. Bandhu 1930 का } 1-4-0 | 20-0-0 |
| अक्टोबर | 11-0-0 | 5-0-0 | 4-0-0 | | 20-0-0 |
| नोवेम्बर | 11-0-0 | 5-0-0 | 4-0-0 | | 20-0-0 |
| दिसम्बर | 11-0-0 | 5-0-0 | 4-0-0 | | 20-0-0 |
| | 104-0-0 | ~~[illegible]~~ 60-0-0 | 48-0-0 | 7-0-0 | 219-0-0 |

60+48+7 रु० हमारा देन था - सो सब भरा गया है। और कुछ बाकी नहीं है।
इस लिये १९३१ के जनवरी से जो काट करना है सो भेज देवें –

सिपोस जिस्ते आनन्द से सीखे हमारे
तलब से उसका दरकारी देदो–

JMH.

C. K. Bose

मि० २१।२।३१.

धर्म-जीवन-उजाला-आनन्द और कल्याण-त्रिरत्न परमेश्वर से पियारे पुत्र grand son) घेओदार को छोटे भाई बहिनों साथ चित निरन्तर सर्वदा मिलता जावे - आमीन —.

हम यहाँ प्रभु की अपरम्पार दया से भले चंगे हैं - और प्रार्थना की दया से ग्रहण करने वाले के भरोसे तुम सब को भी भलाई और चंगाईपन की आसरा करते आमीन कहते हैं।

बाप के पो० कार्ड अनुसार उसके आने की बाट जोहना हमारे लिये वृथा हुआ सो अभी बिहार की Train में तेरा छुटका काका तस्दीक और पंचैट वास्ते गो०केरा रहसतवारी रवाना हुआ —

सो बाप का और छुटका का और सिपोरा का हाल चाल हम को दया से लिख भेजते तो हम आनंदित होते —

तुम्हारे मझिला काका और सच्चि० पास भेजे हैं पर जाते से चिठ्ठी पहोंचाते हैं बेड़ा हुरुस के जमीन हमारे नाम में तस्दीक हो गया है। पर गोलकेरा रहसतवार टोली का, जहाँ बेसी भाग जमीन है - सुखधाम रुन्डा अपने भागना मुखिया साथ लोभ से झूठ द्वारा सच्चाई का सामना करते हुए एक पाप से अन्य पाप में अपने को डुबाते और हमें हैरानी करते रहते हैं। हां हमारे Land-property लूटने और अपनाने को बहुत बलवान हैं। अभी हमारे खास Statement अनुसार तेरा मामा को जोर करने की बुद्धि होय तो जय जरूर मिलेगी - मैं तो वहां रह रह के अनेक असुविधाओं सब थक गया - और, और दौड़ धूप करने के वास्ते अपने को असमर्थ जान तेरे मामा और छुटका काका के भरोसे छोड़ा हूँ। सबब अरःहसा गो०केरा से ४।५ कोस दूर है। और बरसात में अन्दाज कर कि वहां रहना बहुत मुश्किल है, आज कल रोज बर्षा होती है।

बाप पर आसरा मेरा था कि अंग्रेजी में मेरे स्टेटमेन्ट को समझा देता, खैर प्रभु की इच्छा पूरी होवे —

इधर खजान्ची साहेब रुपैया पैसा बारे धक्का मार रहा है। तुम्हारे छुटका काका के बड़ी बिमारी बाद डाक्टर जब ४०) रु० मांग रहा था, हम ने C.C. से ६०) रु० loan लिया था १९२९ के नोवेम्बर में उसी को १९३० के जनवरी से दिसम्बर (१२ महीनों) में काट के खतम किया और तौभी और ३०) रु० काटेंगे लिखा है। क्योंकि १९२९ में ३०) रु० तलब लिये हो, बोलता है। मानो समझता है कि तलब पाना तुम्हारा हक नहीं था। इस वास्ते यह account बाप को भेजते हैं कि देखे, हम १९३० में जो कुछ तलब पाया और हिसाबी तलब कितना पाया और loan आदि सब कुछ काट कूट कर खतम हुआ है कि नहीं। प्रेहर साहिब को भी ऐसा हिसाब भेजा है। १९२९ में हम को तलब पाने का हक था इसलिये तलब भेजा गया सो हम लिया है। और ६०) रु० हम loan नहीं लिया है। सो ६०) रु० जब refund हो चुका है - तब और का काटे और १९३१ [illegible]वरी में जो काटा है ५) रु० सो भेज देवे —

विशेष कर बाप मां और सब को हालखबर कृपा कर
जल्दी लिख भेज के वाकिफ कीजियो—
अन्त में हमारा तेरे काकी का यीशु सहाय दुआ तुझे, बाप मां,
और टुनु बाबु - अग्नेस - एलिस - सिओरा और तेरीम को—

तेरा पियारा भाजा—

J.M.Hiwrad

N.B. — गोपाल जोरेन्स और हेमांगिनी कचहरी सादी लेने द्वारा मंडली को तुच्छ और निन्दा कर आप छोड़े थे इस लिये प्रथम मंडली से क्षमा मांगे—तब मंडली की विधी अर्थात दृढ़ापन जिसका कुछ परवाह नहीं किये थे—उस की शिक्षा लेने और दृढ़ापन पाने का यत्न करें। गोपाल को C.E. संसार गिनता है। बप्तिस्मा प्राप्त जन को संसार बोलना हमारे विचार में अच्छा नहीं है। वे जान बूझ के यही काम किया है और दोनों तरफ के लोग जो इस काम के चलाने वाले वे [illegible] अपने को समझते हैं कि ऐसा काम [illegible] से हुआ— धर्म वा धर्म विधी से खेलने वालों को औरों के साहस निमित्त रख छोड़ना क्या जाने कैसी बात है।

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM.

CHURCH COUNCIL KE KARJKARAK SABHA KI BAITHKI KA MANTABYA.

Ta: 28 Janaury, 1931.

---------o0o---------

2. CHAKRADHARPUR KI CIVIL SADI.

Chakradharpur ke padri ne Council ko likha ki jo Dand-Byawastha abhi chhapa gaya hai usmen Registry athwa civil-biwah karnewalon ko chhoti saja men rakhne ki agya hai parantu Laurance aur Hemangini ki sadi ke bishay men Council ki ray thi ki we samjhaye jawen aur tb tab unko drirhapan pake ashish diya jay. Parantu is jore ne abhi itne mahine huwe iska kuchh dhyan nahin diya -

SANKALP : Ki Laurance aur Hemangini ko janaya jay ki yadi we mandali ki Byawastha aur niyamanusar drirhapan lene aur sadi ki ashish lene ki chinta na karen to Dand-Byawastha anusar chhoti saja men rakhe jayenge.

Sd. J. Topono.
President.

Sd. P. Hurad.
Secretary.

No. 774/31.
F. - 14.

Dated Ranchi, the 20th. February, 1931.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive's Meeting of 28-1-31, regarding the Civil marriage of ~~Mr.~~ Bm. Laurance and Hemangini of Chakradharpur forwarded to the Rev. M. Hurad for information, compliance and communication to the persons concerned.

P. Hurad

Secretary,

Lutheran Church, Ranchi.

Church Council
Received 21.1.31.
Register No 645.
Date 16.1.31.
File 14.
Reply No............
Date............

File

No 3/31 F. 81

चक्रधरपुर
ता: १६-१-३१.

महामान्यवर चर्च कौंसिल रांची
को मेरा यीशु सहाय -

माननीय

लारेंस पाल और हेमंगिनी के कचहरी सादी के सम्बन्ध में आप के ता: २१ जुलाई १९३० के १२वें प्रस्ताव में जो संकल्प किया गया है उस में आपने मन्तव पर केवल सलाह की बात को स्वीकार किया है। पर ऐसों से मंडली में क्या व्यवहार होना चाहिये सो नहीं बताया है। १९२८ की महासभा में ऐसों के लिये दंड की व्यवस्था किई थी, फिर नये छपे दंड व्यवस्था में भी ऐसों के लिये छोटी सजा की व्यवस्था है।

सो अब आप से यही अर्जी है कि आप कृपा कर मुझे यह जनवाइये कि मैं लौरेन्स और हेमंगिनी और कचहरी सादी में जिन्हों ने उनकी सहायता किई उन के लिये उपरोक्त व्यवस्था का प्रयोग करें कि नहीं?

आशा है कि आप मेरे प्रार्थना पर अवश्य हो ध्यान देवेंगे -

आप का सेवक

M Hurad

31.12.30.

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSA

CHURCH COUNCIL KE KARJKARAK SABHA KI BAITHKI KA MANTABYA.

Ta: 19 November, 1930.

----------oOo-----------

14. CHAKRADHARPUR GHAR BHARA PAR PDRI KI RAY.

Council ke is hukm par ki kirayadaron ka paisa abhi jama kiya jawe aur tab usi se ghar marammat howe, Chakradharpur ke Padri ne apni ray likh bhji aur bataya ki kis prakar se ek arambh se gharon ki amdani mandli ki amdani men milai gai aur yon mandli ka kam kathin samayon men bhi chalaya gaya aur mandli ne bhi marammat kam men uchit kharch kiya hai. So yah pratha ki ghar kiraya sirph gharon ke maramat kam men kharch howe so utha diya jay. Is par yah bichar hua -

Ki ghar kiraya abhi bartman men gharon ke marammat ke liye jaisa Council se bichar hua hai kharch kiya jay jaubhi yah niyam sada ke liye nahin hai.

Sd. J. Topono President. Sd. P. Hurad Secretary.

Memo No. 585/30.
F.- 14.

Dated Ranchi, the 27th November, 1930.

Copy ~~fa~~ of the Church Council Executive's Resolution of 19th November, 1930 regarding tenants of Chakradharpur Compound's lines forwarded to the Rev. M. Hurad for information.

Secretary,

Lutheran Church, Ranchi

OFFICE OF ~~XX~~ THE SECRETARY G.E.L. CHURCH CHOTA NAGPUR & ASSAM.

CHURCH COUNCIL KI BAITHKI KA KARJBIBRAN.

Ta: 8 October, 1930.

---------oOo---------

3. CHAKRADHARPUR STATION KE BHAREDAR.

Chakradharpur Station ke bharedaron men se kin kin se bhara baki hai uska phihrisht Council men pesh hua. Phir bharedaron ka pratham darkhast, uspar Padri ka jabab the sab kagjat parne gaye aur un par bichar hua aur yon phaisla hua -

SANKALP : Ki bharedaron ko likha jawe ki we apna baki bhara padri ko dewen aur jo paisa abhi bhara se awega us se Church Council admi bhej ke line ko marammat kar degi.

Sd. J. Topono.
President.

Sd. P. Hurad.
Secretary.

Memo No. 537/30.
F.-14.

Dated Ranchi, the 14th November, 1930.

Extract copy from the minutes of the Church Council Resolution of the 8th October, 1930 regarding Chakradharpur Mission Compound lines and its tenants forwarded to Mr. Hermas Lakra and others for information and immediate compliance.

P. Hurad

Secretary,

Lutheran Church, Ranchi.

Church Council
Received 19.7.30
Register No. 304
Date 16.7.30
File 14
Reply No.........
Date.........

Chakardharpur
Dated the 16th July 30

To

The Church Council
Lutheran church Ranchi,

Dear Sirs

with Loitering and trembling we the under signed christian subordenates approach before your favourable consideration and beg bring to your kind notice that the mission houses of chakardharpur are laying without repairs by which we the abodants get much trouble from the Leaking water. And we frequently beged the paster ~~And~~ supervisor to repair tham but without success we beg your liberty to request that we may be allowed not to handover hire of houses to him. And we will repairs tham with our own expenditures.

Regratting that step should be all necessary.

~~(we)~~ Yours faithfully

Christian
Benjamin Kandulna
Yohar Bengraj

[illegible]
J. Minz
H. Lakra
Prabhusahay Tirki
Mansidh Tirkey
[illegible]

चक्रधरपुर-२५.७.३०

मान्यवर चर्च कौंसिल
लुथेरान चर्च
रांची समीपेषु

Church Council
Received...18.7.30
Register No. 232
Date....25.7.30
File....29
Reply No....
Date....

महामान्यवर!

आप से भेजा हुआ चक्रधरपुर भाड़ेदारों का दर=खास्त साथ साथ उस का जवाब जो आप ने उन को दिया है - पाया - जिस के उत्तर में मैं भी निम्नलिखित बातें आप के चरण कमल में अर्पित करता हूं -

I आज कम से कम २० बरस होता है कि चक्रधरपुर के वे घर जिस में भाड़ेदार रहते हैं मरम्मत नहीं किया गया है: केवल जब कहीं पानी चूता है तो वह खप्पा मारा जाता है। अभी यदि वे दो घर (जिस में भाड़ेदार रहते हैं) फिर से मरम्मत किये जावें तो करीब २००) रु. से कम न लगेंगे - बीते बरस उन दोनों घर भी मरम्मत किये गए थे याने खप्पा मारा गया था - इस साल नहीं किया गया है कारण मुझे किसी ने भी इस विषय पर नहीं जनाया।

II मूल दरखास्त कारी बेन्यामीन कन्दुलना और योहन मेंगरा ये दोनों अभी करीब २ महिना हुआ आये हैं और वे इस बात को ठीक से नहीं बूझते हैं पर मूल दरखास्त=कारी आप ने जो लिखा कि उन को आगे सही करायें। और उन को बोलवाये हैं कि बीते महिना जब मैं उन से भाड़ा मांगने गया तब बेन्यामीन कन्दुलना ने मुझे कहा कि मेरा घर मरम्मत करवाइये तब भाड़ा देंगे - मैं देखा तो केवल कोना में १ जगह चूता है - उन दो जन एक ही कमरे में रहते हैं।

III पूछने पर मालूम हुआ कि निर्मल लकड़ा, सामुएल सोय और दानिएल केरकेटा इस विषय से अनजान हैं। और मुझे उन का नाम भी एक ही आदमी का लिखित जान पड़ता है

IV पुनुस हायपुर्ती और मनसिद्ध सिदु ये तो सीधे सादे नये भाड़ेदार हैं - मुझे बूझ पड़ता है कि शायद इन को फुसला के सही किया गया है।

V याकूब मिंज - वर्तमान में कचहरी में जो शादी हुई है उसी के सम्बन्ध में मुझ से नाराज है कारण कि वह वर (बारेन्स पाल) का अभिभावक खड़ा हुआ है।

VI M. Lakra याने रमसल लकड़ा - इस को C.C. कमि=शन ने १९२८ साल के अगस्त महिने में ~~[illegible]~~ प्रचारक काम से छुड़ा दिया जिस सबब वह मुझ से दुश्मनी मन ही मन रखता है, उस से जहां तक हो सका मेरी बुराई-किई; मुझ से लड़ाई झगड़ा किया मेरे बेटे का हाथ भी तोड़ा और उसी समय चक्रधरपुर के सब खृष्टियानों को उभाड़ के मुझे मारने पीटने आया

मामला मुकद्दमा कर मुझे बे-इज्जत करना चाहा है। और इस समय भी यह दांव लगाया है। उसने उस समय से आज २ बरस हो रही है केवल ६) भाड़ा दिया है और जब उससे भाड़ा मांगा जाता है तब मेरे पास पैसा नहीं है पीछे देंगे यही कहता है कि भी उसके पास २ बरस का ५२) देना है जिसमें वह केवल ६) दिया है।

VII ~~[struck out]~~ J.P. Tirkey भी याकूब के साथ का है और भाड़ा देने में बड़ा आनाकानी करता है बीते बरस का भाड़ा भी उसने १२) नहीं दिया - इस कारण कि घर मरम्मत नहीं किया गया - जो भी वह घर रखा मारा गया और पानी चूना बंद हुआ - और मांगने से नहीं देता है और साम को पी कर बुरी २ गालियां देता है -।

निःसन्देह ये जब ही मुझे भी चाकिरवाने और अपदस्थ करने की इच्छा से दरखास्त दिये हैं ऐसा पडता है।

उनके दरखास्त अनुसार केवल बिन्यामीन कर-न्दुलना को छोड किसी ने भी मुझे इस साल पानी चूने की बात नहीं जनाया है।

आप - का आज्ञाकारी

M. Hurad

OFFICE OF THE SECRETARY, G.E.L. CHURCH COUNCIL, CHOTANAGPUR & ASSAM

CHURCH COUNCIL KE KARJKARAK SABHA

KA KARJBIBRAN .

----------oOo---------

CHAKRADHARPUR KE BHARADAR.

Chakradharpur line ke kitne bharadaron ne wahan ke gharon ke chune ke bare Padri par ek darkhast diya tha. Yah darkhast aur uske upar Padri ka kaifiyat lii gai thi so parhi gai. Bishay par bichar karne se yahi faisla hua .

SANKALP :- Ki Chakradharpur ke Padri babu se ek Statement manga jay ki kaun kaun bharadar hain we mahina kitna dete hain aur kin logon se kitna ab tak baki hai. Jo bharadar bahut dinon tak dene men talbetal karte hain unko ghar chhorne ka notice diya jay.

Sd. P. Hurad.

Secretary.

Memo No. 329/30.
F.- 14.

Dated Ranchi, the 12th August, 1930.

Extract Copy of the Church Council Executive's Resolution forwarded to the Rev. M. Hurad for information and compliance.

Secretary,

G.E.L. Church, Ranchi.

OFFICE OF THE SECRETARY, G.E.L. CHURCH COUNCIL, CHOTANAGPUR & ASSAM

CHURCH COUNCIL KE KARJKARAK SABHA

KA KARJBIBRAN

TA: 31 JULY, 1930.

---------oOo----------

12. CIVIL MARRIAGE (REGISTERY SADI)

President ke Singhani wale report men Chakradharpur ke (Gopal) Lowrance ke drirhapan bishayak bat bhi likhi thi so parhi gai. Phir Chaibassa ke Padri ka Post Card, babu Timon Nag ki chitthi ka nakal jo President ko likha gaya tha aur uspar Chaibassa ke Padri ka uttar jo usne likh bheja tha - ye sab kagjat parhe gaye Donon or ki baton ko sun bujh ke bichar karne par paya gaya ki sadi lenewala jora mandli ke ashirbaddayak sadi ko tuchchh karne ke karan doshi hai aur waisehi jinhonne unko Registery sadi lene men sahayta ki we bhi is kam men doshi hain. Uchit tha ki mandli ke thahraye huwe niyamon ko palan kar Lowrance uchit shiksha lekar drirhapan leta aur tab mandli sadi bhi leta. Isliye yah sthir hua -

SANKALP : (k) Ki mandli ke thahraye huwe niyamanusar ab bhi Lowrance shikshagrahanakar drirhapan lewe aur tab biwah ko mandli ki shiksha anusar Ishwariye sthapana swikar karne ke liye uchit hai ki Lowrance aur Hemangini donon girje men akar Padri se baiwahik ashirbad grahan karen.

Sd. J. Topono.
Presidnet.

Sd. P. Hurad.
Secretary.

Memo No. 292A/30. 292.
F.- 14.
Dated Ranchi, the 1st August, 1930.

Extract Copy of the Church Council Executive's Resolution forwarded to the Revds. P. Tirkey / M. Hurad for information and guidance.

[signature]
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

महा मान्यवर जी० ई० एल० कलीसिया के सेक्रेटरी साहेब
और चर्च कौंसिल को बहुत बहुत यीशुसहाय—

हम आप का धन्य मानते हैं कि आप ने चक्रधरपुर लुथेरन हाता के खृष्टियानों का दरखास्त जो हमारे विषय आप पास भेजा गया, नियम के अनुसार चक्रधरपुर के पादरी को भेजे हैं।
उन के भेजे दरखास्त के सम्बन्ध में मैं भी कुछ जनाता हूँ।

जब से मैं हेर्मस लकड़ा को चक्र०पुर का प्रचारक ठहरा के पुरुलिया आदि स्थानों में बदली गया १८९३ के नोवेम्बर से १८९८ तक प्रायः ५ बरसों तक घर भाड़ा अदा किया, इतने बरसों में चक्र०पुर लुथेरन हाता के घरों का मरम्मति और रिपोर्ट कितनी बार हुआ, दरखास्त करने हारे पूछे जांय, मैं समझता हूं मरम्मति और रिपोर्ट एक बार भी नहीं हुआ- इस में कुछ भेद है। रिपोर्ट करने हारों के चलाने वाले उस समय के लोग हों इस लिये यह बात लिखा गया- और और बरसों का हिसाब तो नहीं है, पर १८९७ के हिसाब अनुसार चैबस्सा पेरिश को १३) और चक्र०पुर पेरिश को २५) जमा ३८६=) दिया गया था और हाथ में ३८।-) रहा जिसका कुछ पता नहीं है।

जब से कौंसिल कमिशन हेर्मस को प्रचारक पद से छुड़ाया तब से घर भाड़ा आदाय का भार हम ने अपने ऊपर लिया, कदाचित १८९८ के सेपटेम्बर कि अकटोबर से लेके, और उसका हिसाब जोन साहेब को साल साल दिया जाता है। हम ने १८९९ में हमारे घर के पास वाले घर का मरामत किया और १९०० में हेर्मस के पास के कोठरियों का मरमत किया- जब कुछ मरम्मत हुआ तब बेनजमीन कन्डुलना और योहन मिंज्ञा रेल के क्वार्टर छोड़ यहां आ डेरा किये, पानी का चूना तो होता ही है। पादरी का घर भी चूता है। और गिर्जा घर भी, पादरी के बेटों ने खपर चढ़ कर मारा है और मारते हैं। सबब वर्षा पानी के निरन्तर बरसने से कोई २ खपरा टूट जाता है, कोई कोई खपरा गल कर छेद होता या फट जाता है। पर जैसा हमारे बेटे करते हैं, वैसा वे भी कर सके हैं। यह तो बहुत भारी बात नहीं है। और ये दो जन जो भाड़ा दिये हैं उस से नियम मोताबिक कुली आदि

का खर्च करके मरम्मत करना हो ही नहीं सकता है।

और हेर्मस तो घर का भाड़ा कभी नहीं दिया है, जोभी नोटीस पर नोटीस चिट्ठी पर चिट्ठी दिया गया, सिर्फ उसकी बेटी मरियम आगे तलब से मार्च १९३० में दी दिई और फिर किराया देने का नाम नहीं; गरीब दुःखी किसी न किसी उपाय से घर किराया देते हैं पर हेर्मस सदा बोलता और लिखता है हमारे पास पैसा ही नहीं है। इस रीति से क्या घर मरम्मत हो सकती है। कभी नहीं।

डानियल केर्केटा इसी दरखास्त के विषय जानता ही नहीं और दरखास्त पर सही भी नहीं किया है, और दरखास्त कागज को देखा भी नहीं है।

सामुएल सोरेंग की भी वैसी ही बात है। सोरेंग बोलता है योहन मेंग्रा जो हेर्मस के नजदीक रहता है, एक रोज केवल पूछा तुम्हारा क्या नाम है और अभी मालूम है कि हमारा नाम दरखास्त पर लिखा है। हम दरखास्त की बात नहीं जानते हैं। इस रीति से इन के विषय बोलना उचित मालूम पड़ता है कि दरखास्त देने वालों को चलाने वाले इन का नाम भी लिखा है जिस्तें दरखास्त देने वालों की संख्या अधिक देख पड़े —

जसमन तिर्की का घर भाड़ा १९२८ के मई से १९३० के जून तक, खाना पकाने की कोठरी साथ महीना १॥) करके, २६ महीनों का घर भाड़ा ३९) रु० में से दिया है २६) रु०, बाकी है १३) रु० — बोलने से दारू पी के बड़ा खराब २ गाली देता है — इस रीति से तो काम नहीं चलता है — ता० २० जुलाई के इतवार में हम ने फिर C.C. के मिनिट को जो १९२९ के ३-११ अप्रैल का है जिस में चक्रधरपुर के मतवाले पन के विषय का फैसला है, पढ़ के सुना दिया है।

याकुब मिंज तात्कालिक वर्तमान में कचहरी साक्षी करने वालों का संगी साथी देखा गया जिस सबब उसको कुछ बात बोला, इस लिये दरखास्त देने में भी साथ दिया है। और और भी बात है। उसकी कोठरियां भी बीते बरस मरम्मत हुआ था —

मनसिद्ध और प्रभुसहाय तो सीधे सादे मुन्डारी हैं पर पियक्कड़ों और झगड़ालु लोगों के बीच रहने से फुसला गये हैं। उनकी कोई विशेष बात नहीं है।

निर्मल लकड़ा भी कभी एक पैसा घर भाड़ा नहीं दिया है। उसकी बहिन अभी देने का आरंभ किई है।

और दो विधवाएं हैं जिन से घर का भाड़ा नहीं लिया जाता है।

[illegible] છે।

[illegible] છે।

[illegible] છે।

[illegible] છે।

[illegible] છે।

[illegible]

Church Council
Received 4.10.30.
Register No. 395
Date 29. 9. 30
File 14
Reply No.
Date

24/10/30

File

२८-९-३०. रुकिस्तपारो

महामान्यवर-चार्च-कौन्सील-रांची
मारफत-म॰ पाद्री-महिम-दूत-चक्रधरपुर

गोविन्दखेरा-ओ-रुकिस्तपारो-मण्डली-पांच-की-रिपोर्ट-है-कि
Rev. Suleman Tuti S.P.G. Mission-पुराना-डाँडगुट्टू-ने जो कि-गोविन्दखेरा-का-हाल रंग-के-पौसाहित-वटि-में-ओफिसिएटिंग-पोरहरी करते-थे, हमारे-साथ-बहुत-खराब-व्यवहार-कर-गये।
बात-ऐसी है कि-उसने-हमारे-गोविन्दखेरा-मण्डली-के मांझी-मसीहचरण-चरद-की-लड़की-सलोमी-चरद-का जिसका-सादी इसी हाल-में-होने-का-बन्दोबस्त-किया-गया-था-निकाल-के-बरबाद-किया-और-दो-तीन-दिन-के-बाद-उसको-चुपचाप-छोड़के-अपने-वटि-को चला गया। और-बुलाने-पर पंचायत-में-हाजिर-भी-नहीं-आता-था-जिस-कारण-कारण-हो-हमों ने-उनके डिस्ट्रिक्ट-ओफिसर से लिखा-पढ़ी-करके-उसको मंगाया-जिससे कि-हमारी लिखा-और भी-वह गया ~~[illegible]~~ पंचायत-ता॰ १९-५-३०-को-हुआ-उसमें-उपस्थित-गोविन्दखेरा-ओ-रुकिस्तपारो-मण्डली पंच-ओ-मंगल-दास-चक्रधरपुर ओ-~~S.P.G. Mission~~ S.P.G. Mission, के-प्रचारक-हासन-कण्डुलना-मोकाम-डेरोवां अपने तरफ-के दूसरे-वाले-नाईयों-ओ कार्य-सब-रांची तरफ के नानीयों के-साथ-हाजिर-थे, और-कितने-संसारिक-जाति-लोग-भी जिनको हमारे धर्म-में-ऐसे, सच्ची बातों के-प्रबन्ध-देखने की लालसा थी-हाजिर-आये थे।

सुलेमान-टूटी-दोष-प्रमाणित-होने से-मान-लिया-कि-मैं-दोषी-हूं तब-लड़की-का-पिता-पंच-में-उजूर-किया-X था-कि-लड़की उसी को दिया-किया जावे-मैं-लड़की-को-अपने घर-में-नहीं रखूंगा-कारण-कि-सुलेमान-टूटी-दगाबाज-मालुम-पड़ता-है-का जाने पीछे से नहीं-सादी-करने-वास्ते-कोई-लन्दफन्द-की-बात-निकालेगा-और-फिर वह-दूर-का-आदमी-है-शायद-भाग-जाने भी-सकता-है ऐसा-होने-से तो-लड़की-की-दशा-बहुत-बुरी-होगी, कारण-गरीब-आदमी-हूं--उसको-खोजने-फिरने-नहीं-सकूंगा। पर-पंच, उनके प्रचारक-हासन-कण्डुलना-से-अनुमति-करके-कि-जून-महीना-के-बाद-हम-लोग-सादी-का-सब-काम-खतम-करेंगे।
तब-पंच-ने-मसीहचरण-को राय-में-लिख-कर-दिया-कि जून-महीना-के-बाद--हम-लोगों-के-ख्रीस्तानी धर्म नियम-मोताबिक-उनका सादी-होगा। जिसमें-पंच-का-सही, मय-ख्रीस्तान-संसारिक-सभों का-दुस्खत और-खुद-सुलेमान-टूटी भी लिख-में-सही किया-है-कि-मैं-उसको-सादी-करूंगा। पर-पीछे से-उसने-अपने तरफ के प्रचारक-हसन-कण्डुलना-को-इसके-बारे-में-अपने-पादरी-को रिपोर्ट देने-X से-मना-कर दिया।
ठहराव-समय-पहुंचने पर-हमें-यह-बात-खूब-हासन-प्रचारक-के द्वारा-सुना-कि-वह-रिपोर्ट-देने से-रोका-गया-
तब-हम-उनके पादरी-साहेब-म॰ जी॰ डिकसन-मनोहरपुर-से लिखापढ़ी करके-उसको-मण्डली सजा-दिलवाये। इतने-में-तो-उसका-ओफिसियटिंग-पूरा-होगया-और-वह हमों से-सादी के-बारे में कुछ-भी-नहीं कह-कर यहां से चला-गया। सुना जाता-है कि वर्तमान-वह सन्त पौल-H. E. स्कूल-के होस्टेल-में-रहता-है।
अब-ठहराया-हुआ-समय-भी गुजर-जाने-पर मांझी-मसीहचरण-चरद-पंच-के-ऊपर दावा-करता-है कि-पंच-ही-उसको खोज-के-लावे-और लड़की को सादी करावे।

P.T.O.

इसमें पंच को भी कुछ रहना अनुचित सा मालूम पड़ता है
कारण इस बात को ऐसा ही छोड़ देने से आदमियों को हमारा
बहुत नुकसान है। और म. पांडे बाबु P. D. Purti महाशय
ने हमें लिख बताये हैं कि सुलेमान हुरो का मामला बहुत
हो गया है और सफाई के बारे में सिर्फ कि सवाल है कि
यदि सुलेमान हुरो सफाई न करे तो चाहिये कि लड़की
तरफ के लोग उसके ऊपर कारवाई करें। पर अब पंच
भी उसको खोजने में तय्यार है और यह भी उचित है
कि अब पंच अपने तरफ के ऊपर वालों से भी कुछ अनुमती
लेवे इस कारण अब चर्च कौन्सील में पंच को भी आशा
रही है कि अनुग्रह करके जैसा उचित हो, कौन्सील
इसके बारे कारवाई करे, और अपने उदार हृदय से
इसके बारे पंच को कृपा करके बतावे॥

आपके हुजूर मालिक —

आज्ञाकार नम्र होके पुकारक —
रखवारो —

N. A. Barla Prachin

अमरो हामजुदा गोइल
केदा

दाऊद हासदा गोईलकेरा
सुचित कुमार होरो, गोइलकेरा
एस. पी. जी. मिशन

मैं भी पंचों साथ मिल करके
C. C. को निवेदन करता हूं
कि डाड़ीगुटु S. P. G. मिशन
के सुलेमान हुरी को जो
मंडली बाहर होके रांची
रांची H. E. स्कूल में है
कारवाई करे —

J. H. Hurad
3 October 30

Church Council
Received..30.9..30.
Register No. 387
Date...25.9.30.
File..14..
Reply No......
Date.........

महा मान्यवर चर्च कौंसिल को योशु सहाय ।

महाशय, चक्रधरपुर लूथेरन कलीसिया के, हाता भीतर के, लाइन और घर के भाड़ेदारों ने चर्च कौंसिल में घर मरामति और भाड़ा विषयक जो दर्खास्त भेजा था, वह दर्खास्त और पादरी से मांगे हुए कैफियत पर C.C. ने फैस्ला कर स्थायी पादरी से ~~[illegible]~~ जो statement मांगा है सो इस काम का है

(१) कौन कौन भाड़ेदार हैं ?

(२) वे महीना कितना देते हैं ?

(३) किन लोगों से कितना अब तक बाकी है ?

(४) जो भाड़ादार बहुत दिनों तक, देने में टाल बटाल करते हैं उन को घर छोड़ने का नोटीस दिया जाए ।

I कौन कौन भाड़ेदार हैं ।

(१) हेमेस लकड़ा, (२) जस्मन तिर्की (३) याकुब मिंज (४) एडवर्ड मर्डी (५) सामुएल सोस (६) सालोमी तिर्की (७) मनसिध तोड़ु (८) प्रभुसहाय पुर्ती (९) योहन्न मेंग्रा और दर्खास्त देने हारा विन्धमीन कन्डुलना –

II लड़ाई के समस्त बरसों में १९२३ के अन्त तक, सिंहभुम के उन सब लूथेरनों का जो अभी ३ पादरियों से ~~[illegible]~~ देखभाल होता है, जब अकेला से करता था, और बिशप साहिब से भी कभी मदत नहीं लिया, तब चक्रधरपुर लूथेरन हाता के भाइयों को समझाया कि १।१ कोठरी वास्ते १।१ रु० भाड़ा देवें, भाइयों ने भी खुशी से देने को मंजूर कर १।१ रु० भाड़ा दिया । अभी हजारीबाग सिंघानी से यहां फिर आने पर, मैं भाइयों को, इकट्ठे बुला फिर समझाने से १।१ कोठरी वास्ते १।१ रु० भाड़ा देवे हैं । सिर्फ जस्मन और याकुब के मर्जी पर चार छोटी बड़ी कोठरियों वास्ते १॥) १॥) रु० भाड़ा लेते हैं दो विधवा हैं जो दो कोठरी का भाड़ा नहीं देती हैं ।

III किन लोगों से अभी कितना बाकी है ।

(१) हेमेस लकड़ा जो, दो कोठरियों में रहता है १९२८, २९ और ३० तीन बरसों का बाकी है
(२) जस्मन तिर्की के पास - - - - - - - - - - - ११॥) बाकी है
(३) एडवर्ड मर्डी के पास - - - - - - - - १३) ,, ,,
(४) सालोमी तिर्की के पास - - - - - - - - ४) ,, ,,
(५) मनसिध तोड़ु जो १९२९ के दिसम्बर से भाड़ादार है – २) ,, ,,
(६) प्रभु सहाय पुर्ती जो बीते अप्रैल से भाड़ादार है – ३) ,, ,,
(७) योहन्न मेंगरा और बिन्धमीन कन्डुलना ये दोनों बीते महीना से एक कोठरी के भाड़ेदार हैं उन के पास – २) ,, ,,
(८) सामुएल सोस के पास - - - - - - - - - – ७) ,, ,,
(९) याकुब मिंज पास बाकी नहीं है ।

४३/१/२

सालोमी, मनसिध और याकुब इन तीनों को छोड़ सभों से भाड़ा अदा करना बहुत कठिन होता है और हैरानी होती है । हेमेस लकड़ा को तो समझाना और नोटीस पर नोटीस देना भी वृथा है ।

चक्रधरपुर — — }
२५ सेप्टेम्बर १९३० }

M. Hurad

Church Council
Received 11.7.30
Register No. 200
Date 11.7.30
File 14
Reply No............
Date..................

Chakradharpur
11.7.30

मान्यवर चर्च कौंसिल को

यीशु सहाय।

मान्यवर,

बाबू पूर्णा प्रसाद रिचार्ड चाईबासा के पत्र से बूझ पड़ता है कि लौरेन्स पाल और हेमंगिनी की शादी चाईबासा कचहरी में हो गई ८ वीं जुलाई को। मैं इस के सम्बन्ध में आपने दो वक्तव्य (Report) आप के चरण में अर्पण कर चुका हूं।

अब आप के पास मेरा यही नम्र निवेदन है, कि उक्त विवाहित जोड़ और उन को उत्साहित करने और कचहरी में ले जाने वालों के साथ कैसा सलूक करें इस की सलाह दें। या जैसा आप को उचित जंचें वैसा करने की आज्ञा दें।

बाबू पूर्णा प्रसाद रिचार्ड ने उक्त शादी के तुरन्त पीछे ही मुझ यह पत्र दिया है (जिस की नकल भेजी जाती है) जिस कारण मुझे बूझ पड़ता है कि वह मुझे प्रकारन्तर में उपहास (ताना) करने को वह पत्र दिया है।

श्रीमान के उत्तरापेक्षा में रहता हूं।

आप का आज्ञाकारी
दास—
M Hurad

<u>True copy</u>

चौरस्ता —
ता० ८।७।३०

प्रिये पिता आप को मेरा प्यार और [illegible]
समाचार ऐसा है आज हम लोगों को [illegible]
[illegible] होगया — [illegible] तकदीर में लेना था, सो
लेकिन बहुत दिन [illegible] का अन्तर बीच में हुआ
परमेश्वर के आशीर्वाद से आखिर
विवाह [illegible] आखिर
आप सकुशल सम्पन्न हो ही [illegible] आप
से मेरी नहीं आ जी है लेकिन इन नवविवाहित
वर कन्या को आप भी आशीर्वाद दीजिये
जिससे इन का नवदम्पति जीवन सुखमय हो और
ये दोनों जीवन व्यतीत कर सकें। मुझे छुट्टी
नहीं मिलने के कारण मैं शीघ्र [illegible] नहीं जा
सकता हूं लेकिन आगामी शुक्रवार तक जाने की इच्छा
है। और ११ ता: को जरूर [illegible] में हाजिर होऊंगा।
[illegible] नहीं है लेकिन मेहरबानी कर ता: ११
जुलाई १९३० इस विवाह के भोज में [illegible] में
हाजिर होकर कृतार्थ करेंगे — [illegible] ता: को मैं
भी वहां उपस्थित होने की कोशिश करूंगा आप
आ सकेंगे लेकिन नहीं मेहरबानी कर पत्र द्वारा सूचित
कीजियेगा — अंत में सब लोगों को मेरा प्यार और [illegible]

# The Council of the Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[ Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919. Secretary: P. Hurad. ]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar.)

No. 199-200/30 F.14+15. Dated the ........ 19.....
28 June, 1930.

The Rev. P. Tirkey.
G.E.L. Church.
R a n c h i.

Manyawar Padri P. Tirkey ko mera Yishisahay !

Ap ke 26.6.30 ka Post Card aj 28 tarikh ko mujhe 4 baje mila aur main shighr us bishay men ap ko likh raha hun jisten is bishay par janne men ap ko kuchh der na ho.

Ap ko malum howe ki hamare Padri logon ko Indian Christian Marriage Act ke 6,7 & 9 sections ke anusar License milta hai. Section 7 ka license birle kisi kisi ko mila hai. In sections ke license -"Ministers of Religion" athawa "Christian" kahke diye jate hain. So yadi koi jan athawa jansamuh hamare "Religion" athawa "Christian" panth ke niyamon aur bidhiyon ke anusar chalne nahin chahenge athawa unko ulanghan karenge to we ap hi Padri se sadi lene nahin chahenge aur Padri se sadi lene ki parwah bhi nahin karenge. Waise hi yadi Padri aise logon ko pawe jo dharmm ke niyamon ko palan nahin karte hain to unnon sadi dene se nah kar sakta hai,kyonki wah "Minister of Religion"hoke License paya hai. Jo Christian hai so sachmuch Padri se sadi lene ke liye dharmma ke niyamon aur bidhiyon ko nishchay pura karega, jisten ki biwah men Ishwariya ashis prapt kare.

Age shubh,

Sd. P. Hurad.
Secretary.

N.B.

Copy of this letter is forwarded to the Rev. Martin Hurad, Chakradherpore for information.

[signature]
SECRETARY.
G.E.L. Church, RANCHI.

The Council of the Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
[ Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919. Secretary: P. Hurad. ]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar.)

No. 228/30 F-14

Dated the 4th. July. 1930.

D.M.Panna, Esq.
Secy. Board of Trustees.
Lutheran Compound.
R a n c h i.

Dear Mr. Panna,

I enclose Chakradherpore pastor's letter which is self-explanatory, and I wish to note as below :-

1. It is desirable that the boundary of the bungalow and the homestead lands let out to the tenant should be made known to the pastor so that he may know the jurisdiction over which his responsibility lies.

2. That under the terms of the Agreement between the Church Council and the Trustees, the rest of the compound and residential houses at Chakradherpore are under the management of the Council. The right of selling grass and the care of fencings and hedges thus falls on the Council ~~on~~ or the pastor.

Please therefore see that the matter on Item 1 above is attended to and oblige.

Yours sincerely,

P. Hurad.

Returned back to the Secretary C.C. for necessary action by the C.C. if the C.C. wants to the boundaries fixed up or to of the Compound and the right to sell the grass to itself.
The matters contained in the Chakradharpur Pastor's letter have been attended to.
D. M. Panna
Secretary, B. of T.
12/7/30.

# Memorandum.

From,

The Secretary,
**G. E. L. Church,**
**Chota Nagpur & Assam.**
**RANCHI.**

No. 270 - /30
F - 14.

LUTHERAN COMPOUND.

Ranchi 21st. July, 1930. 19

To Benjamin Kandulna and others.
Chakradherpore compound.
Chakradherpore. B.N.R.

You are informed that your petition regarding leakage of the roofs of your houses is returned to the pastor of Chakradherpore, as we can not interfere before hearing anything from him. He is in charge of the houses and lines there in the compound and for repairs he will apply to the Council for money, if needed.

You can not be permitted to keep the rent for yourself and do the repairing during the rains. There is no such system anywhere between the tenants and the landlord and it wont work well. Besides, you must know that your rents are comparatively much cheaper and are not sufficient for thorough repairs.

On hearing from the pastor, I shall again write you. In the meantime, I hope, things will be righted, and there will be no reason for complaint.

SECRETARY.

Memo. No.271/30/F.-14.

Copy of the reply of the Secretary along with the original petition of Benjamin Kandulna and others of Chakradherpore forwarded to the pastor of Chakradherpore for favour of attending to the matter and let the Council know of it, in case there is any trouble or difficulty regarding rents from the tenants concerned.

SECRETARY.

# The Council of the Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[ Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919. Secretary: P. Hurad. ]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar.)

No. 228/30 / F-14.     Dated the 4th. July, 1930. 19......

D.M.Panna, Esq.
Secy. Board of Trustees.
Lutheran Compound.
R a n c h i.

Dear Mr. Panna,

I enclose Chakradherpore pastor's letter which is self-explanatory, and I wish to note as below :-

1. It is desirable that the boundary of the bungalow and the homestead lands let out to the tenant should be made known to the pastor so that he may know the jurisdiction over which his responsibility lies.

2. That under the terms of the Agreement between the Church Council and the Trustees, the rest of the compound and residential houses at Chakradherpore are under the management of the Council . The right of selling grass and the care of fencings and hedges thus falls on the Council on the pastor.

Please therefore see that the matter on Item 1 above is attended to and oblige.

Yours sincerely,

P. Hurad

True Copy

CKPur
30-6-30

मान्यवर सेक्रेटरी
ट्रस्टी बोर्ड, रांची
को यीशुसहाय।

महाशय!

निम्न लिखित दो बातों का निवेदन करना आप के चरणों में, मैं अपना कर्तव्य समझता हूं। और आशा करता हूं कि इन बातों पर शीघ्र ध्यान दिया जायेगा—

I चक्रधरपुर के मिशन बंगला में जो भाड़ा दिया गया है सो किस प्रकार के बन्दोबस्त पर: उसका एक नकल स्थानीय पादरी को मिलना चाहिये और क्या हाता घास वास्ते किसी से बन्दोबस्त हुआ है कि नहीं?

II मिशन कम्पौंड का बेड़ा जो कांटों और तार से घिरा था सो आज १५ बरस से वैसाही पड़ा रहने सबब सब तल्फ फांक हो गया है जिससे आदमी बैल आदि जिधर से हो आते जाते हैं। सो इस बरस इसको फिर से बेड़ा कर देना अच्छा है। अन्यथा दूसरे बरस से बेड़ा रह नहीं सकता है।

आप का आज्ञाकारी

Sd/= Rev. M Haran

Chakradharpur
30-6-30

Church Council
Received 2.7.30
Register No. 174
Date 30.6.30
File 14
Reply No.
Date

मान्यवर सेक्रेटरी चर्च कौंसिल रांची
आप को यीशु सहाय।

मान्यवर महाशय।

लारेन्स पाल (गोपाल) के सादी और दुल्हन के सम्बन्ध में जो गोलमाल चल रही है सो आपको पादरी के एक आगले रिपोर्ट और इस के साथ में भेजे जाने वाले कागजों को देख कर मालूम करेंगे। स्थिति विकट रूप धारण कर लिया है और अब वह "कोर्ट मेरेज" (court marrage) करने को जा रहा है और जैसा चाइबासा के पादरी जनाते हैं इस बात से 8 July को हो जावेगी।

अब मेरा निवेदन यही है कि चर्च कौंसिल इस पर हस्तक्षेप कर जिस्तें सादी कचहरी में न होकर मंडली में ही होवे इस का प्रबन्ध करे। और दोनों तरफ की बातों का फैसला कर मेल मिलाप की चेष्टा करेंगे।

आशा है कि मेरे इस प्रार्थना पर अवश्य ध्यान दिया जावेगा।—

आप का
कृपा कांक्षी
Mangal Horo
Off. Secretary C. K. P. Panch

चक्रधरपुर
ता० २७ जून १९३०।

जी० ई० एल० कलीसिया के सेक्रेटरी साहिब को नमस्कार।

महाशय, आज ता० २७ को दूसरी बेला, चैबासा के मान्यवर पाद्री बाबु पौलुस की भेजी हुई चिट्ठी और मनोहरपुर के तोमोन नाग का रिपोर्ट जिस में हमारे विरुद्ध लेख है, हमने पाया और उन दोनों का कापी (नकल) आप को भेजता हूं। मुझ को भी रिपोर्ट का नकल ही मिला है।

I पाद्री बाबु की चिट्ठी का नकल —

Chaibassa
The 26.6.30

To
The Rev. M. Hurad, C.K.pur.

Mahashay, ap ko mera Yisu sahay.
Main ap ko yah khabar deta hun, ki kal main ne yah suna hai, ki C.K.pur ke (Gopal) Lawrence Pal, aur Manoharpur ke writ Silas Nag ki beti ki shádi 8th July 1930 ko "Court me yahán hone wáli hai, we yah kah ke court me shádi cháhte ki un ka padri un ko shádi nahin deta hai, main nahin janta hun ki unhon ne darkhást me aur kya 2 likha hai. Kal donon taraf ke party Kachahri áye the.
Main Manoharpur ki chitthi jo ap ke báre likha gaya hai, ap ke pás bhej deta hun. Us ko nakal karne me deri hui is liye bhejne me deri hui.

ap ka sangi karmchari
Rev. P. Tirkiy

II तोमोन नाग के पत्र का नकल —

मनोहरपुर ता० २९ अप्रैल १९३०

श्रीमान महा मान्यवर प्रेसिडेन्ट
लूथरन चर्च कौंसिल —
लूथरन मिशन कोम्पौन्ड, रांची —

महाशय,

सविनय अर्ज यह है कि ता० १८।३।३० को बाबु दानियेल तिर्की सा० मनोहरपुर ने आप के पास एक चिट्ठी मेरी भतीजी हेमांगिनी नाग सा० मनोहरपुर के, गोपाल उर्फ लोरेंस पाल सा० चक्रधरपुर के साथ विवाह के बारे चर्च कौंसिल में एक दरखास्त भेजा था — किन्तु अफसोस
(1) कि आज तक उपरोक्त चिट्ठी का कोई जवाब, हम लोगों को चर्च कौंसिल से नहीं मिला — खैर
(2) इस बीच में महोपवास काल पड़ गया, सो हम लोग भी दस्तूर मोताबिक चुप रह गये, और गोपाल उर्फ लोरेंस पाल को कह दिये कि वह पाद्री बाबु [illegible] के पास इस बीच में दृढ़ीकरण सीख ले, जिस से कि [illegible] पर्व तक उसका दृढ़ीकरण हो जाये; मनोहरपुर से हेमांगिनी
(3) की मां खुद चक्रधरपुर पाद्री बाबु के घर गई, और पाद्री बाबु को लड़के को जाँच कर दृढ़ीकरण देने के लिये निवेदन की, किन्तु अफसोस, पाद्री बाबु उनके उस निवेदन पर कुछ
(4) भी ध्यान नहीं दिये, बल्कि पाद्री बाबु और उनके दो लड़के, मंगल और फिरवायेल, ये तीनों मिल कर अपनी बोली [illegible] और हाव भाव के द्वारा बड़े ही सख्ती और अशिष्टाचार
(5) का बर्ताव उनके साथ किये, जिन को देख सुन कर, शायद ही कोई आदमी बरदास्त कर सके, उदाहरण स्वरूप, जब पाद्री बाबु से लड़के की परीक्षा लेने को अर्ज किया गया, तो वे बोलने लगे, अभी हम नहीं सकेंगे और कल भी नहीं सकेंगे, इस पर हेमांगिनी की मां बोली कि देखिये हम इतना दूर मनोहरपुर से आये हैं, यहां मेरा घर दरवाजा नहीं है, कि कहीं पर ५।१० रोज डेरा डाल कर रहें सो यदि मेहरबानी कर मेरे सामने ही लड़के की परीक्षा लिया जाय, तो हम लोगों को भी साफ मालूम हो जायेगा कि सीखने में लड़के का दोष है कि नहीं, क्यों, न पीछे जब लड़का नहीं
(6) रहता है तब आप कह देते हैं कि लड़का सीखने नहीं आता है। तो अभी नहीं सीखा है वगैरह, सो बेहतर अच्छा है कि जरा तकलीफ स्वीकार कर अभी परीक्षा हो जाय, इस पर पाद्री बाबु बोले, कि तुम हम को दिक्क मत करो, हम अभी नहीं करेंगे, हेमांगिनी की मां बोली यदि आप नहीं जांच कर सकेंगे तो किसी दूसरे से (धनकुंवार प्रचारक गोइलकेरा का वहां मौजूद था) जांच करवाइये, आप सिर्फ सुनते जाइये, किन्तु पाद्री बाबु इसको नामंजूर किये, और अपने जिद पर रहे। हेमांगिनी की मां फिर बोली कि आप नहीं सकते हैं तो मेहरबानी कर, आप एक चिट्ठी हम लोगों को दीजिये, कि आप को फुरसत नहीं है, या आप सिखाने या दृढ़ीकरण देने नहीं चाहते हैं या आप की तबियत खराब है, जिस से कि हम लोग कोई दूसरी जगह में हम लोगों के मिशन में दृढ़ीकरण को विवाह का प्रबन्ध कर सकें, इस पर पाद्री बाबु बहुत गरमाई के साथ बोले, कि तुम लोगों ने हम को चर्च कौंसिल में बदनाम कर दिया है, फिर भी हमारे बिना तुम लोग का काम नहीं चलता है। हम को दिक्क मत करो, जाओ जैसा तुम्हें को खुशी है वैसा करो। सिवा इसके

उसके दोनों लड़के मिखायेल और मंगल थे भी बड़ी आशापूर्वक बोलने लगे कि क्या पादरी पद हम लोगों को बेचना है कि चिट्ठी देंगे वगैरह। सो हेमांगिनी की मां का पादरी बाबु से निवेदन करना सब बेफायदा हुआ और निराश और तिरस्कृत हो कर उन को घर लौटना पड़ा।

महाशय, गोपाल उर्फ लोरेन्स पाल को दृढ़ीकरण देने की बात गत नोवेम्बर महीने से हो रही है, अपने घराने के भीतर सिर्फ गोपाल उर्फ लोरेन्स ही खृस्तान है जिसका सिर्फ बप्तिस्मा प्रायः ४,५ बरस हो चुका है, अब वह दृढ़ीकरण खोज रहा है, किन्तु बड़े ही दुःख की बात है उसके और हम लोगों के अनेक कोशिश करने पर भी उसको दृढ़ीकरण नहीं मिल रहा है, पादरी बाबु मार्टिन हुरद इतना समय तक सिर्फ एक न एक बहाना कर समय को व्यर्थ बिता रहे हैं, जिस से देरी होने के कारण शादी बन्द हो जाने की संभावना है। यदि पादरी बाबु को दृढ़ीकरण देने की गत नोवेम्बर से होली लो आज अप्रील तक इस काम को पूरा कर डालने का अवकाश था किन्तु उनकी अनिच्छा के कारण यह काम अभी तक सफाई नहीं हुआ, इस का कारण दानियल बाबु के पूर्वोक्त चिट्ठी में लिखा हुआ है सो हम उस बात को दुहराना नहीं चाहते हैं।

अब आप से हमारा यह विनय है कि मेहेरबानी कर अब और अधिक विलम्ब न करके गोपाल उर्फ लोरेन्स पाल के दृढ़ीकरण और विवाह का प्रबन्ध बेवस्था के पादरी पौलुस तिर्कीया लोकुरीम के पादरी मनसुख मानकी के जरीये कर दीजिये और अब व्यर्थ पादरी बाबु मारटीन हुरद के पास जा कर दृढ़ीकरण सीखने और विवाह करने का हुकुम मत दीजिये क्योंकि पादरी बाबु मारटीन हुरद से अर्ज करते २ हैरान होकर आखिर उन से मन मोड़ना को तिरस्कृत होना पड़ा है, वे सिर्फ रास्ता रोक कर बैठे हैं न आप इस काम को करते हैं न दूसरे को करने देते हैं तमाशा देखने चाहते हैं सो मेहेरबानी कर इस ~~काम को~~ अर्जी पत्र पर आप की जो आज्ञा हो सो आगामी ७ मई १९३० तक हम को जरूर मिल जाना चाहिये आप को अपने मिशन का प्रेसिडेन्ट समझ कर आप के पास यह अर्जी पत्र भेजता हूं और आशा करता हूं कि आप हम लोगों के इस दुःख को और निराशा को शीघ्र ध्यान देकर इस का प्रतिकार करेंगे यदि बाबु दानियल टिर्काई के पत्र की नाई उपरोक्त तारीख तक आप का कोई जवाब न मिले तो यही समझा जायेगा कि चर्च कौंसिल उस विषय पर निश्चेष्ट रहना चाहती है सो उन से भी सहायता और प्रबन्ध की आशा रखना व्यर्थ है और तब इस हालत पर हम लोग लाचार हो कर जैसा बने वैसा करने के लिये बाध्य होंगे क्यों? जब चर्च कौंसिल की अर्ज करने पर अपने मंडली के लोगों की दुःख की ओर ध्यान नहीं देगी न उस दुःख को दूर करने का प्रबन्ध करेगी तो फिर अपनी मंडली का दुःख किस के पास सुनाया जाय आप के जवाब और उचित प्रबन्ध की बाट देखता हूं।

निवेदन कारी सीमोन नाग sd.
ग्रा० मनोहरपुर पो० आ० मनोहरपुर
सिंहभुम—

मनोहरपुर के हेमन्त नाग के पत्र पर—

चक्रधरपुर के पादरी मारटिन हरद का लेख।

मैं चक्रधरपुर के गोपाल लोरेन्स और मनोहरपुर के हेमांगिनी नाग के बीच, सादी का जो बन्दोबस्त हुआ है, उसको तोड़ना नहीं चाहता हूं परन्तु चाहता हूं कि लूथेरन कलीसिया की आज्ञा और विधी अनुसार हो जाय—

लूथेरन कलीसिया की आज्ञा है कि पहिले दृढ़ापन तब सादी होवे, इसी आज्ञा का टोल बिटाल होता आया है जिस कारण से दृढ़ापन और सादी अब तक नहीं हुआ है। उनके सादी का बन्दोबस्त कब से हुआ है सो हम नहीं जानते हैं। हम समझते हैं कि सादी के बन्दोबस्त बाद गोपाल लोरेन्स हम को चिट्ठी लिखा कि हम को दृढ़ापन वास्ते सिखाइये, इसी पत्र के पहिले कोई समय में हुआ होगा— और दृढ़ापन वास्ते सीखने की यही प्रथम निवेदन है। गोपाल लोरेन्स के इसी पत्र के पीठ पर हम ने सीखने और सिखाने की बात जवाब में लिखा है।

महोपवास काल के पहिले चर्च कौंसिल प्रेसिडेन्ट चेबस्सा होते हुए चक्रधरपुर आये और गोपाल लोरेन्स हम को प्रेसिडेन्ट के पास बुला ले गये, प्रेसिडेन्ट ने गोपाल के दृढ़ापन सम्बन्ध में बताया कि मनोहरपुर का दाखिल रिकार्ड कौंसिल में लिखा है, मैं उसका तहकीक करने आया हूं। मैं ने गोपाल लोरेन्स को कहा कि जो चिट्ठी तुम ने हम को दृढ़ापन सीखने के बारे दिया था जिसकी पीठ पर हम ने जवाब लिखा है, उसको लाओ, पर वह नहीं लाया, हम ने प्रेसिडेन्ट को कहा, हम ने लिखा है, तुम लिखना पढ़ना जानने वाले हो, यह तुम्हारी चिट्ठी से जानते हैं। सो जब हम दूर में जाते हैं तब अपना कटेकिस्म से आप ही सीखो, बाद हम आके तुम को शिक्षा और उपदेश देंगे। पर वह नहीं सीखा और सीखने को भी हमारे पास आया नहीं— तब प्रेसिडेन्ट लोरेन्स को सीखने के विषय समझाया और आज्ञा दिया— पर वह सीखा भी नहीं और सीखने को आया भी नहीं।

इस के पीछे महोपवास काल (लेन्ट) पहुंचा, तब ता० ९ मार्च १९३० (लेन्ट के I इतवार में) हम ने दस्तूर के अनुसार गिर्जा में पुकार कर मंडली को जनाया कि जिनको दृढ़ापन दरकार है वे कल सोमवार से सीखने को आवें। पर न लोरेन्स न और कोई सीखने को आया। हम ने फिर भी ता० १६ मार्च १९३० (लेन्ट के II इतवार को) गिर्जा में पुकार कर मन्डली को जनाया कि जिन को दृढ़ापन दरकार है वे सीखने को आवें, अब तक कोई नहीं आया इस लिये आज फिर पुकार होता है। पर अफसोस, कि दुबारा पुकार करने पर भी न लोरेन्स न कोई दूसरे आये—

मार्च महीना के अन्त भाग में जब रांची कनफ्रेन्स में जाने को २ दिन बाकी थे तब गोपाल लोरेन्स हम को कहा हम को दृढ़ापन सिखाइये, हम बोला इतना दिन तुम काहे को नहीं आये, आज हम चक्रधरपुर में हैं और कल हम को रांची कनफ्रेन्स जाना है, तो कैसा हम सिखा सकते हैं, अब रांची से फिरेंगे तब सिखावेंगे।

हम रांची कनफ्रेन्स गये और रांची में बिमार पड़ने सबब वहां हम को प्रायः महीना भर रहना पड़ा बाद ठीक चंगा भी तो नहीं हुआ था कि रांची से चक्रधरपुर आया, चक्रधरपुर आने से मेरी बिमारी और भी बढ़ गई। इसी समय हेमांगिनी की मां आई और लोरेन्स की परीक्षा करने और उसे दृढ़ापन देने की बात बोली, जो भी मुझे रोगी देखती है, खाट पर लेटा हुआ देखती है, तोभी रात को खाना खाने के पहिले नाना प्रकार की बातें बोलती थी, बताया गया कि मैं बिमार हूं, तोभी गोपाल लोरेन्स के इमतिहान लेने और दृढ़ापन की बात पर जिद्द बांध छोड़ती न थी— तब मैं ने कहा अच्छा जाओ गोपाल को बुला लाओ तुम्हारे सामने उसको पूछ पाछ (परीक्षा) करूंगा, तब हेमांगिनी की मां गोपाल को बुलाने गई पर फिर नहीं आई हम लोग उसकी बाट देख २ थक गये— जब हम लोग रात का खाना खा चुके और सोये हुए थे, तब हेमांगिनी की मां अकेली आई और बोली गोपाल खाना खाने गया था अभी उसको बुलाऊंगी तब हम ने कहा कि अब तो हम ऐसी आदमी को माफ करो और दिक २ मत करो, पर वह तोभी न चुप होती न जाती थी इस लिये हम चुप चाप रह उस से बात नहीं किया आखिर में बड़बड़ाती चली गई। न हम न हमारे बेटे उसको किसी प्रकार का बद जबान बोला न गाली दिया है। धनकुमार नग्न प्रचारक इस समय हाजिर था, वही गवाही अच्छी दे सकेगा—

इस के पीछे राधा बाबु अर्थात गोपाल का मालिक अपने एक बाबु साथ गोपाल को भेजा, उन्होंने भी सब बात जान सुन के गोपाल को बोला कि आप ही सीखो और सीखने को पादरी बाबु पास जाओ—

फिर कुछ दिनों बाद एक सांझ को गोपाल एक आदमी को लेके हमारे पास आया और बोला कि मनोहरपुर बिनोद का बहिन दमाद है जिसको पुरी प्रसाद रिकार्ड भेजा है आप से बात चीत करने को वह भी सब हाल जान बूझ के गोपाल को सीखने और शिक्षा लेने कहा—

मनोहरपुर के लोग कहते हैं कि गोपाल का खुस्तान होना ४।५ बरस हुआ है पर बात सच नहीं है। इसी साल के जून महीना में ठीक २ बरस उसका बप्तिस्मा पाना हुआ है। पर वह गिर्जा नहीं आता है सीखने में आलसी है। वह कभी नहीं बोला है कि हम कटेकिस्म सिखा है, हम को पूछिये और शिक्षा दीजिये और दृढ़ापन दीजिये— पर इसके विपरीत किसी २ को कहा हम पादरी के पास सीखने नहीं जायेंगे, पादरी सादी न देवे, हम कचहरी में सादी करेंगे—

ऊपर लिखित बातों से स्पष्ट जाना जाता है कि गोपाल लोरेन्स दृढ़ायन वास्ते सीखने और शिक्षा पाने में टाल बहोल और ढिलाई किई है, जिस सबब दृढ़ायन और सादी पाने में विलम्ब हुआ है। एक बेर मुंशी प्रसाद रिचार्ड ने भी हम से कहा था कि गोपाल के मालिक से छुट्टी ले गोपाल को बैवस्ती ले जावेंगे वहां उसको शिक्षा दिलावेंगे, उस बात पर मैं भी अपनी राय दिई और बोल दिया था कि बहुत अच्छा होगा. पर यह बात भी उन्हों ने नहीं किया।
तीमोथ अपने रिपोर्ट में लिखता है कि जितना गोपाल को दिखाया गया है, उसको गोपाल सीखा है। पर यह बात कहां तक सच है, अभी बोला नहीं जा सका है। क्योंकि ऊपर लिखित अनुसार जितनों ने हमारे साम्हने उसे सीखने कहा, उन सभों में से किसी को जवाब नहीं दिया कि हम सीखे हैं।

सो तीमोथ का लेख (का कोई), जो अभी ता० २७ जून १९३० पादरी बाबू पी० तिर्की से पाया है। उसमें गोपाल लोरेन्स के बपतिस्मा पाने का ४ वरस असत्यता से लिखा गया है। वैसा गोपाल सीखने और हेमांगिनी की मां की तिरस्कृती भी असत्य बात है। केवल अपने पादरी को चर्च कौंसिल में और सर्व्व साधारणों में निर्दोषित करने को, और गोपाल लोरेन्स को धर्म ज्ञान में अशिक्षित रूप में दृढ़ाने का प्रयत्न किये और करते हैं। इत्यादि

चक्रधरपुर मोरस का पादरी

M. Hurad

29. 6. 30.

Church Council
Received 2.7.30
Register No. 173
Date ...
File 14
Reply No. ...
Date ...

Chakradharpur
29.6.30

मान्यवर सेक्रेटरी
चर्च कौंसिल रांची
आप को यीशुसहाय।

मान्यवर महाशय!

चर्च कौंसिल के "१० जनवरी १९३० के चक्रधरपुर मंडली पर राय" पर अब तक हम ने करवाई न कर सके। कारण ज्ञानेन्द्र आचार्य आप ही ४ महिनों तक बहुत बिमार रहे। ४थे महिना के १२ ता: को मर गए। इस के बाद उस के परिवार के लोग भी दुसरे २ कामों पर फंसे रहने से अपना निश्चित राय न दे सके। अभी उन की राय यह है कि :—

"I कि करुणा सुखलाल के पास फिर नहीं जावे= गी कारण इस को ~~फि~~ रखेलु पुरुष से तीन बालक प्राप्त हुए थे। II सुखलाल का कुछ पता नहीं कि वह कहां है। III करुणा सुखलाल के साथ दम्पत्य सुख को नहीं प्राप्त कर सकेगी।"

अब कृपाया चर्च कौंसिल इस पर अपनी राय दे कर पत्र शीघ्र विदित करेंगे।

आप का
कृपा कांक्षी
M Hurad
29.6.30.

Mangal Hurad
Offj: Secretary C.K.P. Panch
Chakradharpur

Church Council
Received 30.6.30.
Reference No. 169.
Date 26.6.30
File [illegible]
Replied

Chaibasa
the 26.6.30

Mahashay
Aap ko namask[ar]
Yishu sahay. Main ap ko yah report deta hun ki main ne kal yah bat suni hai ki Chapore ke (Gopal) Lowrence Paul aur Manoharpur ke mail- Silas Nag ki beti ki sadi 8th July, 1930 ko yahan ke "court" men honewali hai. Donon taraph ke "party" kal Kachahari men aye the. We yah kah ke court men shadi karne chahte hain ki un ka padri shadi nahin deta hai.

Ab un ki shadi ke bare kya karna chahiye so kripa kar apne pita ke pas likhiye.

Main aj hi uparokt khabar ap ke pitu ke pas likh bhej deta hai. Us ne is bat ke bare ab tak kuchh suna hai wa nahin so malum nahin hai.

Ap ke aggyadhin
P. Tirkey.

INDIA

POST CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE
HALF ½ A ANNA

RANCHI
DELY.
28 JUN 30
12 - A.M.

26 JUN 3
5 P.M.

To

The Secretary.
G. E. L. Church Council

Ranchi.

20th May 1930.

**A. 1.** Copy

**POSTS** **TELEGRAPHS.** No.

Inland Telegram.

Class Prefix ______ Code ______

| Office of Origin, Date and Service Instructions. | Words. | H. M. | Space for Postage Stamps. |
|---|---|---|---|
| | Charge. Rs. A. | Sent at ______ To ______ By ______ | *The Stamps must be affixed by the Sender and must not overlap. Any Stamp for which there is not room here should be affixed at the back of this Form.* Stamps cut, torn or defaced are not accepted. |

Nothing to be written by the Sender above this line.

If this telegram is to be classed EXPRESS, write the Class here. | If this telegram is on State business, the word STATE should be written in this space.

When a reply is to be prepaid, write the words "Reply Paid" and the amount in the space below. These words are not charged for.

TO
- Name: Rev: Hurad
- Address:
- Telegraph Office: Chakradharpore

NOTICE. PLEASE GIVE A FULL ADDRESS

| | | | |
|---|---|---|---|
| Hahn | not | authorised | to |
| interfere | pastors | duty | |
| | | Secretary | Hurad. |

FROM

**NOT TO BE TELEGRAPHED.** *Signature and Address of Sender* G. Hurad
Secy. G. E. L. Church, Ranchi.

## ADDITIONAL SPACE FOR STAMPS.

The *ACCURACY* of telegrams is not guaranteed; the Sender and Receiver must accept *ALL RISKS* arising from non-delivery, errors or delays. Complaints respecting telegrams and claims for refund involving complaints against the service should be addressed to the *Director-General of Posts and Telegraphs, Traffic Branch, Calcutta.* Claims for refund respecting telegrams *which do not involve complaints against the ser[illegible]e* should be addressed to the *Deputy Accountant-General, Telegraph Check Office, Calcutta.* Claims for refund or complaints respecting telegrams should be made within two months from the date of the telegram. The rece[illegible]t granted for the telegram should be enclosed with the reference. In addresses consisting of a name prefixed [illegible] a Registered or Abbreviated address, or when a telegram is addressed to one person at the house of another whose name is also given, the words "Care of" or the symbol "C/o" should be inserted after the name of the Addressee. There is always risk of a telegram not being delivered if a full and definite address is not given in the first instance.

Lal Chand & Sons—471—6-7-23—25,000 Bks.

चक्रधरपुर–
ता० १३।५।३०

G. E. L. Secretary साहिब रांची को येसु सहाय–

मैं कुछ बात आप से पूछा चाहता हूँ कृपा कर यथा शीघ्र जवाब दीजियेगा–
यदि पेरिश का कोई खुद्दार भाई अपने पादरी के विरुद्ध C.C. में अथवा C.C. के किसी पदधारी को अपना लेख या दर्खास्त भेजता है जिससे पेरिश का पादरी अनजान है तो उस चिट्ठी या दर्खास्त को ग्रहण न करने का सुनियम अब ठहरा दिया गया है कि नहीं?

(२)-पदधारी के नाम पर भेजा हुआ पत्र C.C. में पेश होकर कार्रवाई करने की प्रथा है कि नहीं?

(३)– अथवा कि जिस पदधारी के नाम पर ऐसा पत्र भेजा गया है वही पदधारी पत्र अनुसार कार्रवाई करेगा; ऐसा नियम C.C. में है कि नहीं?

(४) अगर वह पदधारी C.C. को न जना के कार्रवाई किया तो उसका रिपोर्ट C.C. में देना उसको उचित है कि नहीं?

रांची महा सभा के पहिले, जैसा प्रेसिडेन्ट हमको बताया, और जब आप आसाम गये हुए थे, तब P. D. Richard मनोहरपुर का, चक्र०पुर के गोपाल या लोरेन्स के विषय C.C. में दर्खास्त दिया, कि चक्र०पुर का पादरी उसको दुआपन नहीं देने चाहता है, इत्यादि, तो उसका तदारुक करने आया हूँ। क्या इस तदारुक का रिपोर्ट, प्रेसिडेन्ट C.C. में दिया कि नहीं? इस तदारुक के पहिले हम को नोटीस भी नहीं दिया, हठात आ हम को पूछ पाछ किया, क्या नोटीस देना भी दरकार नहीं है?

फिर कल ता० २६।५।३० चैबासा के मान्यवर पादरी पी० तिर्की के पो०का० को पा करके मालूम किया, कि मनोहरपुर का बाबु तीमोन नाग ने, इस लिये कि चक्रधरपुर के गोपाल लोरेन्स पालों का दुआपन नहीं हुआ, एक लम्बी चिट्ठी C.C. के प्रेसिडेन्ट के पास भेजा, जिसको प्रेसिडेन्ट ग्रहण किया, और और फिर चैबासा के इलाका चेयरमैन को भेज दिया, जिसने इलाका चेयरमैन इलाका पंच बैठा के गोपाल के दुआपन न होने की बात वास्ते विचार-करे। इलाका चेयरमैन साहेब भी हम को नहीं जनाय के पादरी बाबु जोजोबार के साथ उक्त बात को विचार करने का दिन ता० १६।६।३० चक्र०पुर में ठहराया

[illegible]

और विचार के लिये मनोहरपुर के लोगों को और प्रचारक बाबु धनकुमार नम्र होरो को भी पत्र द्वारा बुलाया है। हमारे अनजान में यह सब हुआ है और बाद, कल ता० २६।४।३० हम को पो० का० द्वारा जनाया है। यह जो *irregular* काम मनोहर के लोगों, प्रेसिडेन्ट, चेवस्सा और, जमशेदपुर के पाद्री बाबुओं द्वारा किया जाता है सो केवल हम को वे इज्जती करना उन्हों ने ठाना है और कुछ नहीं। वे लाज में गिरेंगे—

फिर इस में यह भी देखा जाता है कि मनोहरपुर का पी०डी० रिचार्ड और तीमोन नाग अपने पाद्री को नहीं पहिचानते हैं, इस लिये अपने पाद्री के पास आके अपना दुःख सुख नहीं सुना सके हैं पर, C.C. के रांची प्रेसिडेन्ट को जानते चीन्हते हैं। सो अच्छा होगा कि लोग प्रेसिडेन्ट ही के पास जा के अपना काम करावें अथवा प्रेसिडेन्ट ही आके उनका काम करे। अथवा वे लोग अपने काम के बिषय प्रेसिडेन्ट को लिखें और प्रेसिडेन्ट इलाका चेयर्मेन को लिखे और इलाका चेयर्मेन पेरिश के पाद्री को लिखे तब उनका काम होवे—शायद यही नियम उनके वास्ते ठीक होगा—

इस लिये निवेदन है कि यथा शीघ्र इस का प्रत्युत्तर कृपया भेजियेगा, और प्रचारक बाबु धनकुमार नम्र होरो जो रांची से आने वाला है इन बातों को जनाइये और उसे जरूर मीटिंग में हाजिर होने कहिये।

इस में असल बात यह है। ना गोपाल ना और कोई दुभाषिया के बात की चिन्ता किये—इसी समय जब गोपाल के साथ सिलास की बेटी का बन्दोबस्त हुआ, और जब लोगों ने जाना कि दुभाषिया बिना शादी नहीं होगा, तब दुभाषिया की बात हुई। प्रथम गोपाल हम को चिट्ठी लिखा कि दुभाषिया शास्त हम को सिखाइये—हम जवाब में लिखा—तुम्हारी चिट्ठी से मालुम है कि तुम लिखा पढ़ा जानने वाले हो, सो खृस्तान धर्म में दृढ़ होने की छाप मारने वास्ते सब को खृस्तानी धर्म शास्त्र जानना उचित है। पर सब आदमी समूचा बैबल नहीं सीख सकते हैं, इस लिये कलीसा ने बैबल का रस निचोड़ के एक बहुत ही छोटी पोथी में रख दिया है जिस्तें अनपढ़ और पढ़े लिखे सब, खृस्तान धर्म इमान को जो इसी छोटे किताब कटेखिसम में रखा हुआ है, सब को सीखे, तुम लिखा पढ़ी जानने हारे हो, सब कटेखिसम सीखो—बाद हम उपदेश और शिक्षा द्वारा भली भांति समझा देंगे—पर वह आप सिखने नहीं किया, शिक्षा भी नहीं। आया और धर्म बिरुद्ध चाल भी उसका मालुम हुआ—महोपवास काल के आरंभ के इतवार को मैं हम ने पुकार किया कि दुभाषिया सीखने वाले सीखने आवें, पर दोनों इतवारों की पुकार पूरा हुआ, ना गोपाल और ना कोई दूसरे आये—डा० मिन्ज आदि गोपाल को सीखने जाने बोले, पर नहीं आया, जिस के बिषय न० मा० ली रांची में हम लोग को सुनाया कि गोपाल बोलता है, हम सीखने नहीं जायेंगे—बाद,

बाद इसके रांची महासभा में जाने के तीन रोज़ दिन पहिले हम को बोला कि हम को डुगुपन सिखाइये-हम ने कहा कि गोपाल कितना दिन तुम काहे को नहीं आया, कारण नहीं कल के बाद हम को रांची जाने पड़ता है सो अभी तो हम को सिखाना नहीं बनता है महासभा के पहिले प्रेसिडेन्ट भी उसको बोला सीखने को पर वह सीखा नहीं — इन पिछले दिनों में जैसा सब जानते हैं, रांची ही से [illegible] होके हम चक्रधरपुर आये चक्रधरपुर में पहुंचने पर एक बार सिलास की सास दूसरी बार सिलास की स्त्री आई सांझ ७॥ बजे और हम को दिक करने लगी - और बोली गोपाल सीखा है। हम ने कहा कि अच्छा गोपाल को बुलाओ - गोपाल को नहीं बुला सकी बाद रात को जब हम सब सोने पर थी तब फिर आई और बोली - गोपाल खाने गया था अभी हम बुलावेंगे हम अभी नहीं सकते हैं हम को माफ करो - फिर कुछ दिन बाद उन्हों ने और एक जवान को जिसको हम अभी नहीं देखा था हमारे पास भेजा वह भी रात में आके दिक किया- उसने भी गोपाल को सीखने बोल के चला गया - फिर एक बेर इन्हों ने राधा बाबू को जिसके पास गोपाल काम करता है, उसको बताया - वह बोल भेजा कि पाद्री बाबू एक बार हमारे पास आवे - बिमारी में हम कहीं नहीं जाते हैं - हम नहीं जायेंगे बोल भेजा तब राधा बाबू अपने बदले एक बंगाली को हम से बात करने को गोपाल साथ भेजा - सब हाल जान सुन के उसने भी गोपाल को सीखने बोला - तौभी सिलास की स्त्री स्त्री की मां और भाई और तीमोन और प्रेसिडेन्ट आदि भी हम ही को दोषी जान कौंसिल में और पंचैतों में घसीटते हैं —

सो यदि बन सकता है तो आप भी हमारा उपकार कर हमें परामर्श दीजिये — और कारवाई भी कीजिये। —

आगे राम —

M. Hurad

हम सुनते हैं कि मंगल बाबू इलाका चेयरमैन को लिखा है कि धनकुमार ता० २०।५।३० रांची से आवेगा सो उसी दिन विचार होवे —

15

Paul Kandulna
Town Engineering Office
Jamshedpur.

Reply paid.

What are the objections to Uziel Manoranjini marriage

Tiga Secretary.

J. B. Tiga
Secretary
G. E. L. CHURCH.
CH. NAGPUR & ASSAM.

(copy)
I Telegram: Received at about 9 am. on 8.12.41
By Rev. J. A. Kujur
from Jamshedpur

content
"Sudden marriage Uziel Mano-
ranjani appears objectionable."
Secretary (illegible)
Mandli Sonari Jamshedpur.

---

II (copy) U Ekka Kujur's [?] letter for marriage d/. 8.12.41

"... . Kadam Uziel Khalkho S/O
Thomas Khalkho aur mitr Matia Lakra ke
beti Manoranjani Lakra — is jore ka
pukar pura huwa roke tok ki bat na
mili hai is liye ap (Rev. J. A. Kujur) is jori ko
shadi de dijiye." yours ...
(Sd.) U Ekka Kujur "
8.12.41

iii [illegible]

marriage should
take place to-day
L. Gajaran [?]
9.12.41

Johan Kujur
B. Minz
8.12.41

~~copy~~
8.12.41

हाजरी पा. मोहन कुजूर, इत्यादि ७ मेम्बर + ३ भाई

१ बा. [illegible] मनोरंजनी के शादी का विषय ——

तार। - सोनारी मंडली सेक्रेटरी बा. पावल केरकेट्टा से एक रोकटोक विषयक तार ——

बहुत बातचीत के बाद पंचों का राय

यही फैसला हुआ कि शादी फैसला होने तक बन्द रहे — इसके आपसी खर्च को हिलाने [illegible] इसके लिए [illegible] लावें अगर वहां न बने तो [illegible] फैसला [illegible] लावे और फैसला के बाद शादी हो।

२(क) बा. [illegible] इक्का का उज्र है कि शादी में रोक टोक न हो — तार आया करते हैं कि तार की बाहरी किस्म हुआ करते कि सेक्रेटरी का है मालूम नहीं आगर [illegible] किया है आकस्मिक शादी (Sudden marriage)। आज शादी है और तार भी आता है आता है और लड़की के [illegible] तार नहीं दिया जाता है। (ख) आइन्दः ऐसा तार [illegible] से कितना हर्जाना होता है और तकलीफ होता है इसका विषय कौंसिल को देवे।

(ग) Rev. Randulna के पास तार भेजा जाय कि वही तार दिया है कि नहीं, क्योंकि कोई letter follow नहीं होता है। (घ) सोनारी मंडली [illegible] लड़की की शादी के लिए चिट्ठी लिखी है। ता. ६.१२.४१

S. S. Kujur
Hony Secry
Lohardaga

(१) इसका कापि (copy) के साथ (२) सोनारी मंडली का [illegible] और कोई शादी चिट्ठी का नकल और (३) जमशेदपुर तार का नकल और (४) लोहरदगा मंडली की शादी चिट्ठी का नकल भेजा जाता है।

[signature]
8.12.41

15

No. 3057
dt 22-12-41

The Rev. M. Sanga

The Asst. Mis.
to give his
opinion
JK
22/12

To

The Secretary
G. E. L. Church

Chakradharpur
18-12-41

Manyawar Mahashay ko yishusahay

1, Notice ka Samay ant hone ja raha hai aur abhi bhi bahuton ka ghar kiraya ati adhik baki hai. yadi notice deke kuchh karwai nahin kia jayga to age ko ghar kiraya tahsil karna ati kathin ho jayga.

2, Ghar kiraya jo Tahsil hua wah to Ilaka men kharch hua.

3. jo estimate main ne dia us se adhik kharch ho sakta hai, material ka dam barh gaya hai.

4, Total due upto November '41 is Rs 132 as 12 only and realised Rs 14 as 4 only in November 1941.

Yours faithfully
M. Sanga

No. 7/42
6-1-42
Secretary, e.c.

The defaulters should be asked to leave the quarters at Chakradharpur church compound. If they do not vacate the rooms the roof should be kept open as recommended by me before.
Naeman Tiga(?)
Asst. Manager

# Monthly report of Houserent of G. E. L. Church Houses of the month of November 1941.

| | Name | arrear due upto Nov. | arrear paid | Curent | Total | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Mangal Horo | 3-0-0 | -·- | -·- | -·- | |
| 2 | William Tirkey | 12-·- | -·- | -·- | -·- | |
| 3 | Prabhusahay Purti | 3-·- | 1-·- | -·- | 1-·- | |
| 4 | Eliajar Tirkey | -8- | -8- | -·- | -8- | |
| 5 | Bertha Minj | 4-·- | 3-·- | -·- | 3-·- | |
| 6 | Salomi Tirkey | 2-8- | 1-8- | -·- | 1-8- | |
| 7 | Markas Kandulna | -8- | 1-·- | -·- | 1-·- | |
| 8 | Gabriel Soy | 11-8- | 1-·- | -·- | 1-·- | |
| 9 | Mangal Horad | 19-8- | -4- | -·- | -4- | |
| 10 | Martin Toppo | 15-12- | -8- | -·- | -8- | |
| 11 | Sachidanand Horad | 3-·- | 2-·- | -·- | 2-·- | |
| 12 | Benjamin Kandulna | -·- | -·- | -8- | -8- | |
| 13 | Nehmia Bhengra | -8- | -·- | -·- | -·- | |
| 14 | Premnath Induwar | -·- | -·- | -8- | -8- | |
| 15 | Elias Toppo | -8- | -8- | -·- | -8- | |
| 16 | Salomi Mardi | 8-·- | 2-·- | -·- | 2-·- | |
| 17 | Jiwan Tirkey | 6-12- | -·- | -·- | -·- | left room |
| 18 | Michael Horad | 18-8- | -·- | -·- | -·- | |
| 19 | Mangal Tirkey | 6-12- | -·- | -·- | -·- | left Compd. |
| 20 | Samuel Toppo | 11-·- | -·- | -·- | -·- | left C.K. Pur |
| 21 | Tunu Horad | 5-·- | -·- | -·- | -·- | left Compd. |
| 22 | Daud Minj | -8- | -·- | -·- | -·- | left C.K. Pur. |
| | Total | 132-12- | 13-4- | 1-·- | 14-4- | |

Recd at 8:30 Pm. [illegible] 11.12.41

15

44

C.

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

RANCHI TEL. 11 DEC 41

NOTICE.

This form must accompany any inquiry made respecting this Telegram.

| Charges to pay, Rs. | As. | Office Stamp. |
|---|---|---|
| | | |

| Handed in at (Office of Origin). | Date. | Hour. | Minute. | Service Instructions. | Words. |
|---|---|---|---|---|---|
| Jamshedpur | 11 | 12/10 | | | 16 |

TO

Recd. here at 19 H. 32 M.

Tiga Lutheran Secretary
Ranchi

Sonari mandli panch
suspects illegal connection
between two = Kandulna =

N. B.—The name of the Sender, if telegraphed, is written after the text.

Lal Chand & Sons, Printers, Calcutta—No. 1390R (B-208)—17-12-40—50,000 Bks.

15 Camp Chaibasa 23.1.42.

गुवा मराउली का गड़बड़ (Gua Ore mines) Singhbhum)

C.C. कमिशन का रिपोर्ट (17-22 जनवरी १९४२)

चैबासा इलाका चेयरमेन ने C.C. को रिपोर्ट दिया था कि गुवा में मराउली की आमदनी विषयक गोलमाल है अर्थात centralisation, मराउली पैसा, घड़ासिरनी आदि बन्द हैं।

C.C. की आज्ञा से मैं Rev. C.K. Bhengra के साथ 19th January 1942 को गुवा पहुंचा और 20th January को वहां की मराउली के साथ meeting हुई। प्रार्थना और उपदेश के साथ मीटिंग आरम्भ हुई। बाद इसके विषयों पर बात विचार बहुत देरी तक हुआ - अन्त में समझाने के बाद यों फैसला हुआ:-

१. Centralisation January 1942 से regularly होगा। (सभों ने मंजूर किया।)

२. मराउली पैसा कलीसिया की महासभा के फैसला अनुसार १९४२ से जारी होगा, किसी का उजुर नहीं माना जायगा।

३. घड़ासिरनी ठीक से चालू होगा।

४. गुवा का गिर्जा घर नहीं है सो १९४२ में मराउली अपने खर्च से बनावेगी, इलाका चेयरमेन देखे कि सुसमय में गिर्जा घर बने।

५. मराउली पंच ने अपनी मराउली के सब कामों का भी ~~Responsifty~~ responsibility लिई।

अन्त में पंच सेक्रेटरी ने प्रार्थना किई और मीटिंग शांत भाव से अन्त हुई।

मैं ने Rev. C.K. Bhengra Ilaka Chairman के साथ 21+22 January को Jamda Baghiaburu (Iron ore mines) की मराउली को देखा - यहां की मराउली की लौकिक और आत्मिक दशा अच्छी मालूम होती है।

आप का विश्वासी
Luther Jojowar,
Church Supervisor.
23.1.42.

Christ Kalyan Bhengra
Ilaka Chairman
Chaibasa
23.1.42

(8) G. E. L. Church
Chaibassa
9. XII. 41

महा मान्यवर प्रेसिडेन्ट J. Stosch को बहुत २ यीशुसहाय !

1. मैं सफर से ७वीं दिसम्बर रात को चाईबासा लौटा और आप का हेदायत और १९४२ का एकपंजिका मुझ को मिला जिसके लिये आप को बहुत २ धन्यवाद होवे ।

2. गुवा मैन्स (Gua-Iron ore Mines) के भाईयों से मंडली पैसा असुल नहीं होता है । वहां के कितने पंच लोग अपनी इच्छानुसार चलने और करने चाहते हैं । अन्य मंडली आमदनियों को भी सेन्ट्रालेज नहीं करते हैं । मैंने उनको समझाया और वहां के चेयरमेन को फिर २ के कहा पर अभी तक कुछ नहीं हुआ । अन्य जगहों में मंडली पैसा नियमानुसार असुल किया जाता है । मंडली पैसा के बिषय और अन्य बातों के बिषय पीछे सुसमय में आप को फिर रिपोर्ट दिया जायगा । अर्जी है कि चार्च सुपरवैजर को एक बेर भेजिये प्रभु के जन्म पर्ब्ब के पीछे कि उनके द्वारा भी गुवा पंच लोग समझाये जावें बाद उन पर कारवाई किया जायगा । भाई लोग देने चाहते हैं पर अनेक पंचों के कारण मंडली पैसा असुल नहीं होता है ।

आप का आज्ञाकारी
Christkalyan
Bhengra

CC

G. E. L. Church
Chaibasa
23.1.42

Manyawar C.C. Secy. Ko bahut 2 yishusahay!

Gua Mines men jo golmal tha so suphai kiya gaya hai. uska report ap ke pas bheja jata hai. Church Supervisor ne mere sath Janda aur Baghiaburu Mines ki mandlion ko bhi dekha aur bhaiyon ko Niti bachan 14, 34 " dharmm jatigan ko barhata hai par pap logon ke liye kalank hai". ka sundar upadesh diya.

Ham log Prabhu ki daya se achhe hain aur ap logon-ka bhi wahi umed rakhte hain.

Yours Sincerely
C. K. Bhengra

G. E. L. Church
Chaibassa
12.1.42

Manyawar Secy Revd J. J. P. Tiga,
ap ko bahut 2 yishusahay!
Ap ki 10.1.42 ki chitthi mujhe 11.1.42 ko mili aur malum huwa ki C.C. Church supervisor ko Gua bhej rahi hai. Revd Luther Jojowar, Babu D. D. Minj ke paas chitthi likh sakte hain jo wahan ki Committee ke Chairman hain. Revd Luther Jojowar mujhe bhi thik samay men hal denge jisten mera tour Programme bhi thik rahe. Babu D. D. Minj Gua Mines ke office men Kam Karte hain. yahan 1941 men Mandli aur School ka kam achha hi chala jiske liye Ishwar ko bahut 2 dhanyabad.

Apka bishwast
C. K. Bhengra

Address
Babu D. D. Minj
Iron ore Mines Gua
P. O. Gua
Singhbhum Dist.
B. N. R

The Rev. M Sanga

To,
The Secretary
G.E.L. Church.

re/ 15 23

Chakradharpur.
5-1-42.

Manyawar Mahashay ko Yishusahay.

Notice ka samay ant hua aur aj 5 January ho gaya hai aur main nahin janta hun kitna din men uska karrwai kia jayga aur yadi nahin karrwai kia jayga to age ko ghar kiraya aday karna ati kathin ho jayga.

Monthly report bhejta hun jo is prakar hai.

Total due up to December 31, 1941 is Rs One hundred and thirty four and annas four only and realised in December 41 Rs six and annas eight only.

| No. | Name | arrear due upto Decr 31, 1941 | arrear paid in Decr '41 | current (Decr) | Total | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Mangal Horo | 0-8-0 | 3-0-0 | -.-. | 3-.-. | |
| 2 | William Tirkey | 12-8-0 | -.-. | -.-. | -.-. | |
| 3 | Prabhusahay Purti | 3-8-0 | -.-. | -.-. | -.-. | |
| 4 | Eliajar Tirkey | .-8-. | .-8-. | -.-. | .-8-. | |
| 5 | Bertha Minj | 4-8-. | -.-. | -.-. | -.-. | |
| 6 | Salomi Tirkey | 3-0-. | -.-. | -.-. | -.-. | |
| 7 | Markas Kandulna | 1-.-. | -.-. | -.-. | -.-. | |
| 8 | Gabriel Soy | 12-.-. | .-8-. | -.-. | -8-. | |
| 9 | Mangal Hurad | 19-12-. | - -.-. | -.-. | -.-. | |
| 10 | Martin Toppo | 15-4-. | .-8-. | -.-. | .-8-. | |
| 11 | Sachidanand Hurad | 3-8 | -.-. | -.-. | -.-. | |
| 12 | Benjamin Kandulna | -.-. | -.-. | .-8-. | .-8-. | |
| 13 | Nehmia Bhengra | .-8-. | .-8-. | -.-. | .-8-. | |
| 14 | Premnath Indwar | -.-. | -.-. | .-8-. | .-8-. | |
| 15 | Elias Toppo | .-8-. | .-8-. | -.-. | .-8-. | |
| 16 | Salomi Mardi | 8-8-0 | -.-. | -.-. | -.-. | |
| 17 | Jiwan Tirkey | 6-12-0 | -.-. | -.-. | -.-. | left room |
| 18 | Michael Hurad | 19-0-0 | -.-. | -.-. | -.-. | |
| 19 | Mangal Tirkey | 6-12-0 | -.-. | -.-. | -.-. | left Compd. |
| 20 | Samuel Toppo | 11-.-. | -.-. | -.-. | -.-. | left C.K.P. |
| 21 | Irene Hurad | 5-0-0 | -.-. | -.-. | -.-. | left Compd. |
| 22 | David Minj | 0-8-0 | -.-. | -.-. | -.-. | left C.K.P. |
| | | 134-8-. | 5-8-. | 1-.-. | 6-8-. | |

Your faithfully
M Sanga.

# BOARD OF MANAGEMENT OF THE GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH PROPERTY IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

**Members :**

1 *President* :—Rev. J. Stosch, Lic. Theol.
2 *Secretary & Treasurer* :—D. M. Panna, Esqr., B. A., Deputy Magistrate (Retd.)
3 Rev. I. Cannaday, M. A., D. D.,
4 Dr. R. B. Manikam, M. A., Ph. D.,
5 Rev. J. J. P. Tiga, B. D.,
6 Rev. W. Radsick,
7 N. Soy, Esqr.
8 C. K. Kongari, Esqr., B. A., Deputy Magistrate.

**Staff :—**

1 *Manager* :—D. M. Panna Esqr., B. A., Purulia, Dist. Manbhum.
2 *Assistant Manager* :—Mr. N. Toppo, Ranchi.

No. 128/4 *Dated the* 24th March 1942.

The Secretary,
G.E.L.Church,
Ranchi.

Dear Mr. Tiga,

I am sending you copies of the following correspon- -dence that I have received from the Rev. C.K.Bhengra, Chaibassa:-

" From the Honorary Secretary,
the Chaibassa Central Co-operative Bank Ltd., Chaibassa.

To the Pastor, Lutheran Mission, Chaibassa.

Dated Chaibassa, the 17th March 1942.

Sir,
I beg to state that the Registrar, Co-operative Societies, Bihar, has been pleased to order that the whole of the surplus reserve of the defunct Lutheran Mission C.S. less audit fees to be spent over the construction of a hostel attached to the Lutheran U.P. School at Chaibassa as desired by the members. I therefore request you to allot the land for construction of the hostel.

Yours faithfully,
Sd/- N.C.Sen Gupta.
Honorary Secretary. "

" G.E.L.Church, Chaibassa 19.3.1942.
Manyawar Mr. D.M.Panna ko Yishusahay.
Kal 18.3.1942 Honorary Secretary N.C.Sen Gupta se ek chitthi mili jisko main ap ke pas bhej deta hun. Hamon ne school building ke pashchim jagah chun liya hai. Ap log kripa karke manjur kijiye.Main ne Honorary Secretary se puchchha ki kaun ghar ko banawega? Jabab mila ki kisi Contractor ko kam diya jawega. Rs 500/- se upar hai. Jo kuchh iske sambandh men ap logon ko bujhne ko hai to Honorary Secre- -tary ko puchh sakte hain.
x x x x x x x xx

Hostel ke liye jagah ke bishay kripaya jaldi jabab dijiye.

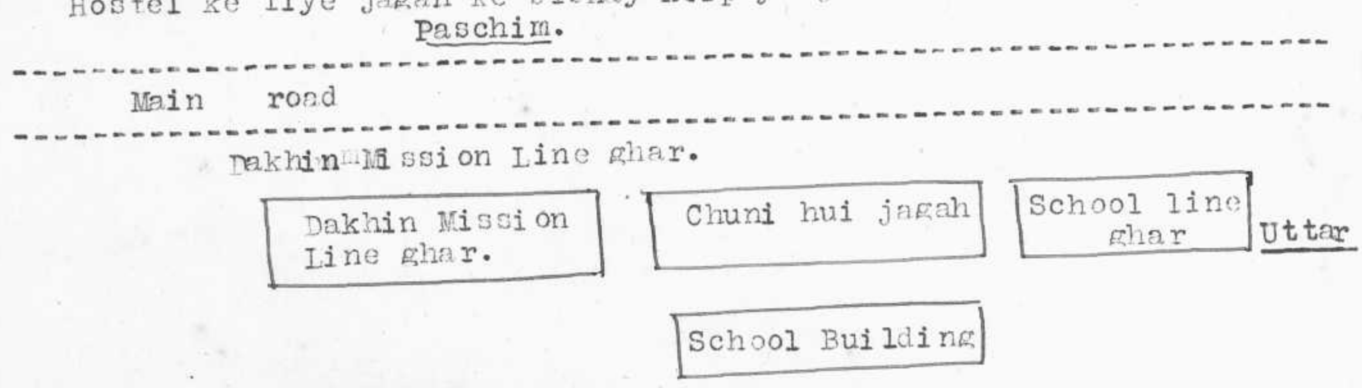


Map jisse ap ko yad ho sakta hai. ".
Sd/- C.K. Bhengra.
19/3/42.

I do not know if the Supervisor Mr. Soy has been informed about

P.T.O.

the construction of any school hostel. When the hostel will be, so to say, a thing of gift there should be no objection in the building of the hostel at the side selected by the Chaibassa Christian folks.

Yours sincerely,

[signature] 24.3.42

*Secretary, Board of Management*
*G. E. L. Church Properties,*
*Chotangpur & Assam.*

15

# The Gossner Evangelical Lutheran Church, Jamshedpur.

*Chairman* : **Rev. S. HEMROM, L. Th.**
*Secretary* : **P. D. KANDULNA, B. A.**

Replied 9/3
[illegible]

*No.* ............ *Dated* ............ 19

27, Hume Pipe Rd.
Jamshedpur
6. 8. 42

Dear Rev. Tiga,

We hear that our Lutheran compd in Ranchi is to be evacuted for the ~~[illegible]~~ military and that the missionaries have shifted to Ganiropur and other places. The schools also, we are informed shifted to other places. If this is a fact will you please immediately inform us whether the Mahasabha can have its session this year or the date fixed for it. I need this information urgently as I have to apply for leave if I have to attend the Mahasabha.

Hoping all to be well

Yours Sinly

P. D. Kandulna
6/8/42

23rd. Febry. 2

535/42/F.- 15.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. C.K.Bhengra, Ilaka Chairman, Chaibassa for information and guidance.

Secretary,
G.E.L.Church.

Extract from the Minutes of the Executive Cee of the Church Council D/- 20.2.1942.

" Item 3. Stolen money of Chaibassa schoo

Read the reports of the Headmaster and the Ilaka Chairman :

After consideration the Committee accepted the recommendations of the Ilaka Chairman. The Headmaster should refund the money @ Rs.5/- per month."

...............

File

15

G. E. L. Church
Chaibassa
29.1.42.

Manyawar C.C. Secy ko Yishusahay!
Main Chaibassa Ilaka ke 1941 ka census bhejta hun. Kripa karke grahan kijiye.
Ham log Prabhu ki daya se achhe hain aur ap logon ka bhi Prabhu ki or se kushal hove.

Shubh
C.K. Bhengra

8

File No. 15.

10th January 42

100/42

The Rev. C.M. Vengra.
G.E.L. Church, Chaibassa.

Manyawar Rev Bhengra ko hardik Yisusahay.
Maharbani ki ap ki chitthi 9.12.41 ke bishay Church Council Executive ne 7.1.1941 ko phaisla kiya ki Church Supervisor ek tiar kiya jawe aur jo baten ap ne pesh ki hain unke bisay bhaiyon ko samjhawe. We fursat banate jaenge.

Yadi aur kuchh baten is bishay men hain to likhiye ki Church Supervisor ko aguwai mil sake jaise yadi wahan ke bhaiyon ke pas likhna hoga to kiske nam men likhenge.

Ap ko Mayabal mubarak ho.
Rem Se, J. Tiga

15

# The Gossner Evangelical Lutheran Church, Jamshedpur.

File

Chairman : Rev. S. HEMROM, L. Th.
Secretary : P. D. KANDULNA, B. A.

No. ........ Dated 17-11-1941

The Editor,
The Gharbandhu.
Ranchi.

Dear Sir,

I shall be much obliged for your publishing the attached advertisement in the next issue of your Gharbandhu.

Yours faithfully.

P. D. Kandulna
17/11/41

22 III 15

Chakradharpur
28.8.41

The Secretary, G.E.L. Church, Ranchi;

Sir,

I am sending you the report of the houses of G.E.L. Compound at Chakradharpur.

August 1941

| Name of Tenant | arrear due upto end of Aug. | | | arrear paid | | | Current paid | | | Total | | | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Mangal Horo | 2 | 8 | - | 1 | - | - | - | - | - | 1 | - | - | |
| William Tirkey | 10 | 8 | - | - | 8 | - | - | - | - | - | 8 | - | |
| Prabhusahay Purti | 3 | 8 | - | 1 | - | - | - | - | - | 1 | - | - | |
| Eliajar Tirkey | - | 8 | - | - | 8 | - | - | - | - | - | 8 | - | |
| Bertha Minj | 5 | 8 | - | 1 | - | - | - | - | - | 1 | - | - | |
| Saloni Tirkey | 4 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | |
| Markas Kandulna | 1 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | |
| Gabriel Soy | 11 | 8 | - | - | 8 | - | - | - | - | - | 8 | - | |
| Mangal Hurad | 19 | 12 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | |
| Michael Hurad | 17 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | |
| Martin Toppo | 15 | 8 | - | - | 12 | - | - | - | - | - | 12 | - | |
| Sachidanand Hurad | 4 | 8 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | |
| Benjamin Kandulna | | nil | - | - | - | - | - | 8 | - | - | 8 | - | |
| Nehmia Bhengra | | nil | | - | 8 | - | - | 8 | - | 1 | - | - | |
| Premnath Indwar | - | 8 | - | - | 8 | - | - | - | - | - | 8 | - | |
| Elias Toppo | - | 8 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | |
| Saloni Mardi | 8 | 8 | - | 3 | - | - | - | - | - | 3 | - | - | |
| Nathaniel Horo | - | 8 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | left room |
| Jiwan Tirkey | 7 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | left room |
| Mangal Tirkey | 6 | 12 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | left compd. |
| Januel Toppo | 11 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | left Chakradharpur |
| Tunu Hurad | 5 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | left ~~room~~ compound ~~[illegible]~~ |
| Daud Minj | - | 8 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | left Chakradharpur |
| Total | 136 | - | - | 9 | 4 | - | 1 | - | - | 10 | 4 | - | |

Aug 9-4-0
Septr 11-12-0
21.

Kitnon ne is mahina men kuchh nahin dia, bole ki pichhe denge; jaisa ki Saloni Tirkey, Markas Kandulna, Mangal Hurad, Michael Hurad, Sachidanand Hurad. Bahuton ka bahut bahut hogaya aur we dene men parishram nahin karte hain. Ghar kuchh bhi nahin maramat kia gaya, aur asha nahin ki kuchh maramat kia jayga

Apka bishwast

M Sanga

28.8.41

15

File

G. E. L. Church
Chaibassa
7.7.41

Mányawar Revd. J. J. P. Tigá ko babut 2 yishusaháy!

Main bhái Andrias Hemrom ki switya aur uská chhota jiwan Charitra likh ke áp ke pás bhejtá hun. Kripá karke August ke gharbandhu men jagah dijiye aur Chhapwá dijiye. Jyade dhanyabád.

Idhar lagátár 8, 10 din se páni baras rahá hai. Yathest bristi ho rahi hai. Nadi nala labalab bhar gaye hain.

Mandli ke bhai báhin aur School ke larke & larkian sab Prabhu ki daya se achhe hain. Ap logon ke bishay bhi wahi umed hai.

Shubh
C. K. Bhengra

1797/41/F.15. 27. 8. 1

The undermentioned document is forwarded to the Asst. Manager, G.E.L.Church Properties for information and necessary action . If necessary he may go to Chakradharpur and study the situation after his last visit and then recommend to the C.C. what actions must be taken for proper realization of the rents both fallen due and present.

Secretary,
G.E.L. Church.

Extract from the Minutes of the meeting of the C.C.Executive ~~meetingx~~ held on the 20th. August, 1941.

ITEMØ.8.

" Chakradharpur house rent arrears.-

Resolved that Mr. N.Toppo be asked to take steps. He should give his suggestions and the Secretary and the President are authorised to give necessary orders to Mr. Toppo in this connection. "

.........

Memo No. 1798/41/F.15
D/ Ranchi 27. 8.1941.

Copy forwarded to the Manager of Properties, G.E.L. Church for information.

Toppo
Secretary,
G.E.L.Church.

13.

C 15

G. E. L. Church
Chaibassa
5.6.41

Mahamanyawar Revd J. Stosch, President ko
bahut 2 yishusahay!

Ap ki chitthi 27th May 1941 ki mili aur matlab malum huwa hai. Reda mandli ke bishay men full C.C. men kya akhri phaisla huwa hai kripa karke janaiye. Deri howe se wahan ka dekh bhal puri riti se Revd Markas Sanga se nahin ho raha hai. C.C. Secy se hal mila tha ki Revd Masihdas Lakra se report milne se phaisla hoga. Abhi tak akhri phaisla C.C. ki or se hamon ko nahin mila hai.

Babu Jorong kumar Surin se aj 5.6.41 charge liya gaya isliye yadi Ranchi pahunchne men deri howe to kripaya maph kijiye. Yadi thik samay men charge liya jata to wah 5.6.41 ko Ranchi pahunch jata.

Apka agyakari
Christ Kalyan Bhengra

87 T6/6 CC 15

To
The Secretory of G. E. L.
Mission. Ranchi

Sir
Mandli ke taraph se jishusahai. mai Church. Council ke member logon se mera arji hai ki. chakal dhas pus mandli ke acchha chah-ta hai to. chitthi pate ke sath ckl. mandli ke khalai karne ke waste 3-4 ~~ta~~ member a-kar. ckl. mandli khalai kar-ke lant. kar jai.

1. mandli ke ghar ke wale.
2. Harad gharana wale.

Sab ko mera jishusahai. age ap logon ka.

ckl. mandli Khajurchi
P. C. Kerzur. sachiv

yahbhi ap. log. jaeie ga.
ap log. turanth na. aee
se: mandli bahut jor.
gar-bar. hota hai aur hogi.
aisha. ki Caust-lah.
mai shun. kar- ap. logon. ko
Khabar. dete-hai.

9 15

To.
The Secretary of G.E.L. Mission
Ranchi.

Sir,

Chakradharpur ki mandli ki Bhai bahin lusteph ne jis men Ap ka bheja hua khat jo ghar bhara bahuth tha wah ghar bhara dar sab ko suna dia gaia par ko hi dia nahi na dene chahte hai kebal walla hai dega.

Mai dekh raha hun kar aur lachar ho kar likhne ki prarthna ki ap turanth ek prabandh kar ghar ki bhara adai kijia chahe jo nahi dega us ko nikal bahar karna hoga kar nikal dijia tab to

mandli bhi achhe se chalegi
aur ghar ki raksha hoga.
CKP me miting kar ke
minit bheje waisa kaam.
is barush nahi chuna gai a-
bhul chuk madhye ke maang:
ap logun ka Christi

Bhai:
P. C. Kuzur.
Ckp. G. E. L. mandli ka
Khajanchi
11/6/41.

The Secretary
G. E. L. Church
Ranchi.

Chakradhapur
17-6-41

Manyawar Mahashay

Ap ko janaya jata hai ki, abhi Chakradharpur Mandli men bahut garbar hai. Bite 13 June 41 ko jab ki ham log Chhokra Chhokri garbar bishay men meeting kie jis men wah party jo doshi kaha jata tha meeting men nahin aya to 'is prakar se to meeting kaisa hoga, aur kea karenge' isi ka bat chit ho rahi thi ki ukt party ke log agaye, aur ek beg jhagra aur dhakam dhaki suru ho gai. Kaick Panch us party ka paks liye aur dosh dene walon par charhai kia, aur main kitne panchon ke sath un ko manane aur rokne lage par mane nahin aur is tarah se meeting kuchh kam ka nahin hua. Ab yah garbar mandli ke bigarne ka karan ban gaya hai. Aise hi logon ke karan se Mandli nahin sudharti aur ghar bhara bhi aday nahin hota hai, aur C.K. Pur Panch July se ghar bhara aday karna chhor ~~deg~~ dene chahti hai.

P. T. O.

Mera jor dekar arji hai ki C.C iske bishay men uchit chinta kare ki Chakradharpur men mandli aur Padri rahe.

Ap ka bishwast

N. Sanga.

P.S. Ilaka Chairman Chaibasa ko bhi iska nakal dia gaya, wah is samay Tour men hoga

N.S.

15

cc

file

8

The Gossner Evangelical Lutheran Church, Jamshedpur.

Chairman: Rev. S. HEMROM, L. Th.
Secretary: P. D. KANDULNA, B. A.

No. ........ Dated 9-6-1941

सेक्रेटरी, जी॰ ई॰ एल॰ चर्च कौंसिल
रांची।

मान्यवर सेक्रेटरी,

जमशेदपुर की अपील के विषय आप के कार्यकारिणी सभा और पूरी कौंसिल के फ़ैसले प्राप्त हुए। मैं जमशेदपुर की पैरिश कमिटी अत्यन्त खेद के साथ इन फ़ैसलों का नोट करते हुए चर्च कौंसिल को यह जनाने चाहती है कि इस विषय पर कौंसिल का फ़ैसला प्रेमयुक्त नहीं मालूम होता है। इस फ़ैसले को करने के पहले चर्च कौंसिल को अच्छा होता कि वह जमशेदपुर मंडली की अवस्था की जांच कर लेती। चर्च कौंसिल के मेम्बर कदाचित जमशेदपुर की अवस्था, उसकी आवश्यकताओं और घटियों का study नहीं कर सके होंगे। जमशेदपुर एक ऐसी जगह है जहां भाई बहिनों की चरवाही और उनकी रक्षा के लिये कठिन परिश्रम, और उनको आत्मिक शिक्षा और आत्मिक और आवश्यकताओं को पूरी करने के लिये कितने बहुत प्रबन्धों की निहायत जरूरत है। यहां केवल एक पादरी कर्मचारी हैं और उनके अलावे, मंडली के भाई बहिनों की देखभाल, उनकी चरवाही उनकी सुधि लेने को और अविश्वासियों के बीच काम करने को कोई ऐसा कर्मचारी नियुक्त नहीं किया जा सका है जो इन कामों को उचित रीति से काम कर सके। यह केवल फंड की घटी ही के कारण से है।

15

The Gossner Evangelical Lutheran Church, Jamshedpur.

Chairman: Rev. S. HEMROM, L. Th.

यहां जैसा आवश्यक है लड़कै लड़कियों को धर्म के ज्ञान और शिक्षा में बढ़ाने और उन्हे ~~अच्छे~~ ख्रिष्टियान बनाने के कोई उपाय नहीं हैं हो सके हैं। अब तों कोई ऐसा स्कूल नहीं खड़ा किया जा सका था जहां लड़के लड़कियां भेजे जा सकते थे। सन्डे स्कूल कर्मचारियों के न रहने के कारण सुन्दर रीति से नहीं चलाये जा सकते हैं और इनका मूल कारण फंड की घटी है। चर्च कौंसिल के उन मेम्बरों को स्मरण होगा जिनको कभी जमशेदपुर आने का मौका हुआ है कि यहां के ईश्वरोपासना के घर कैसे छोटे, टूटे फूटे झोपड़े हैं। इनकी अवस्था ऐसी है कि भाई बहिन इन झोपड़ों में कभी भी सुविधे से ईश्वराराधना नहीं कर सकते और ये भी ~~चर्च~~ यदि जल्द नहीं बदल दिये जावें तो ईश्वरोपासना भी कठिन होगा। चर्च कौंसिल को यह बात मालूम हुई होगी कि कितने भाईयों की चेष्टा से यहां तीन लोअर प्राईमरी स्कूल खड़े किये गये हैं पर इनके लिये स्कूल मकान न होने के कारण कठिन असुविधायें हुई हैं। स्कूल मकानों के बनाने की भी निहायत आवश्यकता है। फिर इन स्कूलों को चलाने के लिये आने वाले वर्ष से प्रतिमास १५०) रुपये की आवश्यकता होगी।

इतने वर्ष हुए यहां की मंडली पादरी के रहने के लिये भी कोई मकान अब तक नहीं बन सकी है और इसका भी बन जाना अति आवश्यक है। इनके अलावे मंडली के और और कामों के लिये जमशेदपुर की मंडली को बहुत रकम की जरूरत है और इस भार को उठाने को जमशेदपुर मंडली को वर्तमान में कोई शक्ति नहीं है।

# The Gossner Evangelical Lutheran Church, Jamshedpur.

*Chairman* : **Rev. S. HEMROM, L. Th.**
*Secretary* : **P. D. KANDULNA, B. A.**

*No.* .............. *Dated* .................. 19

चर्च कौंसिल को यह बात भी मालूम होगी कि यहां केवल ५०० से कुछ ऊपर दृढ़िकृत भाई बहिन होंगे और इन मेंसे भी कितने बहुत जीविका के लिये घर के एक मालिक पर निर्भर रखते हैं। इतने बर्षों, की यहां की आमदनी से चर्च कौंसिल को स्पष्ट होगा कि जमशेदपुर मंडली अब तक केवल अपने पास्टर को साल के अन्त तक भी उसके वेतन की पूर्ती कर सकी है। यह जमशेदपुर की किसी प्रकार की बड़ी शक्ति नहीं है। परन्तु यह पैरिश छोटानागपुर के ~~किसी~~ किसी पैरिश की बराबरी नहीं है।

अपनी ऐसी अवस्था होते हुए भी जमशेदपुर मंडली समय पर और अपनी शक्ति भर अपनी बहिन मंडलियों को प्रेम दिखा कर उनको मदद देने की चेष्टा की है और यह इसी कारण से कि वह अपनी बहिन मंडलियों से प्रेम रखती है और यह भी आशा रखती है दूसरी बहिन मंडलियां उसे भी प्रेम रखेंगे।

हमारी पैरिश कमिटी को इसका भी अत्यन्त खेद हुआ कि जो भी उसकी अपील चर्च कौंसिल के आदेश के अनुसार इलाका चेयरमैन के मारफत भेजा गया यह अपील ~~वापस~~ निष्प्रेमता के साथ वापस कर दिया गया यह कहके कि इलाका कमिटी कितने समय तक इसका बिचार नहीं कर सकती है।

आप का विश्वस्त

P. D. Kandulna

9/6

976/41/F- 15. 22nd Apr. 1.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. Marcas Sanga, Chakradharpur for information, guidance and compliance.

Secretary,
G. E. L. Church.

---

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Committee held on the 9th April, 1941.

Item No. 34.

" Application of Babu P. C. Kujur of Chakradharpur on behalf of the Chakradharpur Mandli Panch regarding the House Rent :-

It is reported that a sum of ~~Rs. 14-2~~ Rs. 143-4-0 is outstanding against the tenants till the end of March, 1941.

Resolved that the Chakradharpur Mandli Panch be warned to collect regularly and to see that this outstanding is collect soon and to report to the Church Council within a month."

---

975/41/F-15. 22nd Apr. 1.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. C. K. Bhengra, Chaibassa for information and guidance.

Secretary,
G. E. L. Church.

---

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Committee held on the 9th April, 1941.

Item No. 31.

" Repairs of the Lutheran Boys' U. P. School, Chaibassa :-

The estimate was carefully examined and it was,

Resolved that Rs. 65/2/- be granted for repairing the windows and the roof. Rev. C. K. Bhengra be told that the Council cannot pay anything for the item on cementing the office room and the school verandah."

---

1440-41/41/F.-15

24. 6. 1

The undermentioned document is forwarded to the Rev. C.K.Bhengra, Ilaka Chairman, Chaibassa and ~~the~~ Mr. P.D. Kandulna, Parish Secreray, Jamshedpur for information and guidance.

Secreray, 24/6

G.E.L.Church .

Extract from the Minutes of the Full Council Meetings held from the 18th. June, 1941.

" Item 8 Jamshedpur Parish Representation :

Jamshedpur Parish ka representation Ta: 9.6.1941 ka parha gaya. Soch bichar ke bad phaisla kiya gaya ki.-

(i) Chaibassa Ilaka Chairman ko janaya jawe ki jo darkhasht Jamshedpur Parish Ilaka ke jariye bhejne ke liye unke pas bheja tha usko Church Council ke pas pas bhejna chahiye tha. Uska lautane ka hak nahin tha. Nischay apni jo ray ho chahiye paksh men chahe bipaksh men likh dena hak tha. Age ko isi kayde par kam kiya jawe, koi darkhast na lautaya jawe.

(ii) Har ek Parish apne hi Parish ke bhitar chanda uthakar Girja ghar banawe. Praman hai ki bahar se chanda nahin milte hain. Jamshedpur Parish apne Parish ke bhitar chanda batore. Company se aur un achristian bhai bahinon se bhi chanda bator sakte hain jinse pane ki asha hai. Batore huwe chanda se Girja gharon ko banawe jaisa Jamshedpur Parish ne prastaw kiya hai ".

F. 15

To

The President

G. E. L. Church

Chakradharpur

28-3-41

Dear Sir,

The marriage day of Patras Topno, the asst. Vety. Sergeon, is the 17th april 1941, fixed, at Bhatanda in Godda Subdivision. I came to know in that part C. M. S. Mission will perform the marriage ceremony contrary to our agreement.

I humbly request that you would kindly inform Rev. Jogender Soren, C. M. S. Mission Pathra, P. O. Godda. Santal Pragnas, that Lutheran Pastor will perform marriage ceremony.

2, that you would kindly permit me to go with mr. Patras Topno to perform ceremony.

Yours faithfully

M. Sanga.

34 (a). Other Items

F. 15

8/4/1941

To

The secretary

G. E. L. Misson.

Ranchi

आप को मेरी ओर से दिनवादिन होवे और होता रहे। आगे मेरा कहना यह है कि चक्रधारपूर का पादरी साहब किसाये घर के बारे चिट्ठी दिये, उसी को मैं नम्रता पूर्वक आप से अर्जी करता हूं, कि इसका उचित विचार करके आप सब खबर दिजीये।

आप का खजान्ची

P. C. Kuzur.

8/4/41.

Chakradharpur
2-4-41

Babu P. C. Kujur ko saporiwar hamon kai or se bahut bahut yishusahay

Ap aye the par yahan ap se mulakat karne nahin saka yah bichar karke shanti liya ki main ap ko likhunga.

1 Gharbhara ke bishay men ki August se aj tak kewal Rs46.4as aday hua hai. aur aj 1st April tak men Rs143.4as arrear hai, ap wahan gaye hain, 'kea karna hoga aur kaisa karna hoga' iske bishay men adhikarion se bat chit kariye. Main list deta hun ki kiska kitna baki hai.

arrear due upto 31st March'41

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 Mangal Horo | 5-0-0 | | 56-0-0 |
| 2 William Tirkey | 10-8-0 | 9 Gabriel Soy | 10-8-0 |
| 3 Prabhusahay Puti | 5-0-0 | 10 Michael Hurad | 15-0-0 |
| 4 Eliajar Tirkey | 2-8-0 | 11 Martin Toppo | 15-0-0 |
| 5. Bertha Minj | 12-0-0 | 12 Sachidanand Hurad | 4-0-0 |
| 6 Salomi Tirkey | 2-8-0 | 13 Benyamin Kandulna | 2-0-0 |
| 7. Markas Kandulna | 0-8-0 | 14 Salomi Mardi | 9-0-0 |
| 8 Mangal Hurad | 18-0-0 | 15 Nathaniel Horo | 0-8-0 |
| | 56-0-0 | 16 Jiwan Tirkey | 7-0-0 |
| | | | 119-0-0 |

| | | |
|---|---|---|
| | | 119-0-0 |
| 17 | Mangal Tirkey | 7-12-0 |
| 18 | Phanuel Toppo | 11-0-0 |
| 19 | Tunu Xxxad | 5-0-0 |
| 20 | Daud Minj | 0-8-0 |
| | | 143-4-0 |

Doctor P. Topno ke shadi bishay mem Stosch saheb ko likha ki shadi jane ke liye anumati dewe par ajtak kea hota hai saheb ne jabab nahim dia hai. Stosch saheb ka matlab kaisa hai. Doctor bahut chinta men hain.

Ajkal Sahay larka ko chhor sab achhe hain usko phir bhi aukh dard hai. ap logon ka kushal howe.

ap ka
M. Sanga

Main Stosch ko likha hai ki kitna Gharbhara aday hua aur kitna baki hai aur arji kia ki bakaya rakhne walon ka kuchh bichar kia jay. M. S.

1228/41/F- 15. 17th May 1.

The undermentioned document is forwarded to Mr. P. D. Kangulna for information and guidance.

Secretary,
G. E. L. Church.

---

Extract copy from the Minutes of the Full C. C. meetings held on the 17th April, 1941 in the morning.

Item No. IV (5)

" IV. Matters arising out of Minutes :-

(1) --- --- --- --- --- ---
--- --- --- --- --- ---

(5) Jamshedpur ki arji :-

Girja ghar banane ke sambandh men Jamshedpur ki jo arji hai us ke bishay Full Church Council bichar karti hai ki yah uchit nahin hai ki Jamshedpur dusri Mandliyon se sahayta mange. Wah apne liye girja ghar banane ka bhar ap hi utha sakti hai."

---

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

---

Memo No. 955/41/F- 15. Dated the 18th April, 1941.

The undermentioned document is forwarded to ~~the~~x Mr. P. D. Kandulna, Jamshedpur for information and guidance.

J. D. Tigga
Secretary,
G. E. L. Church.

---

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Committee held on the 9th April, 1941.

Item No. 25.

" Jamshedpur matters :-

(a) Erection of 3 chapels.

(b) Appeal in the Gharbandhu.

As the request has not come through the Chaibassa Ilaka the Secretary was asked to send these papers back to Jamshedpur to be submitted through the proper channel."

---

Enclosures:- Letter & Appeal.

File

F. 15

G. E. L. Church
Chaibasa
12-3-41

Mahamanyavar Revd J. Stosch, President ko
bahut 2 yishusahay!

Report diya jata hai ki Gua
ke mandli panchon ne phaisla kiya hai
ki mandli amdanion ko centralise
nahin karenge. Mandli amdanion se
we log girja ghar banane chahte hain.
Main 8, 9+10th March ko Gua men tha.
9th ko girja huwa aur pavitra Prabhubhoj
banta gaya. Sanjh ko panchon ki baithki
hui aur main bhi hajir tha. Main ne
mandli karmcharion-o-panchon ke kam
aur byawahar ka byora VI ke 7th dara
ko dikhaya ki mandli amdani girja
ghar banane men kharch nahin kiya
ja sakta hai. Sabha ka chairman
Babu D. D. Minj hain unhon ne bhi bahut
samjhaya ki centralise hona chahiye
ham log niyam biruddh nahin karenge.
Centralise karne ke bishay Babu Anand-
masih Topno jo sabha ka Secretary
bhi hain ghor biruddh kiya. Babu
Anandmasih Topno apna swarth
ko pura karne chahte hain.

Panch log C.C. men bhi likhenge aur anumati mangenge kharch karne ka - Wahan ke pandhon ne bite baras jirja ghar banane waste chanda batora, ghar banana bhi arambh huwa, diwal bhi tayar huwa dharna (beam) bhi chadhaye gaye. Bad diwal gir gaya aur ghar nahin bana. Main ne us samay bhi samjhaya ki diwal thik nahin hota hai pichhe gir jaega par unhon ne nahin mana. Abhi usi ghar ko phir se banane ke liye "Mandli amdanion" ko kharch karne chahte hain. C.C. se arj hai ki unko likha jay ki aisa na kare baran centralise kar dewe. Secretary ka address main niche deta huy.

Babu Anandmasih Topno
Assistant Store Keeper
Iron mines Gua
P.O. Gua
Singbhum Dist.

ap ka agyakari
Ch.K. Bhengra

F. 15

13 G. E. L. Church
Chaibassa
12. 2. 41

Mahamanyawar Revd J. Stosch President
ko balut 2 yishusahay!

(1). Mahasabha ke samay Ranchi men Revd Masihdas Lakra Chairman se main ne arji ki ham log Reda 8. 2. 41 ko pahunchenge aur 9. 2. 41 ko wahan girja karenge aur wahan ke bhaiyon ki ichha aur sushila ke bishay C. C. ko janawenge. Revd Masihdas Lakra ne kaha ki abhi unko wahan jana muskil hai.

(2) Main ne Revd Markas Sanga ko Reda bheja ki usamay men Reda ki bat ke bare report dewe. Unka report aya jo ap kepas bheja jata hai.

(3) Reda mandli ke bhaiyon ka lekh bhi ap ke pas bheja jata hai. Unke lekh item (3) ke anusar bachandatt shadi aur Pawitra Prabhubhoj ke liye wahan Revd Markas Sanga jayenge aur unko taklip

nahin hoga. Padri ki yatra kharch
to mandli khajana se diya jata
hai so yah den unko nahin
hoga kewal mandli amdanion
ko centralise karna hoga.

Parish meeting ke liye kisi
Parish panch ko Chakradharpur
ane howe to T.A. diya jata
hai.

Ap ka agyakari
Christkalyan
Bhengra

From
The Rev. M Sanga
To
The President
G. E. L. Church
Through
The Chair-man
Chaibassa Ilaka

Received
11.2-41
C.K. Bhengra

Chakradharpur
10-2-41

Dear Sir,

I, accompanied by Prachark Shankumar Horo, had been to Reda on 8-2-41 according to the order of the Chairman and met with the Panches. The panches told me that they have many obstable and many deffeculties to be member of Chakradharpur Parish.

forwarded to C.C. President for favourable consideration & reply.
C.K. Bhengra
12.2.41

(1) We fully explained them and they agreed ~~to~~ the C.C resolution saying that they would obey the ~~and~~ authority and they gave us a writ. Its original copy is forwarded to you.

(2) I saw the census of 1939 and found there are 30 house of Reda Mandhi in the Singhbhum Dist and 11 house in Nagra state. I found today some 35 houses of Reda Mandhi in the Singhbhum Dist.

(3) I was told that Christians of Reda Mandhi in Nagra state donot want to meet for service apart.

Yours faithfully
M Sanga

मोकाम रेड़ा
तारिख ८-२-१९४१

हम रेड़ा के मण्डली के प्रचारक और पन्च गणों की इच्छा नीचे प्रगट करते है

हम लोग एक दरखास्त रेवा का चेयरमेन राँचीबिरजेरा को दिया था, कि रेड़ा मण्डली चक्रधरपुर Circle में मिला दिये जाने से कईएक बातों की असुविस्ताये है

१- बचनदत्त और सादी में हम लोगों को चक्रधरपुर जाने में बहुत असुविस्ता होगी

2. पंचैत वगैरह बातों में भी चक्रधरपुर जाने में तकलीफ है इत्यादि

3 पादरी बाबु को रेल किराया नहीं दे सकते है अगर चक्रधरपुर के पादरी बाबु सादी बचनदत्त और पन्चैत में आप ही आकर रुपैया लेगें तो हम लोगों को कोई आपत्ति नहीं है, चार्च कौंसिल के फैसला मोताबीक-ही-होवे

हिसाबुस के अन्दर रेड़ा मण्डली में मर्दमसमारी मोताबिक नौकरी वालों को छोड़ कर 30 घर खिष्टियान है और नगरा गांगपुर में जो रेड़ा मण्डली के समील में 6 घर है

1 Nirdosh Prachark

2/ Paulus Tofno

अमुसहय · बरला

3/

4/ John Dhan

5/ जोहनबरला

Received this note on the 8th of Feby'41 at Reda

Lehumkumar, Hon

Rev. M Sanga
8-2-41

File

915/41/F.-15 10.4.1941.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. Marcus Sanga ,Chakradharpur for information and guidance.

Secretary
G.E.L. CHURCH..
CH. NAGPUR & ASSAM.

Extract from the minutes of the Executive Meeting of the Church Council held 9.4.1941 at 3 P.M.

" Marriage of Dr. Patras Topno .-

Rev. M.Sanga ki chithi parhi gayi.

Phaisla huwa ki Rev. Sanga Dr. Topno ko saddi ki sifarish chithi de dewe ki Dr. Topno jake C.M.S.Padri ke hathse sadi lewe.Rev. Sanga ko wahan jake sadi dena achha nahin hoga. "

...........

File

G. E. L. Church
Chaibassa
19.3.41

Mahamanyawar Revd J. Stosch, President
ko bahut 2 yishusahay!

Main ap ke pas 4 gharbandhuon ko bhejta hun jin men drishtant ki baten pai jati hain.

Phir meri arji hai ki 21-24 March tak kripaya chhutti dijiye ghar jane waste. Tiki men bishesh kam hai. Iske liye ap ko bahut 2 dhanyabad

Apka agyakari
Christkalyan Bhengra

490/41/F- 15. 25th Feb. 1.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. C. K. Bhengra, Chaibassa for information and guidance.

Secretary,
G. E. L. Church.

---

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Commtt. held on the 12th February, 1941.

Item No. 13.

" U. P. School Building at Chaibassa. :-

Read letter No. 32/41 dated January, 16, 1941 from the Secretary of the Property Board.

The Council is more inclined to repair the present School building. The local Padri's opinion is invited."

246-47/41/F- 15.            5th Feb.    1.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. C. K. Bhengra and the Rev. S. Hemrom, Jamshedpur for information and guidance.

Secretary,
G. E. L. Church.

---

Extract copy from the Minutes of the Mahasabha of the G.E.L. Church in Chotanagpur and Assam held from 27th to 31st January, 1941.

" <u>3. Jamshedpur alag Ilaka howe wa Chaibassa hi men rahe ?</u>

Mahasabha ne drirhaya ki Jamshedpur Niymawali ke mutabik Chaibassa Ilake hi men rahe. Purb men alag Ilaka ke haisiyat saman byawahar Jamshedpur se kiya gaya wah bhul tha, age aisa na dohraya jawe."

---

248-49/41/F- 15. 5th Feb. 1.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. C. K. Bhengra Ilaka Chairman, Chaibassa and the Rev. M. D. Lakra Ilaka Chairman, Jarakudar for information, guidance and necessary action.

Secretary,
G. E. L. Church.

---

Extract copy from the Minutes of the Mahasabha of the G.E.L. Church in Chotanagpur and Assam held from the 27th to 31st January, 1941.

" 2. Reda Mandli :-

Chakradharpur aur Jarakudar Ilaka Chairmen Reda ke bhaiyon se ray le kar unhen Chakradharpur wa Jarakudar men milane ke liye Church Council ke pas report bhejen."

---

28 2/40 Chalkdhapur. 15 CC

Reached C.K. Pat at about 10 A.M. stayed with Dr. P. Tiguno. Went with Mr. P.C. Kujur and Part time Pracharak Hermas Lakra to visit the families. The general condition is not very pleasing. It is however reported that all attend Church except Mangal Hurad - but yet attendance is not regular. The Part-time Pracharak is paid Rs 2/- p.m. He is a teacher of the Municipal M.E. School. The Church is now in better condition. Mr. Tiguno, Mr. Minj and Mr. Kujur have tried their best to establish unity in the congregation and to improve the chapel. The Special subscription and which they call Mandli subscription and, ~~made~~ started in September 1938 has been spent in repairs of chapel and benches etc for the Church. The Chapel is now with 12 new benches, one chair, baptism stand, mats, 2 lamps.

The Road is still desired.

It is reported that Rev. C.K. Bhengra came here to administer Holy Com. three time. The question of centralisation of Chalkdhapur collection is a disputable thing. The Panches say that they ~~do~~ are waiting for a pastor and as no one was sent benches were made. If one pastor is sent they are prepared ~~to~~ see to his salary as the first item. The monthly amount of collection reveals that the Congregation can pay Rs 15/- p.m.

Mangal Hurad is still occupying the pastor's house. The quarters attached to the chapel is in normal condition. Some tenants are staying there temporarily.

Members are insisting upon a pastor being sent to them. Without a pastor things cannot improve here. There is no other Xtn congregation here.

CKP. 1939

Abstract

| | | | |
|---|---|---|---|
| Etwar Sirni | 13-8-1½ | Padriko | —— |
| Sacrament | 5-8-6 | Bacherak | 22-·-· |
| Shary | —— | Daktrnas | 6-2-· |
| | | Maramat Roti | 1-0-· |
| Kahni | 8-1-9½ | Girja | 34-6-3 |
| Nawakhani | —— | School } Khet } | · —— · |
| Ghara Sirni | 29-15-9 | | |
| Shadi } Babhupnik } | —— | Bharja Chitha | 0-10-0 |
| | | Bahi Kagaj | 3-1-9 |
| | | Panchbaithki | 2-0-0 |
| Mandli Khet | 1-8-0 | Anya | 107-3-9 |
| Mandli Paisa | —— | | 176-7-9 |
| Haka Grb | —— | | |
| Anya | 107-11-1 | Bal | 10-14-10½ |
| Hath men | 21-1-4½ | | 187-6-7½ |
| | 187-6-7½ | | |

## Monthly Income in 1939

| | | | |
|---|---|---|---|
| Jan | 18/-6-1½ | June | 16/- |
| Feb | 19/- | July | 10/- |
| March | 14/- | Aug | 5/- |
| April | 14/- | Sept | 12/- |
| May | 13/- | Oct | 14/- |
| | | Nov | 11/- |
| | | Dec | 23/- |

12 16 8 16 12 48 48

B. N. 3.

BENGAL NAGPUR RAILWAY
INCORPORATED IN ENGLAND

From

No.

To

*Dated* ______ 193 .

SUBJECT :

C.K.P. Monthly Subscription
1939
Treasurer Mr. P. C. [illegible]

| | |
|---|---|
| Jan — | 1-11-6 |
| Feb — | 9-6-9 |
| March — | 13-12-3 |
| April — | 9-7-9 |
| May — | 8-1-6 |
| June — | 9-3-9 |
| July — | 9-3-3 |
| Aug — | 6-14-0 |
| Sept — | 9-7-9 |
| Oct — | 9-11-6 |
| Nov — | 5-14-3 |
| Dec — | 8-15-0 |
| Jan — | 1-2-9 |

The subscription has been spent on repairs of the Church & the furniture (12 benches, 1 chair, 2 lamps & baptism stand mats etc.)

The collection has become slack. They say they will pay if a Padri comes here.

B. N. 3.

BENGAL NAGPUR RAILWAY
INCORPORATED IN ENGLAND

No. ______

From ______

To ______

______

______

*Dated* ______ *193* .

SUBJECT :

Chakradharpur Compound.

Seventeen families live in the Compound. Payment of rent is not certain – The rent has now been reduced to /8/- per room.

Sin against the 7th commandment is very common. In the small compound there are – { Michael Horo, + Rakhni } { Martin Topno + Rakhni }

Julian Dumaria ? with + Potka a Rakhni at
Mangal Horo's daughter. The boy has gone to Tata.

Drinking is a common thing –

Hermas lives at a far distance. He can only be in charge of Sunday worship. He can not and does not look after the fold. A pastor must be sent here soon.

Conducted service in the evening – Preached on Gal. 3. 26+27 and talked on Christian giving.

Deogarh 27. 2. 1940

| m | f |
|---|---|
| 5 | 9 |
| 12 | 9 |
| 5 | 6 |
| 22 | 24 |

= 46

Baptism - 2

# Deogarh (Bamra State)

Came to Deogarh on 26th Feb., arrived at 5 P.M.
Brethren were present at the Bus station with
the Catechist Nehemiah – Garlanding + handwashing
took place – Prayer etc. Then went to a Baptist
brother who is living with his family his wife is a nurse
in the State Hospital. There is another family of
the Baptist Mission but I could not see them.
The nurse + her two daughters partook of the
Holy Communion in their house as has been the
custom – I understand Rev. J. Toppno + Rev. F. Schultze
used to give communion to them according to
Lutheran rites at their house. The family takes
interest in the Congregational matters. The
husband of the nurse Mr. Raut attends
the Lutheran Service and takes interest
in all matters.

Bachaale's house

Flooring + Plaster, tiling, nails, raftering – brethren will do.

lamba – 14 hath } 2 rooms
chaura – 6 hath }
lamba – 6 hath } guest room
chaura – 6 hath }

total 20 × 6 hath

| | | |
|---|---|---|
| Bhit – | 15000 bricks @ Re1/- per thousand | – 15/- |
| | – 10000 Tiles @ Rs4/- " " | – 40/- |
| | 3 Beams @ R/8/- | – 1/8 |
| | 50 Katti | 3/2 |
| | rafters 6 garis @ /5/- | – 1/14/- |
| | Plasters | 10/- |
| | 4 Mistry @ Rs 0/2/8 for 8 days | 3/- |
| | 4 rejas @ -/1/2 " " " | 1/2 |
| | 1 coolie @ -/1/4 " " " | |
| | | 65/10 |

@ /5/- 4 mistries, 4 rejas – 8 days, 1 coolie

Families — 1~~1~~6

One went back to heathenism.

A non-Xtn Munda having a Child wife died — this man David Tirkey (Hari) Munda carried his dead body ~~last~~ Oct 1939 — he was therefore outcast by Xtn Mundas — yesterday (26.2.40) he got himself admitted by the non-Xtn Mundas according to their rites.

There are 4 in state service —

5 families have no landed property — they live by manjhi — & tutka lands.

The rest have landed property.

Pracharak: wants to resign — decided to do so.

File

# The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI, (Bihar) India.

*Secretary*: XXXXXXXXXXXK    No. 1435/40/F- 15.    *Dated the* 15th Aug. 1940.

Offg. Secy:- Rev. J.J.P.Tiga,B.D.

To,

The Rev. C. K. Bhengra,
Chairman, G.E.L.Church,
Chaibassa.

Manyawar Rev. Bhengra ko yishusahay.

C. C. Executive ne Chakradharpur ke darkhast par ( jo sath men bhej raha hun ) bichar kiya. 1st aur 2nd ko C. C. Executive ne manjur kiya. 4th bat ke bishay ap ki ray mangi jati hai. kripa kar apni ray ke sath darkhast ko wapas bhejiye.

Age shubh,

Ap ka bishwast,

J J P Tiga

Offg. Secretary.

# The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI, (Bihar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr.  No. 481/40/F- 15.  Dated the 13th Mar. 1940.

To,

The Rev. C. K. Bhengra,
G. E. L. Church, Chaibassa.

Manyawar Padri Babu ko Yishusahay.

Shriman B. K. Tirkey ko 20th December, 1939 aur 15th February, 1940 ko arthat do bar un se arji kii gayi thi ki we Church Council ke Khajana ko audit karne ki kripa karen. Par we ab tak kuchh jabab nahin diye hain aur us ke jabab ke ashre men ham log ab tak thahre huwe hain. Meharwani kar ke ap is chitti ko unhen dete huwe un se batchit kijiye ki we is kam ko kar sakte hain ya nahin. Jaisa bane jaldi jabab dene ki kripa kijiye.

Ap ka bishwast,

N. Topno.

Secretary,
G. E. L. CHURCH
CH. NAGPUR & ASSAM
RANCHI, BIHAR, INDIA.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 1080/39/F- 15. Dated, the 24th November, 1939.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. Ch. K. Bhengra for information and guidance.

for [signature] Tiga
Secretary,
G. E. L. Church.

---

Extract copy from the minutes of the C. C. Executive Committee held on the 10th November, 1939.

Item No. 23.

" Chaibassa School :- Wahan ke Padri likhte hain ki ab age ko Chaibassa Ilaka wahan ke School ko pure taur se sambhalne nahin sakegi so jaisa anya Ilaka Schoolon ko Council madad deti hai waisa hi Chaibassa ko bhi dewe.

Church Council sochti hai ki Chaibassa Ilaka men aise anek sthan hain jahan se achchhi amdani ho sakti hai aur yah School sambhali ja sakti hai so Padri ko likha jay ki School ko Ilaka hi sambhale."

---

B 12

Lutheran Compound
Ranchi.
29-1-39.

File
Nr. 25.5.39

Padri Babu Christ Kalyan Vengra ko meru yishusahay.

Abhi main ap ko batane nahin saktā hun ki kab main ap logon ke pas Chaibassa jaunga. Par bhai bahinon ko yah khabar dijiye ki main aplogon ke pas jaunga aur susamay me uska khabar bhi deunga.

Age Chaibassa ke kitne bhaiyon se maine ek darkhast paya aur usko ap ke pas bhejdeta hun. Kripa kar susamay me iska report dijiye. Main aphsoch karta hun ki Mahasabha ke samay ise ap ko dene nahi saka.

Ap ka biswast
[signature]
President, G.E.L. Church.

Chaibassa.
11th January 1939.

To,

The President
Lutheran Church of Chota-
Nagpur + Assam
Ranchi

Revd Sir,

We the undersigned beg most respectfully to approach you with the following facts and fervent hope that you would be so good as to give it a favourable consideration + do what is most needed for the Chaibassa and Chakradharpur Parishes.

Regret to say that the condition of the Chaibassa and Chakradharpur Parishes has become at present most deplorable for want of proper supervision, lac of a well experienced, smart and intelligent Pastor.

That at present even the most important works of these Parishes, such as baptism, confirmation, communion, visiting of the sick etc. are suffering a great deal for want of presence of an experienced, hard working and self sacrificing Pastor.

That as a result of this, most of the members of these Parishes have strayed like sheep without shepherd and are being devoured and swallowed up Satans and ~~word~~

P.T.O.

and wolves in spite of repeated request to Church Council to depute a German Missionary to stay here at Chaibassa or Chakradharpur permanently to look after these affairs, but in vain.

That in absence of a German Missionary, Mr. P. Horad who is smart, intelligent and well experienced in all matters of Church affairs and has done a lot for safe guarding the interest of the Lutheran Church in these parts but is despised and disregarded after all, appears to be a competent man in our opinion to remove all discontent and dissatisfaction that is now prevailing everywhere in these Parishes and to set the matters right which have been so long allowed to come down to such disgraceful state.

That Mr P. Horad is a resident of this Singhbhum district is well aware of the local customs and manners and well conversant in ~~with~~ almost all the languages of this district.

We therefore earnestly and most fervently request you to be so good as to ordain him (Mr. P. Horad) in the near future and in the coming General Conference of the Church and depute him to stay at Chaibassa

P.T.O.

or Chakradharpur for the amelioration and betterment of these Parishes, which if not cared even at present are sure to suffer an unreparable loss which will bring about a great repentance but it will be too late.

Yours faithfully.

1. D. A. Richard }
2. Samuel Surin } Chaibassa.

3. Andrias Hembrom. Bandgaon Karbari

4. Jonas Kandayong – Chakradharpur
(Bali preacher.)

Rev Christ Kalyan
Bengra

Chaibassa
1.2.39

महामान्यवर-प्रेसिडेन्ट स्तोश साहेब-को-बहुत२ यीशुसहाय!

I. आप-की चिट्ठी ता: २८-१-३९ को मुझे ता: ३०-१-३९ को ४ बजे मिली और-आप-के यहां आने-की निश्चयता मिली। भाई बहिनों को और कर्म्मचारियों और पंचों को इसका खबर दिया जा रहा है।

II. फिर ता: ११-१-३९ को कितने भाईयों ने आप-के-पास दरखास्त दिया उसको आपने २९-१-३९ को मेरे पास वापस भेज दिया और वही कागज मैं ता: ३०-१-३९ को ४ बजे मिला। यदि वह दरखास्त मुझ को महासभा के समय दिया जाता तो वहां ही इसका साफ२ रिपोर्ट आप-को दे देता। बात२ का रिपोर्ट देना लेख द्वारा कठिन है तौभी मैं आप को बिशेष२ बातें बताऊंगा। (१) चक्रधरपुर-का गोलमाल आप को मालुम है पर वह गोलमाल पादरी के कारण नहीं है पर वहां रास्ते के कारण झगड़ा था और वहां के भाई बहिन लोग गिर्जाघर को छोड़ अलग गिर्जा करते थे उस समय उनको प्रभुभोज-नहीं दिया गया क्योंकि गिर्जा घर को छोड़ के अलग में प्रभुभोज बांटना गिर्जा घर को तुच्छ करना समझा पर बालकों को बपतिस्मा दिया गया। (२) मैं शक्ति भर मण्डलियों का मुलाहजा करता, बपतिस्मा देता और प्रभुभोज बांटता हूं और मण्डली के गोलमालों को भी सफाई करता हूं। दृढ़ीकरण वालों को भी समय२ पर आप ही शिक्षा दे करके दृढ़ीकरण देता हूं। जैसा तैसा दृढ़ीकरण नहीं किया जाता है

पर जहां तक मेरा ज्ञान है, मेरी शक्ति है और जैसा आपने मुझे शिक्षा दी वैसा करता हूं। मैं बड़ा ज्ञानी नहीं हूं तौभी मैं परिश्रम करता हूं और ईश्वर की दया से उसका फल अच्छा ही होता है।
(३) रोगियों की सेवा शक्ति भर करता हूं। मैं और अपनी धर्मपत्नी दोनों मिलके रोगियों के घर जाते हैं और प्रार्थना करते हैं और ईश्वर के बचन से शांति देते हैं और ग्लुकोज भी दिया जाता है जब रोगी ग्लुकोज के लिये अभिलाषी है। आप चुपचाप से मेरे पेरिशों के भीतर इधर उधर प्रचार करने के भाई बहिनों को कृपया पूछिये कि पादरी का काम कैसा है, कैसा काम करता है, तो निश्चय है कि सच्चाई प्रगट हो जायगी। मेरे काम के बिषय आप पादरी दाऊद कुजूर पुराना प्रेसिडेन्ट, पादरी लूकस जोजोवार, मिस स्टोरिम और बाबु निर्मल रोय को पूछ सकते हैं। मैं मान लेता हूं कि मेरा काम पूरा नहीं है। हरएक को सन्तुष्ट करना भी कठिन है और शक्ति के बाहर काम करना भी कठिन है।
(४) मि: पी: पी: रिचार्ड किस प्रकार का आदमी है यदि आप उसके बिषय जानने चाहते हैं तो कृपा करके बाबु निर्मल रोय और पादरी लूकस जोजोवार को पूछिये जो उसके बिषय खूब जानते हैं। Mr. P. P. Richard बराबर अशांति की बातों को निकालते रहते हैं। उनका बनाव स्कूल शिक्षक लोगों से भी नहीं है। मास्टरों के गिर्जा और बिल्ली से खुश नहीं होते हैं और बुरी बातों को

कभी २ अवहार करते हैं। Mr. P. P. Richard पूछा जाय कि पादरी दुःख के समय उसके घर जाता है अथवा नहीं। यदि आप और २ बातों को जानने चाहते हैं तो मुंसमुंही कृपा करके मुझ से बात कीजिये।

III मैं जर्मन मिशनारियों को प्यार करता और चाहता हूं यदि आप किसी जर्मन मिशनरी को यहां भेजने सकते हैं तो भेज दीजिये, अच्छी बात होगी। जर्मन मिशनरी के विषय और यहां रहने और काम करने के विषय हमों ने, आप के हिन्दुस्तान आने के पहिले C.C. में दरखास्त दे दिया है। इस रिपोर्ट में आप को यदि कोई चोट देने वाली बात होवे तो कृपा करके मुझे क्षमा कीजिये।

आप का आज्ञाकारी
Christkalyan Bhengra
G. E. L. Church
Chaibassa

B 12

श्रीमान महामान्यवर प्रेसिडेन्ट लुथेरेन चर्च कौंसिल छोटानागपुर और आसाम कोस्ट चाईबासा।

महामान्यवर महाशय,

सर्वशक्तिमान स्वर्गीय पिता परमेश्वर की स्तुति महिमा और धन्यवाद हो जिनके अपार अनुग्रह दया और आशिर्वाद से हम चाईबासा पेरिश के अन्तर्गत सिंहभूम अधिवासियों को बहुत समय के उपरान्त आप से मिलने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ। हम लोग आप के आगमन का हृदय से स्वागत करते हैं और हम लोगों के प्रति आप की दया प्रेम और अनुराग के लिये आप को हृदय से धन्यवाद देते हैं। निःसन्देह हम लोग उन सब जर्मन मिशनरियों के और उन लोगों के चिर कृतज्ञ हैं जिन्होंने हमों को ईश्वरीय मार्ग पर लाने के लिये, ईश्वर के ज्ञान और पहचान में बढ़ाने के लिये दुःख और कष्ट सह कर अनेकानेक परिश्रम किये हैं और ईश्वरीय प्रेम के वशीभूत होकर निःस्वार्थ भाव से हमों की सेवा और भलाई की है और अपने तन मन धन

और आत्म का बलिदान कर हमों को अन्धकार में से उजियाले में विनाश से जीवन में ले आये हैं। छोटानागपुर और आसाम की लुथेरन कलीसिया और उनके लाखों ख्रीष्टीय पुरुष के जमीन और मकान वगैरह सब आप ही लोगों के अपूर्व स्वार्थ त्याग और प्रेम के चिर स्मारक हैं।

एक बिल्कुल सत्य यह है कि चाइबासा पेरिश के अन्तर्गत जितनी मण्डलियां हैं उनकी अवस्था इस समय डामाडोल है। न कहीं शान्ति है न सुव्यवस्था है। अविश्वास और विश्वासघातिता का राज्य फैला हुआ है। न कोई यथोचित देखभाल करनेवाला है ना कोई सुधि लेनेवाला। पेरिश के कितने लोग धर्मभ्रष्ट हो रहे हैं। गड्ढे में पतित हो रहे हैं; दुःख में पड़े २ तड़प रहे हैं। किन्तु न कोई देखनेवाला है न कोई सुननेवाला ना रक्षा करनेवाला। इसलिए को इन सब दुःख और कठिनाइयों से बचाने के लिये, मण्डलियों को विशुद्ध प्रेम, विश्वास और भक्ति में बढ़ाने के लिये इस समय

चाइबिजो पेरिश को एक सुयोग्य और
परिश्रमी कार्यकर्ता मनुष्य की बड़ी
आवश्यकता है। इसी कारण हमोने
इसके लिये कितने ही बार आवाज
स्वर से वो आशावान नेत्रों से चर्च
को लिखा और उनके मेम्बरों को दोहाई
दी कि हम डूबते हैं, हमें बचाइये,
मरतों की रक्षा कीजिये, हमें कुछ
जमीन मिशनरी दीजिये किन्तु खेद के
साथ कहना पड़ता है कि यह सब
कुछ बाकी, निष्फल और बेफायदा
हुये। चित्रक अब और अधिक
देर तक पराया मदद के भरोसे हम
रहना नहीं चाहते हैं, स्वावलम्बी
बन कर अपने पैर पर खड़े होना
चाहते हैं और इसी हेतु अब अपने
स्वस्थान वासी सर्वगुण सम्पन्न
अभिवीर बाबू पीटर हुरद को
आहोल पर चाइबिजो पेरिश के
सर्वोच्च पद पर उन्हें आसीन देखना
चाहते हैं। यह किसी से छिपी
नहीं है कि जुबेनेल कलीशा के संकटपूर्ण

काल में जबकि लुथेरान नामक आदमी
प्रतिभाशाली बड़े २ ज्ञानी और पंडितों
के हृदय ~~दहलते थे~~ जिज्ञासी और
अहंकार के भय से दहलते थे, लज्जा
अपमान और विपद में पड़ने की आशंका
और भय से जब कि लुथेरान कलीशा की
बागडोर अपने हाथों में लेने से इनकार
करने में जो सकुचाते थे, तब कलीशा
भर में वही एक आदमी निकला
जिसने अपनी ईश्वर भक्ति और ईश्वर विश्वास
के बल पर अपने आप को जोखिम में
डाल प्रबल बलवान राजाओं [illegible] और भी
सारी कलीशा के सब विरोधी और शत्रुओं
साथ निर्भयता के साथ युद्ध किये।
परमेश्वर की कृपा उन पर हुई और वे
परमेश्वर की दया और सहायता से
अपने सारे कार्यों में सफलता प्राप्त
किये और लुथेरन कलीशा रूपी नाव को
विपद रूपी समुद्र से पार करके
शांति और कुशल के घाट पर पहुंचा
दिये। किन्तु बड़े ही दुःख और शोक —

की बात है कि जुमेरान कलोनिया
में ~~[illegible]~~ एक ओर कि चैन की बंसी
बजा रही है और लोग पहले की
तुलना बहुत कुछ शान्ति और सुख
का उपभोग कर रहे हैं वहीं समय
कलोनिया के अपढ़, नादान पुरुषों की
बात तो जाने दीजिये, कलोनिया के
कितने उच्च पदासीन कर्मचारी
तक भी जिनकी शान और मान
मर्यादा बापू जैसे पुरुष ही के
परिश्रम का फल है, एक बापू जैसे
पुरुष को पहचानते हुवे भी नहीं
पहचानते, जानकर भी अनजान
होते हैं। उन्हें अपने ऐसे हितैषी
कृतज्ञता का विचार और सम्मान करने
में जरा भी लज्जा का बोध नहीं
होता है। उनकी दुर्दशा के
दिनों में जो पद वे अपनी जाति पर
बड़ाई बघारते हैं और मुसीबतों
को बढ़ी उन्हें किसने उधार
~~[illegible]~~कारने में ~~[illegible]~~ जरा भी संकोच
नहीं करते हैं। कुछ साहित्यिकों

6

स्वार्थी और [illegible] लोग जो उन्हें [illegible] बन पड़े हैं वा किये गये हैं। लूथरन कलीसिया की [illegible] चाहते हैं। उन्हें उचित है कि वे अपने संकुचित और स्वार्थपूर्ण मार्ग को छोड़ कर सत्य और न्याय का अनुसरण करें और निःस्वार्थ और पक्षपात रहित दृष्टि से देख कर [illegible] के गुणों का यथोचित सम्मान करें, हम, सभी को याद दिलाना चाहते हैं कि [illegible] के [illegible] [illegible] बाबू [illegible] [illegible] को लूथरन कलीसिया के [illegible] कार्य [illegible] में इसलिये नहीं छोड़े हैं कि लूथरन कलीसिया के सेवकों द्वारा वे लांछित और अपमानित किये जायें, वरन् इसलिये कि वे लूथरन कलीसिया के योग्य व्यक्ति को लूथरन कलीसिया में योग्य स्थान दिया जावे। इसने प्रमाणित कर दिखाया है कि वे कलीसिया के हजारों में एक व्यक्ति हैं जो कलीसिया के कार्यों में निपुण और कार्यकुशल हैं और

संगीत के एक उज्ज्वल सितारा
हैं। उनकी आशायें, और भविष्य
की संवेदना पर संगीत के
पुरुष कार्यों में उन्हें प्रेरित
रहना सर्वोत्तम गुरुदक्षिणा
का कार्य होगा। संसार
की सबसे ऊंचे की चोटी,
[illegible] कलाकार को बोध कराते
रहे हैं कि वहीं किन्तु
[illegible] नहीं हैं गये कि नाद
[illegible] [illegible] गये से निमित
[illegible], आधुनिक [illegible]
की [illegible] कलाकार की
आवश्यकता होगी, इसीलिये
यदि [illegible] लोग उन्हें न समझें
किन्तु [illegible] [illegible] [illegible]
आशा उन्हें समझने दिनों से ही
समझा और कलाकार के [illegible]

समझते हैं, इसलिये हम
किसेदुज़न को अधिकारी द्वारा
विनम्रतापूर्वक आप से और आपके
पार्टी कौंसिल से निवेदन करते हैं कि
मेहरबानी करके आप लोग बहु-
[illegible] हिन्दू को जो कि कलाकारों
के सुयोग्य मेम्बर और पार्टी के
लगभग गुरुओं में अग्रणी हैं, जिनका
सुन्दर कलाकारों के प्रति अगाध
प्रेम है, पार्टी पद पर नियुक्त
कर सुन्दर कलाकारों की रक्षा
और भलाई के लिये उन्हें पार्लियामेंट
पॉलिटिक्स में काम करने के लिये
भेजिये। इसके लिये हम लोग
तमाम लोगों का ~~कुछ~~ बहुत आभारी
बना रहेंगे।

(1) दुर्गा प्रसाद तिवारी अध्यक्ष।

(2) मनकुमार-हीरा-~~वकील~~वाले

(३) ल्हीदिपास होब्रोम पिठुरगढ़ि.

(४) नोवरोल-पुरारुन-चितुगाड़िया-Prach

(५) [illegible]

Kutlkeni

(5) Jiwan Tirkey - प्रतिनिधित C.K.P.

(6) Mangal Murad - ve. C.K.P.

Samuel Surin Jamkela, Chirkeni

12

छोटानागपूर और आसामस्थ जी. ई. एल. चार्च
के कौंसिल के निकट।

Church Council
Received 12.1.39
Register No. 21
Date 22.12.39
File 15
Reply No.
Date

महामान्यवर महाशयगण,

आप लोगों को मुझ मसीहप्रकाश लकड़ा का

ख्रेषुसहाय।

मैं दीनता पूर्वक निम्न बात को आप के बिचार और अनुग्रह-पूर्ण सहायता के लिये आप के चरण पर पेश करता हूं:—

(१.) मैं चाइबासा इलाके के डुकुरडिहा मन्डली का लूथेरान भाई हूं और डुकुरडिहा मौजा का प्रधान (गौंझू) हूं।

(२.) डुकुरडिहा मौजे को Rev. E. Wueste ने दलभूम राज्य के राजा से मिशन के वास्ते बन्दोबस्त किया था और हमारे पहिले के खृस्तान भाईयों को बसाया था और कितने बरस तक मिशन ने इस गांव को चलाया। पीछे १८९३ के १२वीं जून में इस्तीफा राजा के यहां पेश करके मेरे पिता पूर्णप्रसाद लकड़ा को दिलाया और उस समय से मैं चलाते आया।

(३.) मैं इस गांव को सम्भालने नहीं सक्ता हूं। क्योंकि मेरा मालगुजारी खैन हुआ है और राजा खास करने के लिये मेरे ऊपर मुकद्दमा करता है। पहिली बेर ३७७।≡)९ पाई पर नालिश किया और डिग्री पाया। १९३५ ईश्वी में उसमेंसे मैं ने उधार पैंचा करके १९३) रूपैया दे दिया है। दूसरी बेर १९३८ ईश्वी के १६वीं जून में — २८०।।≡)।। नालिश किया है जिसका अभी मुकद्दमा चलता है।

(४.) मैं ने वकील लगाके इन सब देन को किस्ती में देने का अर्जी किया है और मंजूर हो है। पहिली किस्ती १७ जनवरी १९३९ है। शायद ४०) या ५०) रूपैया देना होगा।

(५) मेरे पास सब कागजात हैं जिनको दरकार होने से पेशकर सकता हूं।

(६) मेरी दीनता पूर्वक अरजी कौंसिल से यह है कि कृपाकर कौंसिल इस डुकुरडिहा मौजे को जिमा ले लेवे और जैसे हमारी कलीशा के इलाकाओं के जयदादों को Board of Trustees के द्वारा चलाती और भोग करती है वैसा इसको भी Board के द्वारा बन्दोबस्त कर लेवे। मैं किसी दूसरे के साथ कारबार नहीं करने सका और नहीं चाहता हूं।

(७) इस मौजे में मालगुजारी १९३८ के अक्टोबर से १६६॥≡)३ पाई वार्षिक होता है और राजा को देन है १३१।) है और बचता है ३४।।।-) आना यही कमीशन है। इस मौजे में परती १४८ एकड़ ४९ डिसमिल है जो प्रधान के पूरे कबजे में है। उसको प्रधान रैयती लगा सका है। रैयाती आबादी जमीन २८५ एकड़ ५३ डिसमिल है। प्रायः ५९ रैयत हैं जिनमेंसे हमारे खृस्तान १८ घर हैं।

P. T. O.

(८) इस मौजे को छुड़ाना मुझ से मुशकील हो गया। इसलिये कौंसिल से अरज है कि इस उपरोक्त देन को चुका कर (चाहे एक मुस्त में चाहे किस्ती में) मौजे को इस सिंगभूम जिले के चाईबासा की लूथेरान चार्च की भलाई के लिये अपने हाथ में ले लेवे। जिसके लिये मैं चार्च का अति धन्यबादी होऊंगा।

आप का आज्ञाधीन

मसीहप्रकाश लाकड़ा
२२/१२/३८

Yadi wah mauja C.C athwa Board of Trustees se liya jay to wahan ke Christian bhaiyon ke liye labh kari hoga aur bhawisht men Singhbhum District ke Lutheran Kalishaon ke liye labh kari ho sakta hai.

C.K. Bhengra
G.E.L. Church
Chaibassa
22.12.38

Singhbhum jile men Missionary work Ho aur Santal logon ke bich bahut darkar hai, aur bartaman Chaibasa school ke liye Sahayta ki jaruri hai, isliye mera bichar hai ki achchha hi hoga yadi yah mauja liya jata.

Luther Jojowar
Jamshedpur.
22.12.38.

9

Chaibassa
12.10.38

Manyawar C.C Secy. ko bahut 2 Yishusaháy!

Age C.C. ko janáyá játá hai ki main ne 9.10.38 ko Chakradharpur men girja kiya. Compound bhitar se 2 gharáná aur Compound ke báhar wale girja ghar men girja karte hain yah ánand ki bát hai. Compound bhitar se aur dusre log bhi girjá ghar men girjá jáne cháhte hain par Harad, gharáná unko rokte hain aur alag hi girjá karte hain. Yadi Board of Trustees ghar bhárá ke báre mупar karrawai karegi to sab kuchh thik ho jáygá. Main ne Chakradharpur ke ghar bhárá ká hisáb Mr D.M. Pansa ko de diyá hai aur arji bhi ki turant uspar karrawai howe.

Church Council
Received 14.10.38
Register No. 606
Date 12/10/38
File 14
Reply No........
Date........

Age shubh
C.K. Bhengra
G. E. L. Church
Chaibassa

Chaibassa
G. E. L. Church
4.7.38

मान्यवर सेक्रेटरी — N. Horo को बहुत २ यीशुसहाय!

मैं १७-६-३८ को सफर में निकला और आज ता: ४-७-३८ को घर लौटा हूं और मैंने आप का P.C. 17.6.38 का टेबल में देखा और पढ़ा। अफसोस की बात कि आप की आज्ञानुसार उपदेश लिख करके नहीं भेज सका क्योंकि मैं दूर में था और मेरा दूर बहुत लम्बा चौड़ा है। चक्रधरपुर में कोई पादरी न रहने के कारण मेरा काम बहुत २ हो जाता है। हम लोग खुशी हैं कि आप सपरिवार रांची आ गये हैं। आशा है कि आप के सेक्रेटरी काल में मण्डलियों की उन्नति होगी।

हम लोग प्रभु की दया से अच्छे हैं। आप लोगों का कुशल मंगल भी प्रभु की ओर से होवे।

प्रेम से
C.K. Bhengra

File
6.7.38

File

Church Council
Received 9. 8. 37
Register No. 115
Date 4. 8. 37
File 15.
Date.....

Chaibassa
4·8·37

मान्यवर सी-सी- को यीशुसहाय :—

(1) मैं मिखाएल हुरद का दरखास्त भेजता हूँ - क्या करना होगा - कृपा करके जनाईयेगा। उसकी ~~बिवा~~ विवाहित स्त्री जीती है - जिससे कठिन मालूम होता है। पादरी मरिन हुरद के समय में ही रखनी रखाते।

(2) चक्रधरपुर में गोलमाल बढ़ जाता है - गिर्जा दो भाग हो रहा है - इसलिये जल्दी सफाई कीजिये आप लोग बहुत देरी करते हैं।

(3) सुनने में आया - कि D.C. मि: D.M. Parma से लिखा पढ़ी कर रहे हैं - चाईबासा हाता के पूर्वी भाग को लेने को खेल ग्रौंड बनाने वास्ते सो तुरन्त मि: D.M. Parma को खबर दीजिये कि कम्पौंड किसी सूरत से बिक्री न किया जाय चाईबासा में लड़की स्कूल घर नहीं है - उधर ही घर बनाने की जगह है। पीछे हम लोग जगह नहीं पा सकेंगे।

आपका भक्त -
C.K. Bhengra
G.E.L. Church
Chaibassa

चक्रधरपुर
१८-३-३९.

मान्यवर चाईबासा लुथेरन पेरिस कमिटी को पीशु सहाय —

महाशय - प्राय: एक वर्ष कि उस से भी अधिक समय बीत गये हैं हमने आप को अपनी दुर्दशा के खराब हालत के विषय जनाके खराब हालत को सुधारने की अर्जी भेजी थी पर उसके विषय के बदरस्त करने और दया दिखाने अथवा जवाब देने का कोई भी इसारा अबतक मालुम नहीं हुआ है। पर यह आसरा करते हुए कि जैसा प्रभु यीशु ख्रिस्त करग्राहकों और पापियों को जो जो उस पास गये उनको ग्रहण किया और उनके साथ खाया पीया - वैसा उसके चेले जो उसकी मंडली को संभालते हैं, हमको एकदम त्याग न कर ग्रहण करेंगे - फिर अपनी दुर्दशा को बताता हुआ निवेदन पत्र भेजता हूं —

I हमारी खराब दशा - १९२२ के पहिले कई बर्षों तक मैं अपनी सादी वाली स्त्री के साथ अर्थात पुरुलिया के राहिल नाम की स्त्री के साथ आसनसोल में कमाते थे, हमों के बाल बच्चे नहीं थे इसलिये राहिल आया का काम करती थी और मैं भी चपरासी का काम करता था - १९२२ के पीछले महिनों में राहिल एक कोठी में आया का काम करती थी और इस कोठी के बगल के एक कोठी में नन्हें खां नाम का एक मुसलमान काम करता था, यही नन्हें खां १९२२ के नये साल में हम दोनों को खाने बुलाया - ऐसा ही मालुम हुआ कि हम पुरुषों के खाते समय राहिल अपना [illegible] सजा के किसी तरफ अपने को छिपाई। जब हम पुरुष लोग खा पी चुके और कुछ समय तक बैठ के नाना प्रकार की गपसप कर चुके, तब हमने अपने डेरा जाने के लिये अपनी स्त्री को खोजा जब नहीं पाया तब नन्हें खां से पुछा कि राहिल कहां है, किधर गई है। नन्हें खां बोला हम नहीं जानते हैं। तब अपनी साली तुकेना के घर जा खोजा वहां भी नहीं पाया, रात भर बड़ी फिकिर में पड़ा रहा, बिहान को यह समझ के कि शायद किसी न किसी कारण से अपनी मां पास पुरुलिया गई होगी, हम भी पुरुलिया गये और वहां भी नहीं पाया तब उसकी मां हमारी सास यह कहती हुई और रोती हुई हमारे साथ आसनसोल आई और हमारी साली तुकेना साथ राहिल को खोज करके तुकेना के घर आई जब राहिल साथ बातचीत करने के लिये हम कमरे के अन्दर गये, तब हमारी साली सास और तुकेना और तुकेना का पुरुष तीनों मिलके हमको कोठरी से ठेल ठाल के निकाल दिया और हमको हमारी स्त्री राहिल के साथ बातचीत भी करने नहीं दिया) और राहिल भी बोली कि जाओ अब हम तुम्हारे साथ नहीं रहेंगी। सो हम बड़ी तकलीफ में पड़ गये और अकेला अपने भाड़ा घर में रहे। एकदिन हमारी सास अपने भाड़ा घर को और हमारे भाड़ा घर दोनों घरों को ताला चाबी लगाकर बन्द कर दी। और हमको गांव की स्त्री पास हमको थोड़ा भात देकर बोली हम धनबाद जाते हैं बोलकर चली गई। पर पीछे मालूम हुआ कि धनबाद काम के लिये (नर्स काम) हमारे बाप के पास पाहुन होने गई। और जब हमारे बाप हम दोनों ने स्त्री पुरुष के विषय पूछा. तो बोली क्या जाने अभी वे कैसे हैं। हम तो उनको बोलकर के आया कि अच्छी तरह रहो गोलमाल मत करो। हम बड़े दुःख में पड़ गये हैं हम भूखा प्यासा होके अपना सब चीज़ वस्तु छोड़के अपने बड़े भाई पास रांची भागा और रांची से बाप पास सिंघानी आया। जिस समय से हमारी स्त्री अपने को [illegible] हमसे जो अलग पाल चिट्ठी पर चिट्ठी सिंघानी से और चक्रधरपुर से भेजे गये कि राहिल आवे, पर सब वृथा हुआ - और भी हमारे बाप ने हमारे छोटे भाई को उसकी पत्नी के साथ एक बार सिंघानी से और चक्रधरपुर से भी राहिल को लाने भेजा, पर उनके साथ भी राहिल नहीं आई। फिर राहिल की मां और भाई आदि भी चक्रधरपुर हमारे बाप के घर आये, पर राहिल को नहीं लाये। आखिर में व्यभिचार, परस्त्रीगमन और वेश्यागमन से बचने के लिये हमने एक स्त्री को चुन लिया, जिसके उसके साथ जगत का जीवन बितावें। और मंडली के पादरी को सादी मांगा पर पादरी हमको सादी देने

B. Hatao
8-3-37.

के बदले मंडली से निकाला है। हमें बड़ी दीनताई के साथ आप चाईबासा लुथेरन पेरिस कमिटी को निवेदन करता हूं कि जब हमारी महासभा इस बात को मंजूर कर चुकी है हमारे समान दुःखी और दुःखग्रस्तों को बिना रजिस्ट्री की सादी मंडली में दी जावे। तब आप कृपया हम दुर्दशाग्रस्त लाचार जन को जैसे प्रभु यीशु मसीह ने महसूल लेनेवाले और पापियों को पुरुषों और स्त्रियों को जो उसके पास आये किसी को नहीं निकाला पर सब दुःखी हो सभों को ग्रहण किया हां उनके संग खाया भी, वैसा ही आप भी हमको ग्रहण कीजिये, अपनी दया माया प्रकाश कीजिये और हमारी यह निवेदनपत्र का जवाब देने में जल्द स्वीकार कीजिये।

और शास्त्र के वचनानुसार कि हे भाइयो यदि कोई मनुष्य किसी अपराध में फंस जाय तो तुम जो आत्मिक हो नम्रता के साथ ऐसों को संभालो... एक दूसरे के भार उठाओ और यों मसीह की व्यवस्था को पूरी करो — गलाती ६: १+२ पद।

चक्रधरपुर
ता: १०-३-३७

आगे शुभ —
आप की दया का भिखारी
मिकाएल हुरद

Forwarded to C.C. for consideration and favourable reply.

Main ne Michael Hurad ki rali jo Mangal Hurad ki stri hai janch kiya aur mane batai ki abhi tak wah jiti hai arthat bibahit stri abhi tak jiti hai. Main ne isko file men rakhe thi par dik karne se main isko council men bhejta hun. Koi upay maramat ki liye kripaya mujhe bataiye. Iski stri Dhanbad athwa Asansol men hai.

C.K. Bhengra
G.E.L. Church
Chaibassa.
4.8.37

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
PURN CHURCH COUNCIL KI BAITHKI KA MANTABYA.
Ta:21 October, 1936.

---------oOo---------

4. Chaibassa Ilake se ek missionary ke liye darkhast. Darkhast se aur Padri Luther Jojowar aur Padri W. Radsick ke report se Singbhum Ilake ke liye ek missionary ki awashyakta Council ko malum hui aur sankalp hua.
Ki Church Council Singbhum Ilake ke liye ek missionary bhejne ko Berlin Board se likha parhi kare aur Mahasabha ko iska report dewe.

Memo nos: 902-903/36/F.-15.

Dated Ranchi, the 5th November, 1936.

Extract from the Minutes of the full Church Council of 21st October 1936 forwarded to the Rev: C.K. Bhengra, Chaibassa & Rev: J. Stosch for information.

Secretary,
G.E.L. Church.

Church Council
Received 16.10.36
Register No. 411
Date 12.10.36
File 15
Reply No............
Date..................

Ch

Chaibassa
12·10·1936

15/10/36

महा मान्यवर चार्च कौनसिल के निकट निवेदन

महा मान्यवर महाशय गण,

आप लोगों को जनाया जाता है कि सिंहभूम (चाईबासा, चक्रधरपुर और जमशेदपुर) के कई बहिन लोग। सिंहभूम जीले के लिये एक मिशनरी चाहते हैं क्योंकि :—

१. हो, सन्ताल और कुमीजा लोगों के बीच में, जो इस जीले के आदिवासी हैं, Evangelistic work बहुत दरकार है। जब से मिशनरी लोग। चले गये तब से यह काम एकदम बन्द है।

२. ओटोनोमस चार्च का काम को अधिक बढ़ाने और मजबूत करने के लिये बहुत सहायता होगी।

३. स्कूल का काम चलाने और सम्भालने के लिये बहुत सहायता होगी। इस जीले में S.P.G. मिशन स्कूल के द्वारा शिक्षा का काम अधिक चलती है और खृस्तानों की संख्या भी बढ़ती है। सो अति आवश्यक है कि इस जीले में लुथेरान स्कूल का काम अधिक होना जरूरी है। स्कूल के बिना मण्डली की उन्नति नहीं हो सकती है। (मालुम होवे कि इस जीले में एक ही लुथेरन स्कूल है)

४. मालुम होवे कि इस जीले के खृस्तानों का आत्मिक जीवन बहुत पिछाड़ी है और स्कूल शिक्षा में भी बहुत पिछाड़ी है। इस लिये इस जीले के समूचे खृस्तानों की राय से हम लोग। यह रिपोर्ट देते हुए अर्जी पेश करते हैं कि कृपया चार्च कौनसिल इस जीले के लिये

एक मिशनरी भेजने का प्रबन्ध करें ।

आप लोगों का आज्ञाकारी

1. C.K. Bhengra

2. Luther Jojowar

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
CHURCH COUNCIL KI KARYYAKARAK SABHA KI BAITHKI.
Ta: 12 May, 1936.
---------oOo---------

27. Padri Christ Kalyan Bhengra ki darkhast ek Commission Church Council se Chaibassa bhejne ke liye. Darkhast aur Minute parhi gai aur President ne bhi is bishay par kuchh batlaya.

Isko sun kar Church Council sochti hai ki agar ho sake to Babu Antony Tirkey ko ghar kiraya men diya jay aur Panch aur Babu Antony Tirkey ke bich ki anbanaw ki bat saphai kii jay. Church Council is bat ke liye Commission bhejna darkar nahin samajhti hai. Aur yadi ho sake to mrit Padri Paulus Tirkey ki patni wahan rah kar School ki larkiyon ka bhi dekh bhal kare.

28. Padri Christ Kalyan Bhengra ki 17-4-36 ki chitthi. Ilaka sankalp karti hai ki Chakradharpur Ilake ke dekh bhal ka subidha intejam kiya jawe jiste Chakradharpur men ek Padri ke ane par kisi prakar ki asubidha na howe.

Bichar hua ki Padri Christ Kalyan Bhengra ko likha jawe ki bartman men dekh bhal karne ka jaisa intejam kiya gaya hai so rahe. Chakradharpur men ek alag Padri ke jane par iska phir bichar kiya jayga.

Memo no: 292/36 /F.-15.
Dated Ranchi, the 14th May, 1936.

Extrct from the Minutes of the Church Council Executive of 12th May, 1936 forwarded to the Rev: C.K. Bhengra, Lutheran compound, Chaibassa, for information, guidance and compliance.

P. Kandulna
Secretary.

Recd. 20.4.36
Register No. 119
Date 18.4.36
15

P.

19/4

File

To

The Church Council,
G. E. L. Church.
Ranchi

महाशय,

पेरिश सभा ने एक सब कमिटी चुनी कि C.C. में भेजने के लिये अर्जी पत्र जल्दी तैयार करे और जल्दी C.C. के पास भेजी जावे। पर अर्जी पत्र तैयार नहीं होने के कारण चेयरमेन मिटिंग का नकल C.C. में भेजा रहा है और अर्जी करता है कि C.C. कमिशन जितना जल्दी हो सके चाईबासा आवे और कृपा करके आगमन को पिरा देवे। फिर अर्जी है कि कमिशन मेम्बरों के बीच में मि॰ A. L. Tirkey भी रहें। कृपा करके यहां आने का तारीख हमों को सुसमय में जनाइये जिससे चाईबासा पेरिश मेम्बर लोग भी बुलाये जा सकें।

आगे शुभ

C.K. Bhengra
Chaibassa Parish
Chairman.
18.4.36

चाइबासा जी. इ. एल. मिशन पेरिश की पूरी सभा
की बैठकी - तारिख २३वीं मार्च १९३६ का नकल।

उपस्थित मेम्बर :—

चाइबासा – मान्यवर पादरी बाबू C. K. Bhengra, Mr. C. K. Kongari, Mr. J. L. Lakra, Mr. P. P. Richard, बाबू P. Topono, Mr. C. M. Mundu और Jakria Soy.

खिस्तबारी :— Dhankumar Horo प्रचारक।

ठकुरडीह :— Prabhudas Bara प्रचारक।

डिस्ट्रिक्ट कौंसिल मेम्बर :— मान्यवर पादरी बाबू L. Jojowar.

रिजोल्यूशन न० ४. वह घर जिसमें हेड मिस्ट्रेस सुसाना मालो रहती थी।
(घ). घर किस को दिया जाय ?

इसी बात के बिचार के सम्बन्ध में पेरिश कमीशन ने अपना मुंहजबानी रिपोर्ट सुनाया और बतलाया कि बाद बिवाद की बात है इसलिये पेरिश कमीशन ने लिख कर देना अच्छा नहीं समझा। अर्थात जब कि पेरिश कमीशन इसी बात का बिचार करती थी तो इसी बीच में मि० अलीनो तिरकी के साथ बहुत बाद बिवाद हुई। उसने लिख कर भी बाद बिवाद की बातें कमीशन में पेश किया है। इस पर वे चिट्ठियां सभा में पढ़ कर सुनाई गई और देखा गया कि यह अपमान की बात सिर्फ कमीशन को नहीं परन्तु सारी पेरिश सभा को हुई है। इस पर पेरिश की पूरी सभा भी अत्यन्त दुःख प्रगट किया। यह अनबन सफाई होवे इस के लिये कमीशन ने उस को सामने बुला कर फैसला करना चाहा, किन्तु वह उपस्थित ही नहीं हुआ। आज की पूरी सभा में भी सफाई करने के लिये उस को नोटिस दिया गया। परन्तु जब वह उपस्थित नहीं हुआ तो सभा के बीच से मि० P. P. Richard उस के यहां जाकर उसे सभा में उपस्थित होने की अर्जी किई। परन्तु उपस्थित न हुआ। इस पर देखा गया कि यह अनबन उस की अनुपस्थिति में सफाई करना मुशकील है, क्योंकि यह बात दूर तक फैल गई है। सो सभा में बहुत देर तक इसके विषय बातचीत हुई और अन्त में यह निश्चय किया गया कि :—

संकल्प :— चर्च कौंसिल में एक बिशेष अर्जी लिखा जाय कि यह भारी अनबन जो बढ़नेवाली है सो तुरन्त शांत किया जाय और मेल-मिलाप होवे। और जब तक यह बात सफाई न होवे तब तक यह घर ऐसाही खाली रहे।

इस अर्जी को खसरा करने के लिये तीन मेम्बर चुने गये :— Mr. P. P. Richard, Mr. J. L. Lakra और Mr. C. M. Mundu.

J. Soy
Secretary
G. E. L. Church Parish
Chaibasa.

C. K. Bhengra
Chairman

यह नकल मि० P. D. Kandulna, Secretary Church Council, G. E. L. Church Ranchi को जानकारी और उचित करवाई के लिये भेजा जाता है।

J. Soy
17-4-36

चाइबासा लूथेरान पेरिश की पूरी सभा की बैठकी
तारिख १७वीं फरवरी १९३६ का नकल।

उपस्थिति मेम्बर :—

चाइबासा :- मान्यवर पादरी बाबू C. K. Bhengra, Mr. J. L. Lakra, Mr. C. S. Topono, बाबू Paulus Topono और बाबू Jakria Soy.

चक्रधरपुर :- Jonas Kandeyang प्रचारक।

खिस्तबारी :- Dhankumar Horo प्रचारक।

डुकुरडिहा :- Prabhudas Bara प्रचारक।

काटमरे :- बाबू Garbet Captain मानकी और Noltrolt Hemrom प्रचारक।

विजिटर्स :- बाबू Abraham Soy, Samuel Surin, James Goddard, Daniel Lakra और Mansidh Karua.

डिस्ट्रिक कौंसिल मेम्बर :- मान्यवर पादरी बाबू L. Jojowar.

रिजोल्यूशन नं० ७. मनोहरपुर, चिड़िया, कुइया इत्यादि की देखभाल के विषय।

उपरोक्त जगहें पहले चक्रधरपुर पादरीपन के अधीन में था और चक्रधरपुर के पादरी द्वारा देखभाल किया जाता था। किन्तु वहां के भूतपूर्व मान्यवर पादरी M. Hurad के बुढ़ापे में न देख सकने के कारण कौंसिल तरफ से ठहराया गया कि उनकी देखभाल जोड़ाबांध पादरी L. Baghwaila से होवे। सो वहां का पादरी आया जाया करते और देखभाल किया करते हैं। तौभी कई बातों में उन मन्डलियों के लोगों की देखभाल में गड़बड़ मालूम होता है। क्योंकि जब से मान्यवर पादरी C. K. Bhengra चाइबासा आये तो उन्हें यहां और चक्रधरपुर दोनों जगहों का काम दिया गया और ये भी उन जगहों को चक्रधरपुर का सर्कल जान कर आया जाया करते हैं। तब तो कई एक बातों में उन जगहों का काम इधर और उधर हो जाता है। सो सभा में यह कहा गया कि उन के प्रबन्ध के लिये कोई उपाय कियाजाय, जिस्से मन्डली के काम ठीक रीति से किये जा सके। इसके बारे बहुत देर तक बातचीत हुई और यह देखा गया कि यदि वे जगहें छोड़ दिये जावें तो आइन्दे में जब चक्रधरपुर में कोई दूसरा ही पादरी रहे तो मन्डली बहुत छोटी होगी और ऐसे समय में चक्रधरपुर में किसी पादरी का रहना कुछ कठिन होगी। सो अन्त में सभा ने यह निश्चय किया कि :-

संकल्प :— इसके विषय चर्च कौंसिल में एक विशेष अर्जी लिखा जाय और साथ में मनोहरपुर, चिड़िया, कुइया आदि स्थान चक्रधरपुर पादरीपन ही में रहें इसकी दावी किया जाय। जिस्से आइन्दे इन जगहों की देखभाल उचित रीति से किया जा सके। //

J. Soy
Secretary
G. E. L. Church Parish
Chaibassa.

यह नकल मि० P. D. Kandulna, Secretary Church Council G. E. L. Church Ranchi को जानती और उचित काररवाई के लिये भेजा जाता है।

C. K. Bhengra
Chairman
17. 4. 36

J. Soy
17-4-36

Church Council
Received 16.10.33
Register No 380
Date 14.10.33
File 15.
Reply No
Date

Kiladih
P. O. Tatanagar
B.N.R.
Dist. Singhbhum
14.10.33

16/10/33

To The Secretary C.C.

Mahamanyawar
~~Mahashay~~ ap ko mera
Yishusahay, bite haptah
men Chaibassa se ek
bhai aya (uska nam
na malum) jisne kaha
ki 20th Oct. 33 ko ek jore
ki shadi hai, aur mujhe
kaha ki us roj aiye
Is bat par main ne
socha ki naya Pastor
shadi dega yadi Council
us samay tak bheje.
phir mera akhtiyar nahin
hoga (License ka karan bhi)
So kripa kar us jore ki

INDIA POST CARD

INDIA POSTAGE — NINE PIES

DELY. 15 OCT 33 2.30 P.M.

TATANAGAR 14 OCT 33 6-P.

WRITING SPACE

Shadi ka liye
Koi bandobast
Kar dijiye.
mujhe na malum
hai ki naya
Pastor Kaun aur
Kab anewale hain
Ham log achhe
hain - mandli
Ka kam jaisa
taisa chalta hai
golmal nahin.
Mr. M.G. William
Ka ap[illegible] jis has shay
achhe hain. agashul.
apka agyakari.
L. Sojowar

THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER

ADDRESS ONLY

Mr. P. Harad
Secretary C.C.
Ranchi.
G.E.L. Church
Dist. & P.O. Ranchi
B.N.R.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
PURN CHURCH COUNCIL KI BAITHKI KA KARYYABIBRAN.
Ta21 September, 1933.
----------oOo----------

## 11. PADRI PAULUS TIRKEY KA MRITYU SAMACHAR.

Dusri bele men jab Council baithi tab kuchh der ke pichhe President ke nam par tar ai ki Chaibassa ke Padri Paulus Tirkey lokantar huwe aur garne ke liye aiye. Is shok samachar par Council ne turant Padri Daud Kujur ko bhejne ki chinta kii aur is abhipraya ka jababi tar bheji.

Sari Sabha jo upasthit thi President ke anurodh par uth khari hui aur Padri Prehn sahib ne swargiya Padri Paulus Tirkey ki mrityu par shok prakash karte huwe Ishwar ka dhanyabad bhi kiya ki usne apne is namr aur din das ke dwara itne barson lon is mandali ki sewa hone dii aur uske pichhe mandali men sundar namuna rahne diya ki log usko smaran men rakhte huwe uski lik par chalen. Aur yah ki Parmeswar dayalu pita mrit padri ki patni aur gharane ko shanti dewe

Prarthna ke pichhe "Yirushalim isht mere ghar" gaya gaya aur mrit padri ke gharane ke liye Council ki or se samdukhi hone ki chitthi likhi gai jo padri Daud Kujur ke dwara bheji gai.

Memo No: 367/33 G-15

Dated Ranchi, the 4th. October, 1933.

Extract copy from the Minutes of the full Church Council of 21st. September, 1933 forwarded to Mrs. P. Tirkey, Chaibassa for information.

[signature]

Secretary,
G.E.L. Church.

Church Council
Received 22.9.33 21/9/33.
Register No. 343
Date 21.9.33
File 15
Reply No.
Date

23

C. INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

RANCHI TEL. 21 SEP. 33

NOTICE.

This form must accompany any inquiry made respecting this Telegram.

| Charges to pay. | | Office Stamp. |
|---|---|---|
| Rs. | As. | |

| Handed in at (Office of Origin). | Date. | Hour. | Minute. | Service Instructions. | Words. |
|---|---|---|---|---|---|
| Chaibasa | 21 | 8 | 35 | e | 16 |

TO

Recd. here at 13 H. 32 M.

Reply Paid President
church council
Lutheran compound
Ranchi

father expired come for
burial = Amritlal tirkey

*N. B.*—The name of the Sender, if telegraphed, is written after the text.

Karim Bux Bros., Printers, Calcutta—562 (B-82)—21-7-32—1,00,000 Bks.

**INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT**

RANCHI TEL. ... SEP. 33

**RECEIPT FOR INLAND TELEGRAM**

Class Prefix 0

Amount paid. Rs. A. P. -3-

No. 42

*Date-Stamp.*

Sm

The charges entered upon this form have been duly paid in respect of the telegram indicated by number.

The sum stated includes extra charges, if any, paid for Reply, Delivery, etc.

Should any reference become necessary, the production of this receipt will enable the telegram to be traced by the office of origin within seven days of the date of its despatch—thereafter *Complaints* respecting this telegram and applications for *Refund* involving complaint against the Service, should be made to the Postmaster-General of the Circle concerned, within two months. Applications for refund *which do not involve complaints against the Service* should be made to the Officer-in-charge, Telegraph Check Office, Calcutta

Church Council
Received 5. 5. 33
Register No. 3
Date 5. 5. 33
File 15.
Reply No.
Date

5/5/33.

श्रीमान सेक्रेटरी लुथेरान चर्च चाईबासा

महाशय

अर्ज यह है कि मैं सोमा हो वल्द गोपा हो सा: पजो (चोकोरो वासा) डि: गुमड़ा पीढ़ थाना कोल्हान जिला सिंहभूम का बुजुराकुई मुतो की रामराई हो सा: बारसाना डि: गुमड़ा पीढ़ थाना कोल्हान जिला सिंहभूम को रखाव रखा था वह हमारा शादी वाली स्त्री नहीं था अबकरीब १० बरस होता है मैं उसको छोड़ दिया हूं अब उसके साथ मेरा कोई सम्बन्ध नहीं है और न मैं आईन्दे कभी उसको अपने घर में लाना चाहता हूं उसको छोड़ने के बाद में मैं सम्बारी उर्फ योहाना लुईस को रखा हूं उसके तरफ से अभी मेरा एक लड़का और एक लड़की है जो कि आप लोगों की मंडली में ईसाईयान बनाये गये हैं मैं भी अब ईसाईयान होना चाहता हूं और सम्बारी उर्फ योहाना लुईस को शादी करने चाहता हूं सो मेरो बाना करके हमको आप लोगों के मंडली में गवाहान कीजिये और योहाना लुईस के साथ मेरा शादी का बन्दबस्त कर दीजिये —

सोमा हो [illegible]

द: [illegible]

Forwarded to the Secretary, Lutheran Church Council. P. Pinkey. 5/5/33

Church Council
Received 5.5.33
Register No. 4
Date 5.5.33
File 15.
Reply No.
Date

(1) रामचन्द्र मुंडा.
(2) नौदी गांव
(2) रायाय हो
(4) [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Forwarded to the secretary Lutheran Church Council. P. Tirkey 5-5-33.

[illegible]
12/8/33.

रामचन्द्र मुंडा सा० [illegible]
13/8/1933

[illegible]
[illegible] 13-8-33

[illegible]
12/8/1933

[illegible]
सुलेमान [illegible]
13/8/33

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
CHURCH COUNCIL KI KARYYAKARAK SABHA KI BAITHKI.
Ta:26 June,1933.

---------oOo---------

## 7. MAURBHANJ MEN MANDALI SEWA.

Maurbhanj men hamari mandali ke logon ki charwahi aur dekhbhal ke liye Padri Paulus Tirkey aur mrit padri Paulus Manki ke madhya men likha parhi hui thi. Isi bishay par ek chitthi padri Paulus ne Council ke Secretary ko likhi thi jo parhi gai. Maurbhanj ke kam ke sambandh men batchit hui. Yah bishay bite ,3,4 barson se chala a raha hai so batchit hone par yah tay hua -

SANKALP: Ki Maubhanj jane ka kam President ko saunpa jay ki we Chaibassa Pindargariya hoke Maurbhanj ko jawen aur wahan ke khrishtiyanon ki dasha par bichar karke kam kholne ke sambandh men report dewen.

Memo No: 49-50/33/E-B

Dated Ranchi, the ~~26~~ 30th. June, 1933.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 26th. June, 1933 forwarded to the Rev: J.Topno & Rev: P. Tirkey, and M. Hurad, for information, guidance and compliance.

[signature]

Secretary,
G.E.L. Church.

892-94/32.  26th. February, 32.
F. - 15.

Mr. P. P. Richard,
Secretary Chaibasa Ilaka,
G. E. L. Church,
Chaibassa.

Dear Sir,

With reference to your letter of the 24th. February current on the subject of Ilaka jurisdiction I should like to refer you to the followings:-

1. General Conference Minutes 1927. P. 20 Heading Chakradharpur.
2. The Church Constitution (Niyamawali) P. 5 Item 11 Note. where Chakradharpur has been specially mentioned as an Ilaka.
3. Church Council January 1928 Minutes, P. 19.
4. Church Council October 1928 Minutes PP. 16 and 17.
5. Church Council January 1929 Minutes P. 32.

In the above items 3, 4 and 5 Chakradharpur has been dealt with as a separate Ilaka.

6. Church Council April 1929 Minutes P. 4. here question arose to form one Ilaka for whole Singbhum with suggestion to advise the Conference to sanction this Scheme.
7. Church Council October and November 1929 Minutes PP. 2 and 8 Chaibasa Ilaka.
8. Church Council October and November 1929 Minutes P. 18.

This last item is self-explanatory. The Church Council could not and did not bring up this question before the Mahasabha as the Church Council's finding was conclusive on this subject. I may point out that the Church Council is not competent to go against the decision of the Mahasabha and can not alter the geographical boundaries (Vide Section 1 of Article XII of the Constitution P. *13)

The Church Council can therefore simply advise that the Singbhum people would do well to meet together and have deli-

deliberations on spiritual matters and solve problems of common interest in Church administration without comitting their Ilakas to any course of action, as Ilakas are enpowered to draw up their own Rules ~~ø~~ for the conduct of their business. (Vide Constitution Act XII Section 3.).

As to Jamshedpur I should also point out - that constitutionally Jamshedpur is not an Ilaka and when there is no special mention anywhere regarding its detachment, it should be concluded that it is a parish within Chaibassa Ilaka.

With a view to facilitate financial problems the Church Council has direct dealings with Jamshedpur and that at the express wish of the people of that place who aspire towards fuller self-support. The Church Council has so far no desire to isolate Chaibassa by detaching Jamshedpur from it, until or unless there are strong grounds for doing so.

Yours faithfully,

[signature]

Memo No. 893-94/32.
F.- 15.

Dated Ranchi, the 26th. February, 1932.

Copy of the letter to the Seceetary Chaibassa Ilaka Panch forwarded to the ~~Kaxxx~~ Chairman, Chakradharpur Ilaka and the Chairman, Jamshedpur ~~Ilaka~~ Parish for information and guidance.

[signature]

Secretary,
G. E. L. Church.

Church Council
Received 26.2.32
Register No. 226
Date 24.2.32
File 15.
Reply No. ...
Date ...
T/O

[illegible] 26/2/32

The Secretary,
Lutheran Church Council Ranchi
Dated Chaibasa the 24th Feby 932

Sir,

In sending herewith a copy of the proceedings of the Lutheran Parish Committee meeting, held on the 15th February 932, I beg to invite your attention to resolution No. 4 with the request that you would be so good as to enlighten us on the decision of the Church Council, whether Chaibasa, Chakradharpur and Jamshedpur Parish together form an elaka according to the division of the circles by the Church Council.

A reply by the end of this month is earnestly requested as it will greatly facilitate decision of matters to be put up for consideration in our meeting which is going to be held by the 1st week of March next.

I beg to remain
Sir
Your most obedt servant
[illegible] Richards
Secretary
L. Parish Committee Chaibasa

ता: १५ फरवरी १९३२: के मुताबिक
पेरिश कमीटि चाईबासा की बैठकी की
कार्यवाहियां

उपस्थित:
१. मानकर पादरी बाबू पौलुस लिरवी
२. मिस्टर सी. के. कोनगाड़ी
३. " के. के. एक्का
४. बाबू सुलेमान डरहे
५. " पौलुस तोपनो
६ " सामुएल कंडीर
७ " ~~बाबू~~ पुर्ति पुनाई हिंगोड़ी
८ " — गबिनो लोम
९ " योहन लकड़ा
१० पादरी दुमाल धानवार
११ " कोलियन मरेकेरा
१२ " दुवानी बरला

१. सभा के कार्यों का आरम्भ मानकर पादरी बाबू पौलुस लिरवी प्रेसिडेन्ट की प्रार्थना द्वारा हुआ
२. निश्चय किया गया कि निम्न लिखित सज्जनगण लूथेरन पेरिश कमीटि चाईबासा के मेम्बर और पदाधिकारी रहें।

१. मानकर पादरी बाबू पौलुस लिरवी — प्रेसिडेन्ट (सभापति) और खजांची
२. मिस्टर सी. के. कोनगाड़ी (डिपटी मेजिस्ट्रेट और डिपटी कलेक्टर) असिस्टन्ट सेक्रेटरी
३. मिस्टर के. के. एक्का (स्कूल्स सब इन्सपेक्टर)
४. बाबू पौलुस तोपनो — प्रचारक

५. बाबु साधुराम बशीर हेडमास्टर —
६. श्रीमती कुमारी मालती हेड मिस्ट्रेस
७ बाबु पी. पी. त्रिपाठी, सेक्रेटरी।

३. निश्चय किया गया कि पेन्डरगास्ट और कुमारेडेला के प्रबन्धकों को लिखा जाय कि कुमाऊँ पेरिश कमेटी नैनीताल में सभासदों को उपस्थित करने के लिये वे स्थानीय पंचायत द्वारा अधिक से अधिक ३ और कम से कम दो नामों को चुन कर उनका नाम पेरिश कमेटी के सभासदों में दर्ज करने के लिये शीघ्र सेक्रेटरी कुमाऊँ पेरिश कमेटी नैनीताल के पास भेजें।

४. बीते दिसम्बर १९२९ में जब चर्च कौंसिल के प्रेसिडेन्ट महा माननवर पादरी बाबु ता. नेविन्स और माननवर पादरी एम. ब्रेटन साहेब नरिवाला महाजनों में आये थे तब उनके बातचीत से मालूम हुआ था कि नरिवाला, नडुआपुर और गमदोदपुर ये तीनों पेरिश मिलकर एक इलाका है किन्तु ता: २० जनवरी १९३२ के इलाका मीटिंग में जब चर्च कौंसिल के सेक्रेटरी मिस्टर पी. हरदत्त आये थे तब उनके बातचीत से मालूम हुआ कि नरिवाला, नडुआपुर और गमदोदपुर ये तीनों पेरिश मिलकर एक इलाका नहीं हैं किन्तु ये तीनों पेरिश सबों ही अकेले बिलकुल एक २ स्वतन्त्र पेरिश या मण्डली हैं [illegible]

निश्चय किया गया कि चर्च कौंसिल से पूछा जाय कि नरिवाला, नडुआपुर और गमदोदपुर ये तीनों पेरिश मिल कर एक इलाका है कि नहीं।

५. लड़कियों के स्कूल का म्युनिसिपल ग्रान्ट कोरेनपोरेशन सिटी हेल्थ के पास मनीआर्डर द्वारा जाने और आने में मनीआर्डर कमीशन खर्च होता है सिवा इसके मनीआर्डर द्वारा ग्रान्ट के जाने और आने में वक्त लगता है जिसमें स्कूल के शिक्षिकों के तलब मिलने में देर होती है और इसके कारण उनको तकलीफ भी होती है, इसलिये

निश्चय किया गया कि कोरेपोरेशन सिटी हेल्थ को लिखा जाय कि देवेलाली हाल्ट के नाडियाद लड़कियों के स्कूल के बाबत म्युनिसिपल ग्रान्ट को वह सेक्रेटरी, जुबंदा, मु. पो. गाजी स्कूल नाडियाद के नाम पर नाडियाद ही में म्युनिसिपल ग्रान्ट दिये जाने का शीघ्र प्रबन्ध करें।

६. निश्चय किया गया कि जुबेदार पोरिट कमेटि नाडियाद के सेक्रेटरी बाबू कृपा प्रसाद त्रिपाठी हैं, जुधेरव मु. पो. गाजी स्कूल, नाडियाद के सक्रेटरी नाम पर हैं।

७. निश्चय किया गया कि कोरेपोरेशन सिटी हेल्थ को लिखा जाय कि नाडियाद के लड़कियों का बोर्डिंग ग्रान्ट सुभीता के साथ मिलने के लिये मेहेरबानी करके वे पत्रकार बाबू पौलुस त्रिपाठी, प्रेसिडेन्ट, जुबली पोरिट कमेटि नाडियाद के नाम पर बाबत बोर्डिंग के डेपुट मिलने के साथ ~~[illegible]~~ ग्रान्ट पाने का कोआपरेटिव ऑर्डर (सिम्पली) किया करें।

८. निश्चय किया गया कि पंचायती और इसके सदस्य सार्वजनिक माघ १८३२ से [illegible] कर के वस्त्र सकते? २) रु. माहवारी के हिसाब से मान किया जाय और बाबू गजविला लोध और बाबू रघुनन्दन लोध के दो [illegible] [illegible] [illegible] के [illegible] पर हों।

९. निश्चय किया गया कि निम्नलिखित सज्जनों का मासिक चन्दा स्वीकार हो।

१. श्रीमती श्री के. [illegible] 2) रु.
२. " रूप कुमारी 2।)
३ " के. के. [illegible] 2।)
४ " लोकनाथ [illegible] १।।।)
५. बाबू गुरुप्रसाद तिवारी १)
६. " [illegible] तिवारी ।।=)
७ " [illegible] [illegible] ।।=)
८ " [illegible] [illegible] ।।=)
९ " [illegible] पांडे बाबू चौकुस तिवारी ।।)
१० बाबू [illegible] [illegible] ।।)
११. " ~~[illegible]~~ श्रीमती प्रेमा माला ।=)
१२. बाबू चौकुस [illegible] ।-)
१३ " रघु [illegible] ~~लोध~~ ।)
१४ " रघुराम लोधे ।)
१५ ~~[illegible]~~ श्रीमती सुरती लछमी ।-)
१६ श्रीमती रूप [illegible] ।।)
१७ " सुदर्शी ।)

१८. बाबू कुंदन बहादुर ।)
१९ " राधेलाल ।)
२० " मौलुम सिंह ।)
२१ " मोहन नाग ।)
२२ " रामेश्वर बहादुर ।)
२३ " विनोद बहादुर ।)
२४ " नारायण कुमार ।)
२५ " मालिक ।)
२६ " मनोसिंह ।)
२७ " मोहन बहादुर ।)
२८ " मंगल कुमार ॥)
२९ " सुरेश कुमार =)
३० " कुंदन लाल सिकन्दर =)
३१ " लीलाधर =)
३२ " मनमोहन ।)
३३ श्रीमती [illegible] ।)

१० निश्चय किया गया कि मजदूरों का [illegible] मालिक ... मौलुम [illegible] कमेटी के सामने रखा जावे है ।

११. निश्चय किया गया कि कमेटी की बैठक ता: २० सितम्बर १९३२ को फिर होवे ।

सभा प्रेसिडेन्ट के धन्यवाद द्वारा समाप्त हुई ।

सही । ~~मौलुम [illegible]~~ प्रेसिडेन्ट

सही [illegible] सेक्रेटरी १५/१२/३२

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR
AND ASSAM, RANCHI.

Memo No. 686/49/F- 13. Dated Ranchi, the 20th April, 1949.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.Dh.Guria for information,guidance and compliance.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the full C.C.meeeting held from April 2-6,1949.

Item No. 18.

" Maheshwary Ekka :- Considered the suspension of the ordination of Candidate Maheshwary Ekka along with the letter --- from the Committee of Jashedpur and resolved that the matter be referred to the Jamshedpur Pastor to take up the case of Maheswari Ekka,Kondra P.O.,Raidih,Dt.Ranchi and communicate the decision to the Council.

Sd. J.Lakra,President. Sd. C.H. Herenz,Secretary,6.4.49."

532/31.
F. - 15.

14th. September, 31.

Manyawar Padri Paulus Tirkey,

Ap ko mera Yishusahay! Main yahan se 16 tarikh nikalta hun aur 17 tarikh Urgent kam men Rajgangpur pahunchunga. 18 ya 19 tarikh main Goilkera hoke Christbari pahunchunga so ap janiye ki 19 tarikh Panchait karenge 17 tarikh thik nahin ho raha hai. Sabhon ko yah hal dijiye.

Age shubh,

[signature]

Secretary,

G.E.L. Church.

Copy to

Rev: M. Hurad, Chakradharpur

" L. Jojowar, Jamshedpur

Mr. Dh. Horo, Christbari.

[signature]

521/31.
F.-15.

10th. September 31.

Manyawar Padri Paulus Tirkey ko Yishusahay!

Padri Luther Jojowar Jamshedpur se Ranchi aye the aur unse meri jo batchit hui usse malum hua hai ki ap logon ne Khristbari men jo golmal hua usko saphai nahin karne sake. Main us samay Khristbari nahin jane saka jiske liye mujhe aphso hai. Parantu abhi Luther Padri ke sath men hamare yah batchit hui hai ki ham log shighr wahan ke jhagre ko phaisla kar dewen

Main 17 tarikh ko Khristbari men panchait karne chahata hun arthat main ap logon ki sahayta karna chahta hun. Rev:L. Jojowar is tarikh ko thik hi samajhte hain so ap yadi sakte hain to 17 tarikh ke liye Notice dijiye athwa koi dusri tarikh chahte hain to mujhe aur dusron ko bhi janaiye.

Age shubh,

Secretary,

G.E.L. Church.

श्रीयुक्त मान्यवर सेक्रेटरी 1/9/30 36 File

Church Council
Received 1.9.30
Register No. 312
Date 30.8.30
File 15
Reply No.
Date

चार्च कौंसिल लूथेरान चार्च

रांची

बजरिये मान्यवर पादरी-लूथेरान चार्च

चैबासा सिंगभूम ।

महाशय !

आप को गुवा मराङलों की ओर से यीशुसहाय ।

आगे आपको इस पत्र के द्वारा सूचित किया जाता है कि मंगलदास हेमरोम की चिठी जो उसके भतीजे रेजन हेमरोम के बाबत चार्च कौंसिल में लिखे थे सो मराङलों भाइयों के बीच यह फैसला हुई कि रेजन हेमरोम जो अन्य जाति औरत के संग व्यभिचार में फंस जाकर के उस औरत को रखा है. वह औरत कुवांरी नहीं है। वह जात की घांसी है। उसका पुरुष अभी तक जीता है और अभी तक दावा भी करता है। स्त्री की उमर करीब ३५ बर्ष की होगी और उसको एक बेटी भी है जिसकी उमर करीब १३, १४ बर्ष की है। रेजन हेमरोम की उमर करीब २२ बर्ष की होगी। उपरोक्त बातों को देख, और समझ कर गुवा के मराङलो भाई उन दोनो के शादी बाबत नहीं फैसला कर सकते हैं। कृपा करके आप इस बात पर आगे फैसला करेंगे ।

और यहां के मण्डली भाईयों को राय देंगे कि कैसा किया जायगा ।

आपका

गुवा मण्डली के भाईयों के नामसे

नेहेमियाह तोपोनो
स्कूल माष्टर गुवा
जिला सिंगभूम
पोस्ट आफिस गुवा ।

तारीख २३ अगस्त १९३०

To
The Secretary C. C.
Ranchi.

नियम के मोताबिक तो उपरोक्त बिषय यहां के पेरिश कमेटी में बिचार होगा - पर तौभी वह आप के पास भेजा जाता है कि आप को उस का पूरा हाल मालूम होवे - सो कृपया आप उस के बारे कुछ सलाह दीजिये । रेजन हेमरोम की शादी के बारे जो गोलमाल की बात लिखी गई है तो उस के बारे बात बिचार करना अभी मुलतवी रहेगा ।

(Rev.) Paulus Tirkey.
Chaibasa.
30. 8. 30.

गोपिनाथपुर
ता: १०-६-३१

| Church Council | |
|---|---|
| Received | 26.6.31 |
| Register No. | 106. |
| Date | 10.6.31 |
| File | 1.5 |
| Reply No. | |
| Date | |

टु
दी सेक्रेटरी टु दी चर्च
गोस्सनर मिशन कम्पौण्ड
रांची।

माननीय महाशय

आप की चिट्ठी मेमो नम्बर ३४६/~~२८~~ F ३५ डेटेड रांची दी २६ वां अक्तोबर १९~~२९~~२८ ठीक समय में मिली और राय मोताबिक चाईबासा के पादरी बाबू को अर्जीनामा लिखा गया कि वे मयूरभंज के गोपिनाथपुर पो. आ. बारीपादा के भाईयों के पास आकर कौन्सिल को अपना रिपोर्ट देवे। जिस्ते एक प्रचारक दिया जावे। उदासी की बात कि पादरी बाबू पौलुस तिर्की कम जोरी के कारण नहीं आने सके और न कौन्सिल को रिपोर्ट दे सके। इसलिये कौन्सिल से अर्जी है कि वह कोई बन्दोबस्त करके गोपिनाथपुर का रिपोर्ट पांवे। जिस्से हम गरीबों को एक प्रचारक दिया जावे जिसके हम बड़े धन्यबादी हैं।

आपके आश्रित गण
समुएल चुटिया पुर्ती
सन्तोष " "
मनसिद्ध टुटी

# Memorandum.

From,

The Secretary,
G. E. L. Church,
Chota Nagpur & Assam.
RANCHI.

No. 90/30
2-15

LUTHERAN COMPOUND,

Ranchi 3rd. May 1930. 19

To

The Rev.P.Tirkey.
G.E.L. Church Compound.
CHAIBASSA.

---

Manyawar Padri ,

Ap ko mera Yishusanay. Ap ko main Gua ke Mangal Das Hemrom ki chitthhi original men bhej deta hun. Ap kripaya is chithhi ki baton par dhyan dijiyega aur chinta kijiye ki yadi bane to unki sadi ka bhi bandobast howe. Pahile unko mere bichar men kuchh samay tak alag rahna chahiye. Yadi kunwar kunwari hain to unko ap grahan karke ashirbad bhi dene sakte hain. Jo ho ap wahan jake un logon ke sath aur Panch ke sath men bichar kar is bat ko tay kar dijiye.

Age shubh,

[signature]

Copy of letter no: nil dated the nil from Mr. Mangaldas Hemrom Gua, to the Secretary, G.E.L. Church, Ranchi.

---------oOo---------

Yahan Gua Khadan men ham logon ki halat sunate hain. Jisko ap kripa kar jabab denge iska ashra karenge.

2. daphe Panchon ko 1 daphe Padri Paulus Tirkey Chaibassa ko shadi ke liye arj kiya gaya magar nahin diya gaya na bachan sikhaya gaya na koi samjhaya na kuchh nahi n kiya hamare bhatija. Rejan Hemrom jo ki Gua men behra ka kam katta hai jo ki kisi anya jati stri se phans gaya abhi arj karta hai ki isi ko shadi karenge pracharak ko bola gaya un sansarik jatiyon ko bachan sikhawe magar anek haphton se dekha gaya ki pracharak kuchh nahin kiya kya Ishwar ka Rajya kisi ke liye bandh hai kya Ishwar koi jat ko jo ki is Dharti par chhota gina jata hai tuchh karta hai.

Ham kya un anya jatiyon ko jo ki Ishwar ke mandli men ane chahte hain khana ke liye rok dewe.

Yahan ke anek babuon ke munh se suna gaya ki tum Hindu ho jao yah kahna shahaj hai koi khristan larka jo ki sayd men shaytan ke phauj se malar saka sharir ke liye gir gaya ph irta hai jab apne mandli ko chahta hai phir kar usko aisa kara ka jabab diya jata hai hai tab wah nirash ho kar apne papon men khara rahne ka nik nischay karta hai.

Aisa karne se ham apne dharmm ko aiwds anyadeshiyon ke bich kaisa phayla sakenge aur apne mandli men la sakenge. Xgax Araj hai ap bichar kar i ska jabab dijiyega aur Paulus baby Chaibassa ko chitthi dijiye ki unko sadi dewe larka nahin chhorta hai ham bharsak samjnaya sal bhar magar nahin hua mandli bahar hai.

Waisa rahne ke badle sadi kar lewe ji s men unka Atma nas hone se bache jiwan ka hisab kisi ke pas nahin akix hai asha karte hain ki ap jarur iska bichar karenge.

True Copy

[signature]